अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and group interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research hand to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वद्यिालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना;देश और विदेश में विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी का प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरूचि रखने वालें हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान कें लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Target of the school)

यह पाठ्यक्रम प्रबन्ध शास्त्र के मूल सिद्धान्तों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन हेतु संचालित है। इस मूल उद्देश्य को केन्द्र में रखकर विभाग द्वारा प्रतिपादित अभीष्ट लक्ष्य निम्नवत है:

1) प्रबंधन शास्त्र के क्षेत्र में विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक एवं अवधारणात्मक ज्ञान को समुन्नत करना,

2) औद्यागिक इकाइयों में अल्पकालीन प्रशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल एवं ज्ञान में अभिवृद्धि करना।

3) औद्योगिक इकाइयों एवं विभाग के बीच क्रियात्मक संबंध को विकसित करना।

4) विभागीय स्तर पर उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना करना।

5) प्रबंध शास्त्र के विविध क्षेत्रों से संबंधित गहन शोध एवं अध्ययन को विकसित करना।

3. विभाग/केन्द्र की कार्य-योजना(Action plan of the Department/Center)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/ केन्द्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plan)
शिक्षण Teaching	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) MBA (नियमित)कार्यक्रम को संचालित करना
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के उपरान्त प्रत्येक विद्यार्थी के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हेतु किसी औद्योगिक इकाई में प्रशिक्षण की व्यवस्था करना
शोध Research	(1) पी.एच.डी. प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रवेशित शोध छात्रों का मार्ग-दर्शन करना। (2) अध्यापकों द्वारा लघु-शोध परियोजनाओं का क्रियान्वयन
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of	(1) कक्षा अध्यापन (2) विशेषज्ञों द्वारा चयनित विषयों पर

Knowledge	व्याख्यान का आयोजन (3) व्यावसायिक क्रीड़ा आदि कार्यक्रमों का आयोजन (4) औद्योगिक व्यावसायिक इकाइकयों से संबंधित समस्याओं का 'Case study'विधि द्वारा समाधान प्रस्तुत करना। (5) शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन।
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	(1) पाठ्य-पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन (2) विषय-विशेषज्ञों द्वारा लिखित सामग्री का प्रकाशन ।

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केन्द्र का नाम:**वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
   (Name of the Department/Centre)
2. **पाठ्यक्रम का नाम:**व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)
   (Name of the Programme)
3. **पाठ्यक्रम कोड:**MS
   (Code of the Programme)
4. **अपेक्षित अधिगत परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcome)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रमू के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	**कौशल/दक्षता संबंधी**	**रोजगार संबंधी**
प्रबंधन शास्त्र वह विद्या है जिसमें प्रबंधकीय निर्णयन, उनके क्रियान्वयन, समन्वयन एवं नियंत्रण से संबंधित सैद्धान्तिक अवधारणाओं, मार्गदर्शक सिद्धान्तों तथा व्यावहारिक पद्धतियों का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है। प्रबंधकीय ज्ञान के अर्जन एवं आत्मबोध हेतु निम्न कदम प्रभावी होगें: 1) कक्षा-अध्यापन की समुचित व्यवस्था, वेबिनार, सेमिनार तथा विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान-माला का आयोजन। 2) वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध-लेखन प्रतियोगिता,	किसी संस्था के उद्देश्यों के पूर्ति में प्रबंधकीय कौशल/दक्षता का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रबंधकीय निर्णयों के क्रियान्वयन में प्रबंधक की व्यवहार-कुशलता, आन्तरिक एवं बाह्य हितधारकों से अन्त:क्रिया एवं तात्कालिक परिस्थितियों के अनुरूप त्वरित निर्णय की भूमिका अत्यंन महत्वपूर्ण होती है। एक प्रभावी प्रबंधक में तकनीकी ज्ञान के अतिरिक्त मानव, व्यवहार को प्रभावित करने वाले गुणों- जैसे, शिष्टता, मृदुभाषी, दूरदर्शिता, समूह-भावना आदि का समावेश होना चाहिये। इस दृष्टि से निम्न कदम सहायक होगें:	एम.बी.ए. पाठ्यक्रम छात्र-छात्राओं के प्रबंधकीय ज्ञान, कौशल एवं व्यावहारिक अनुभव को विकसित करता है। जिसके आधार पर भावी प्रबंधकों के रोजगार का मार्ग प्रशस्त होता है। हमारे एम.बी.ए. उपाधि-धारक विद्यार्थी औद्योगिक इकाइयों, बैंकों, बीमा कम्पनियों आदि संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएँ प्रदान कर रहे है। इसके अतिरिक्त एम.बी.ए. उत्तीर्ण छात्र-छात्राएँ स्वरोजगार के क्षेत्र में रोजगार सृजन, न कि रोजगार याचक की भूमिका में प्रतिष्ठित है। स्टार्ट-आप, मेक-इन इण्डिया, स्किल डेवलपमेंट आदि योजनाओं के माध्यम से एम.बी.ए. उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिये स्वरोजगार के अवसर बढ़े है।

क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन। 3)पुस्तकालय एवं वाचनालय का सदुपयोग, कक्षा में उपस्थिति से संबंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन। 4) शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन, अन्तर-विश्वविद्यालय शैक्षिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सहभागिता। 5) Case Study तथा Brain-Storming कार्यक्रमों का आयोजन	1)व्यावसायिक क्रीड़ा (Business Games) भूमिका-निर्वहन (Role-Playing) कार्यक्रमों का आयोजन। 2) सामूहिक-विचार विमर्श, क्विज प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा व्यावसायिक योजना निर्माण आदि कार्यक्रमों का आयोजन। 3) नेतृत्व विकास, व्यवहारात्मक विश्लषण आदि विषयों पर विशेषज्ञों का व्याख्यान।	

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा ; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण।

  स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	**मूल पाठ्यचर्या (Core Course)**			**ऐचिछक पाठ्यचर्या (Elective Course)**		**योग**
पहला सेमेस्टर	MS 401	प्रबंधन के सिद्धांत एवं व्यवहार	2	अन्य विभागों से विषय	6	22 क्रेडिट
	MS 402	संगठन में व्यवहार	2			
	MS 403	वित्तीय लेखांकन	2			
	MS 404	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र	2			
	MS 405	व्यवसाय के कानूनी पहलू	2			

	MS 406	व्यावसायिक शोध विधि	4			
	MS 407	व्यावसायिक संप्रेषण	2			
	6X2+4X1=16 क्रेडिट			2X3अथवा3X2 अथवा 4X1+2X1= 06 क्रेडिट		
दूसरा सेमेस्टर	MS 410	मानवीय मूल्य और नैतिकता	2	अन्य विभागों से विषय	6	22 क्रेडिट
	MS 411	वित्तीय प्रबंधन	2			
	MS 412	विपणन प्रबंधन	2			
	MS 413	मानव संसाधन प्रबंधन	2			
	MS 414	संचालन प्रबंधन	2			
	MS 415	मात्रात्मक तकनीक	4			
	MS 416	परियोजना प्रबंधन	2			
	6X2+4X1=16 क्रेडिट			2X3अथवा3X2 अथवा 4X1+2X1= 06 क्रेडिट		
तृतीय सेमेस्टर	MS 420	ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की रिपोर्ट	4	अन्य विभागों से विषय	4	24 क्रेडिट
	MS 421	गाँधीवादी प्रबंधन	2			
	MS 422	उद्यमिता विकास	2			
	MS	एच्छिक विषय –I	2	पर्यावरण अध्ययन/मानव अधिकार	4	
	MS	एच्छिक विषय -II	2			
	MS	एच्छिक विषय -III	2			
	MS	एच्छिक विषय -IV	2			
	6X2+4X1=16 क्रेडिट			4X2= 08 क्रेडिट		
तृतीय सेमेस्टर	MS 438	एकीकृत अनुसंधान परियोजना	4	अन्य विभागों से विषय	6	22 क्रेडिट
	MS 439	सामरिक प्रबंधन	3			
	MS	एच्छिक विषय –I	2			
	MS	एच्छिक विषय -II	2			
	MS	एच्छिक विषय -III	2			
	MS	एच्छिक विषय -IV	2			
	6X2+4X1=16 क्रेडिट			3X2 अथवा 2X3अथवा 4X1+2X1= 06क्रेडिट		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** प्रबंधन के सिद्धांतों और व्यवहार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 401
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit (Semester)

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्यामेंविद्यार्थियोंकोउन साधनों तथा विधियों का अध्ययनकराया जाता है जिनके द्वारा आप वास्तव में प्रबंधन करते हैं, अर्थात्, दूसरों के माध्यम से, व्यक्तिगत रूप से, समूहों में, या संगठनों में काम करते हैं। औपचारिक रूप से परिभाषित, प्रबंधन के सिद्धांत वे गतिविधियाँ हैं जो "लोगों", सामग्री, मशीनों, विधियों, धन और बाजारों के मूल तत्वों के संचालन की योजना, संगठित और नियंत्रित करती हैं, दिशा और समन्वय प्रदान करती हैं, और मानव प्रयासों को नेतृत्व प्रदान करती हैं।ताकि उद्यम के मांगे गए उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। प्रबंधन के सिद्धांतों की मौलिक धारणा फ्रांसीसी प्रबंधन सिद्धांतकार हेनरी फेयोल (1841-1925) द्वारा विकसित की गई थी। उन्हें मूल योजना-आयोजन-अग्रणी-नियंत्रित-नियंत्रण ढांचे (पी-ओ-एल-सी) के साथ श्रेय दिया जाता है, जो सामग्री में बहुत महत्वपूर्ण बदलावों से गुजर रहा है, दुनिया में प्रमुख प्रबंधन ढांचा बना हुआ है। इस कारण से, प्रबंधन के सिद्धांतों पर अक्सर चर्चा की जाती है या पी-ओ-एल-सी नामक एक ढांचे का उपयोग करके सीखा जाता है, जो योजना, आयोजन, अग्रणी और नियंत्रित करने के लिए खड़ा है।संगठनों की सभी गतिविधियों में प्रबंधकों की आवश्यकता होती है: बजट बनाना, डिजाइन करना, बेचना, बनाना, वित्तपोषण, लेखांकन और कलात्मक प्रस्तुति; संगठन जितना बड़ा होगा, उतने अधिक प्रबंधकों की आवश्यकता होगी। किसी संगठन में नियोजित हर व्यक्ति प्रबंधन के सिद्धांतों, प्रक्रियाओं, नीतियों

और प्रथाओं से प्रभावित होता है क्योंकि वे या तो एक प्रबंधक हैं या एक प्रबंधक के अधीनस्थ हैं, और आमतौर पर वे दोनों हैं।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थियोंको प्रबंधन कार्यों के विषय में जानकारीउपलब्धकरना।
- प्रबंधकीय कौशल का विकास करना।
- प्रबंधकीय समस्याओं को सुलझाने के लिए क्षमताओं को विकसितकरना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/कौशल विकास गतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1.प्रबंधन कीपरिभाषा और प्रकृति, इसकी प्रक्रिया एवं कार्य	1	1	-	6	20.0
	2. प्रबंधनके सिद्धांत	1	1	-		
	3. प्रबंधक की भूमिका एवं चुनौतियां	2	_	-		
मॉड्यूल-2	1.निर्णय लेने में जोखिम और अनिश्चितता	1	_	1	6	20.0

	2.नियोजन प्रक्रिया,नियोजन के प्रकार	1	1	-		
	3.नियोजन प्रक्रिया के चरण	1	1	-		
	4. उद्देश्यों के द्वारा प्रबंधन	1	_	-		
मॉड्यूल-3	1.पूर्वानुमान की आवश्यकता और विशेषताएं	2	_	1	6	20.0
	2. पूर्वानुमान की तकनीक	1	1	-		
	3. संगठनात्मक संरचना	1	1	-		
मॉड्यूल-4	1. निर्देशन के प्रकार और तकनीकें	2	_	_	6	20.0
	2. प्रभावी समन्वय के लिए अपेक्षित	1	_	_		
	3.निर्देशन में जरूरत और समस्याएं	1	1	_		
मॉड्यूल-5	1.नियंत्रण की प्रक्रिया और प्रकार	2	1	_	6	20.0
	2. नियंत्रण तकनीक	2	_	_		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि । (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन । (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार ।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	समाज के प्रति प्रबंधक की जिम्मेदारी हैंविद्यार्थियोंकोयह समझाना।	प्रबंधन केविद्यार्थियोंको प्रदान किए गए सभी ज्ञान प्रबंधन सिद्धांतों से प्राप्त होते हैं। प्रबंधन सिद्धांतों पर आधारित होने के गुण से सम्मानित यह समझ प्रबंधकीय प्रतिभा को	विद्यार्थियोंमें ये समझ विकसित होगी की प्रबंधन में किए गए निर्णय वैज्ञानिक निर्णय हैं। यह तर्क, कारण और तथ्यों के संबंध में बनाया गया है और यह तर्कसंगत है।

		विकसित करने में मदद करती है।	तर्कसंगत निर्णय हमेशा एक व्यवसाय के भीतर दक्षता सुनिश्चित करता है और इसकी सफलता में मदद करता है।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री	**विवरण (APAप्रारूप में)**	
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Robbins, Stephen P. coulter, N. and Vohra, N (2011), Management Pearson, New Delhi 2.Tripathi, P.C. and Reddy, P.N.(2008), Principle of Management, 4th edition, the McGraw Hill, New Delhi

		3. Pettinger, R, (2007), Introduction to Management, 4th Edition, Palgrave MacMillan, New Delhi 4. प्रबन्ध के सिद्धान्त (Principles of Management) Dr. S.C. saxena, sahitya Bhawan publication, Agra
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Hannaway, J. (1989). Managers Managing: The Workings of an Administrative System. New York: Oxford University Press, P. 39; and Kotter, J. P. (1982). The General Managers. New York: The Free Press. 2.Stewart, R. (1967). Managers and Their Jobs. London: Macmillan. 3. Mintzberg, H. (1973). The Nature of Managerial Work. New York: Harper & Row. P. 37. 4. Mintzberg, H. (2009). Managing. San Francisco, Berrett-Kohler Publishers. P. 26-28. 5. Eccles, R. G. & Nohria, N. (1992). Beyond the Hype: Rediscovering the Essence of Management. Boston: The Harvard Business School Press, pp. 47-48. 6. Mintzberg, H. (1990). "The Manager's Job: Folklore and Fact." 7. Stewart, R. (1967). Managers and Their Jobs. London: Macmillan.
3	**ई –संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/ms_401.pdf
4	**अन्य**	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** संगठन में व्यवहार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 402
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम संगठनात्मक संदर्भ में व्यवहार के बारे में स्पष्टीकरण को शामिल करता है। यहमानव व्यवहार पर व्यक्तिगत, समूह और संगठनात्मक कारकों के प्रभाव का विवरणहै। यह विषयसंगठन में काम करने वाले कर्मचारियों के व्यवहार को समझने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।यह मानव व्यवहार की धारणाओं और अवसरों, धारणा, अभिप्रेरणा, सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है।व्याख्यान, चर्चा और मामले के अध्ययन (भूमिका निभाने के साथ सबसे ऊपर) को शामिल करने वाली कक्षा की गतिविधियाँ होंगी, इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य संगठनात्मक व्यवहार में मुख्य अवधारणाओं को व्यक्त करना है। संगठनात्मक व्यवहार का अध्ययन बहुत रोचकहै और चुनौतीपूर्ण भी है। यह व्यक्तियों, टीमों में एक साथ काम करने वाले लोगों के समूह से संबंधित है। स्थितिजन्य कारक बातचीत करते समय अध्ययन अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। संगठनात्मक व्यवहार का अध्ययन संगठन में किसी व्यक्ति के अपेक्षित व्यवहार से संबंधित है।किसी भी व्यक्ति को किसी विशेष कार्य की स्थिति में एक ही तरीके से व्यवहार करने की संभावना नहीं है। यह एक व्यक्ति के अपेक्षित व्यवहार के बारे में एक प्रबंधक की भविष्यवाणी है। मानव व्यवहार में कोई निरपेक्षता नहीं हैं। यह मानव कारक है जो उत्पादकता में योगदान देता है इसलिए मानव व्यवहार का अध्ययन महत्वपूर्ण है।यह पाठ्यक्रमसंगठनों मेंव्यक्तिगत और सामूहिक व्यवहार का एक व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है।

विषयों में प्रेरणा,अनुभूति,व्यक्तिगत और समूह व्यवहार शामिल आदिहैंजिससेछात्रों को मानव व्यवहारको समझने में आसानी होती है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- संगठन के भीतर व्यक्तियों और समूहों के व्यवहार की समझ विकसित करना।
- संगठन के अंदर और बाहर दोनोंओर व्यक्तियों में पारस्परिक सम्बन्ध और समुह प्रक्रिया को बढ़ाना।
- संगठनात्मक प्रक्रियाके प्रबधन के लिए सैद्धांतिक और व्यवहारिक अंतदृष्टिको बढ़ाना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकास गतिविधि (Interaction Training/ Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1.व्यवहार की जैविक नींव, व्यवहार की विरासत में मिली विशेषताएँ	1	1	_	6	20.0
	2.व्यक्तिगत अंतर और उनका मूल्यांकन,	1	_	_		

	व्यक्तिगत अंतर के प्रकार					
	3.अधिगम	2	1	_		
मॉड्यूल-2	1.प्रत्यक्षीकरण	2	_	_	6	20.0
	2.रचनात्मकता और अभिनव व्यवहार	1	1	_		
	3. प्रत्यक्षीकरणत्रुटियाँ	1	1	_		
मॉड्यूल-3	1.सामाजिक संज्ञान	1	_	1	6	20.0
	2.अभिवृत्ति	2	1	_		
	3.सामाजिक प्रभाव- अनुरूपता-अनुपालन	1	_	_		
मॉड्यूल-4	1.अभिप्रेरणा	2	_	_	6	20.0
	2.समूह व्यवहार	1	1	_		
	3.संवेग	1	1	_		
मॉड्यूल-5	1.व्यक्तित्व	2	-	1	6	20.0
	2.मूल्य प्रणाली	2	1	_		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि । (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन । (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार ।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियोंउनप्रमुख कारकको पहचान सकेंगेजो संगठनात्मक व्यवहार को प्रभावित करते हैं और संगठनों में व्यक्तियों और समूहों के व्यवहार का विश्लेषण कर सकेंगे।	विद्यार्थियों में व्यक्तिगत अंतर और उनका मूल्यांकन करने की समझ विकसित होगी।	धारणा, दृष्टिकोण, प्रेरणाका मानव व्यवहारपर क्या प्रभाव होता है विद्यार्थियों इसको आसानी से समझेगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1. Organisational behaviour- Stephen Robbins, Sanghi, Judge - Pearson Education, 13e 2. Management and Behavioral Processes - Dr. B.Janakiram, VijayaN Rao- Excel Book 1/e 3. Understanding Organisational Behaviour, Udai Pareek-Oxford, 2003 4. Organisational Behaviour, Fred Luthans, McGraw Hill, 10e, 2005 5. Organisational Behaviour,- Sarma.V.S. Veluri, JaicoPublishinghouse,2/e 2010 **6.** David G. Myers, Social Psychology, Tata McGraw Hill, 8th Edition, 2005

2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.BusinessDictionary.com. (n.d.) Organizational behavior. Retrieved April 17, 2010 from http://www.businessdictionary.com/definition/organizational-behavior.html. 2.Chance, P.L., & Chance, E.W. (2002). Introduction to educational leadership and organizational behavior: Theory into practice. Larchmont, NY: Eye on Education. 3.Ellis, T.I. (1984). Motivating teachers for excellence. Eugene, OR: ERIC Clearinghouse on Educational Management. (ERIC Number ED259449) 4.Michigan State University Extension. (1994). Group effectiveness: understanding group member roles. Retrieved April 19, 2010 from http://web1.msue.msu.edu/msue/imp/modii/ii719202.html. 5.Porter, L.W., Bigley, G.A., & Steers, R.M. (2003). Motivation and work behavior (7th ed.). New York, NY: McGraw-Hill/Irwin. 6.Prati, L., McMillan-Capehart, A., & Karriker, J.H. (2009). Affecting organizational identity: A manager's influence. Journal of Leadership and Organizational Studies, 15(4), 404-415.
3	**ई - संसाधन**	**http://www.mgahv.in/Pdf/dist/gen/MBA_402_Organisational_Behaviour.pdf**
4	**अन्य**	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** वित्तीय लेखांकन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 403
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियोंमें लेखांकनकी समझको विकसित करने में मदद करना है।

छात्रों को सीखनाकी उत्पाद मिश्रण और प्रति शेयर कमाई के आकलन की प्रक्रिया में तर्कसंगत निर्णय लेना। एसेट्स औरसंगठनों में वित्तीय विश्लेषण में देयताओं को हमेशा महत्वपूर्ण माना गया है।प्रबंधन के प्रत्येक पहलुओं में उत्तोलन के पहलू महत्वपूर्ण हैं और समान रूप सेवित्तीय संसाधनों का प्रबंधन। इसे देखते हुए, प्रबंधन लेखांकन बहुत महत्व है। यह पाठ्यक्रम संगठनात्मक संदर्भ में लेखांकन अवधारणाओं के बारे में स्पष्टीकरण -वित्तीय विवरण पर संपत्ति, देनदारियों, व्यय, आय के प्रभाव का विवरणकोआवरण करता है। पाठ्यचर्यालागत की पहचान की समझ,लेखा सिद्धांत, मूल अभिलेख,अंतिम खातों का संचालनऔर आवश्यक रणनीतियों और परिदृश्यों के निर्धारण पर केंद्रित है।व्याख्यान, चर्चा और मामले के अध्ययन सहित कक्षा की गतिविधियाँ होंगीजिसे में विद्यार्थियों को शामिल करने, अवशोषित करने और निविष्ट को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रचित किया गया है। समूह चर्चा, समस्याओं को हल करने वाले समूह, लाइव परियोजनाओं, के विश्लेषण द्वारा पूरक गतिविधियाँ भी होंगी।कक्षा की भागीदारी इस पाठ्यक्रम का एक मूलभूत पहलू है छात्रों को सक्रिय रूप से लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा,समूह की सभी गतिविधियों में भाग लेना और मौखिक समूह प्रस्तुति देना।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थियों को लेखांकन तथा मूल्य की मूल अवधरणाओ को समझने में मदद करना तथासंस्थानों के वार्षिक विवरण का उपयोग निर्णय लेने के लिए करना।
- विद्यार्थियों को लेखांकन के क्षेत्र में हुए विकास के बारे में समझाना।
- छात्रों कोवित्तीयलेखांकनकेमूलअवधारणासे परिचित करवाना |

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.लेखा, बहीखाता	1	1	6	20.0
	2.लेखांकन की शाखाएं, सोसाइटी में अकाउंटेंट की भूमिका	1	1		
	3.पूंजी और राजस्व विषय	1	_		
	4. लेखांकन प्रक्रिया के आउटपुट	1	_		
मॉड्यूल-2	1.GAAP सिद्धांत	2	1	5	16.66
	2.अवधारणा और बातचीत	1	1		
मॉड्यूल-3	1.बुनियादी लेखा यांत्रिकी	1	_	7	23.33
	2.दोहरी लेखा प्रणाली	2	1		
	3.पत्रिका, खाता बही	2	1		

मॉड्यूल-4	1.व्यावसायिक खाता	1	_	7	23.33
	2.बैलेंस शीट	2	1		
	3.वित्तीय लेखांकन में समकालीन मामले	2	1		
मॉड्यूल-5	1.मूल्यह्रास	2	1	5	16.66
	2.भंडारण के उद्देश्य	1	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूलके अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों को लेखांकन तथा मूल्य की मूल अवधरणाओ को समझने में मदद करना।	विद्यार्थियों को लेखांकन के क्षेत्र में हुए विकास के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।	विद्यार्थियों को वित्तीय लेखांकन के मूलअवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1. Arora M.N. (2010), accounting for management. first Edition. Himalaya Publishing House, New Delhi. 2. Mukherjee and Hanif, (2003). Financial Accounting. First Edition. Tata McGraw Hill, New Delhi. 3. Ashok and Deepak, (2006). Fundamentals of Financial Accounting. Fifth Edition. Taxmann's, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	1. Lal, J; Srivastava , S (2004) , " Financial Accounting; Principles and Practices", 4th Edition , S Chand, New Delhi 2. Robert N Anthony, David Hawkins, Kenneth A.Merchant(2013), "Accounting: Textand Cases", 13thEd, McGraw-Hill Education 3. Charles T. Horngren and Donna Philbrick (2017), "Introduction to FinancialAccounting", 11th Edition, Pearson Education. 4. Monga, J, R, "Financial Accounting: Concepts and Applications" (2017) Mayur Paper Backs, 2th Edition, New Delhi. 5. Tulsian, P.C; Tulsia, Bharat (2015). , "Financial Accounting" , 10th Edition ,Pearson Education
3	ई - संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/403_prabandhiki_12_07_17.Pdf**
4	अन्य	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम** : प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 404
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **(Credit)**

4.सेमेस्टर :प्रथम **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

प्रबंधकीय अर्थशास्त्र आर्थिक सिद्धांत और गणितीय और सांख्यिकीय का उपयोग हैयह तकनीक जांचने के लिए कि कोई फर्म दिए गए इष्टतम प्रबंधकीय निर्णय कैसे ले सकता हैबाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्यविद्यार्थियोंको आवश्यक सिद्धांत और तकनीक और उन्हें सूचित करने के लिए और उन्हें लागू करने की क्षमताप्रबंधकीय निर्णय लेने में वृद्धिके लिएरचित किया गया है।प्रबंधकीय अर्थशास्त्र विभिन्न संगठनात्मक सेटिंग्स जैसे कि एक फर्म या एक सरकारी एजेंसी के भीतर प्रबंधकीय निर्णय लेने के लिए आर्थिक सिद्धांत और कार्यप्रणाली का अनुप्रयोग है। इसपाठ्यचर्या में छात्रोंको विभिन्न बाजार स्थितियों के तहत मांग विश्लेषण और आकलन, उत्पादन और लागत विश्लेषण, पूर्वानुमान और अनिश्चितता के तहत निर्णय लेने पर से अवगत कराया जाता है। यह पाठ्यचर्याविद्यार्थियोंको विभिन्न व्यावसायिक उन्मुख संगठनों के संदर्भ में प्रमुख क्षेत्रों के प्रबंधन के निर्णय की जांच करने में सक्षम करेगा।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थियोंको मूलभूत और आधुनिक अवधारणाओं से परिचित कराने के लिए जिसके आधार पर वे प्रबंधकीय निर्णयले सकेंगे।
- इष्टतम उत्पादन और मूल्य निर्धारण को समझाने के लिए आर्थिक सिद्धांत के उपकरणों का उपयोग करना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.प्रबंधकीय अर्थशास्त्र:प्रकृति, स्कोप और महत्व	1	1	7	23.33
	2.उत्पादन संभावना वक्र	2	_		
	3.समान-सीमांत सिद्धांत	2	1		
मॉड्यूल-2	1.मांग की लोच	1	_	5	16.66
	2.मांग का अनुमान और पूर्वानुमान	1	1		
	3.मांग का विश्लेषण	1	1		
मॉड्यूल-3	1.उत्पादन प्रकार्य	1	_	6	20.0
	2.इनपुट्स का इष्टतम संयोजन	2	1		
	3.प्रबंधकीय निर्णय लेने में अनुप्रयोग	1	1		

मॉड्यूल-4	1.स्केल की अर्थव्यवस्थाएं और की अर्थव्यवस्थाएं क्षेत्र	2	1	5	16.66
	2.राजस्व वक्र	1	1		
मॉड्यूल-5	1.बाजार की संरचनाएं	1	1	7	23.33
	2.एकाधिकार, एकाधिकार प्रतियोगिता	2	_		
	3.सामरिक फर्म और गेम थ्योरी का व्यवहार: - नैश इक्विलिब्रियम, कैदी दुविधा	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि । (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन । (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार ।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।

उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों फर्म के भीतर संसाधनों के इष्टतम आवंटन की व्याख्या करने के लिए आर्थिक साधनों का उपयोग कर सकेंगे।	विद्यार्थियों उत्पादन का सिद्धांत, लागत का सिद्धांत को समझ सकेंगे।	अर्थव्यवस्था के सिद्धांतके सन्दर्भ में हुए विकासो को विद्यार्थियों समझ सकेंगे।

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Christopher R. Thomas & S. Charles Maurice (2006), Managerial Economics, Tata McGraw Hill, New Delhi. 2. Truett & Truett (2004). Managerial Economics. John Wiley & Sons Inc. 3.1 Petersen, H. Craig & Cris, L W (2004). Managerial Economics
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Brickley, J. A., Smith, C. W., Jr., & Zimmerman, J. L. (2001). Managerial economics and organizational architecture. New York, NY: McGraw-Hill Irwin. 2.Coase, R. H. (1937). The nature of the firm. Economica 4(16), 386–405. 3.Hirschey, M., & Pappas, J. L. (1996). Managerial economics (8th ed.). Fort Worth, TX: The Dryden Press.
3	**ई - संसाधन**	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/ms_401.pdf**
4	**अन्य**	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** व्यवसाय के कानूनी पहलू
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 405
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

कानून और कानूनी संस्थान व्यवसाय के संचालन में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। भारत में व्यापार से संबंधित कानूनों के मुख्य रूप से उद्देश्य हैं: व्यवसाय के विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाना, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि व्यापारदेश में शासन के बड़े ढांचे के भीतर काम करता है। ऐसे कई कानून हैं जिन का व्यापार पर असर पड़ता है। ये व्यापक रूप से कॉर्पोरेट कानूनी ढांचे से संबंधित क्षेत्र हैं,व्यापारिक के कानूनी पहलू पाठ्यक्रम को पाँच मॉड्यूल में विभाजित किया गया है।इस कोर्स में भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872,माल अधिनियम 1930 की बिक्री आदि से विद्यार्थियोंकोपरिचित कराया जाता हैऔर इसके अलावाप्रासंगिकमहत्वपूर्ण मामलों के कानूनों पर चर्चा की जाएगी।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- अनुबंध की अवधारणा तथा माल बिक्री अधिनियम से विद्यार्थियों को अवगत करना।
- साझेदारी अधिनियम तथा कंपनी कानून से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872	2	1	7	23.33
	2.स्वतंत्र सहमति और प्रतिफल	2	_		
	3.अनुबंध के उल्लंघन के लिए उपचार	1	1		
मॉड्यूल-2	1.क्षतिपूर्ति और गारंटी	1	-	5	16.66
	2.निक्षेप और शपथ	1	1		
	3.एजेंसी	1	1		
मॉड्यूल-3	1.विक्रय अनुबंध	2	_	6	20.0
	2.बिक्री अनुबंध का प्रदर्शन	1	1		
	3अवैतनिक विक्रेता के अधिकार	1	1		
मॉड्यूल-4	1.कंपनी कानून	2	_	6	20.0
	2.ज्ञापन एवं संस्था के अंतर्नियम	1	1		
	3.कंपनियोंका समापन	1	1		
मॉड्यूल-5	1.साझेदारी अधिनियम 1932	4	2	6	20.0

योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित	विद्यार्थी कानूनी और वैध	विभिन्न विशेष अनुबंधों	साझेदारी अधिनियम तथा

अधिगम परिणाम की प्राप्ति	स्वीकृति के लिए विभिन्न नियमों या शर्तों को समझें,एक निश्चित अनुबंध के उल्लंघन के मामले में कानूनी उपायों पर चर्चा करसकेंगे।	को विद्यार्थी समझ सकेंगे।	कंपनी कानूनको विद्यार्थीसमझ सकेंगे।

टिप्पणी:

7. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री	**विवरण (APAप्रारूप में)**

1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Gogna P.P.S. (2008), Mercantile Law, 4th Edition, S. Chand & Co. Ltd., India. 2.Pathak Akhileshwar (2010), Legal Aspects of Business, 4th Edition, Tata McGraw Hill. 3. Shukla M.C. (2007), Mercantile Law, First Edition, S. Chand & Company Ltd. 4.Maheshwari & Maheshwari (2009), Elements of Corporate Laws, Himalaya Publishing House Pvt. Limited, India. 5. Kapoor N. D. (2009), Elements of mercantile Law, Latest Edition, Sultan Chand and Company, India.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Business Law Including Company Law [pdf] Available at: <http://www.newagepublishers.com/samplechapter/001048.pdf>. [Accessed 12 September 2011]. 2. Pollock, F. and Mulla, D. F., 2010. The Indian contract act: with a commentary, critical and explanatory, NabuPress. 3. Bose, D. C., 2010. Business Law, Publication PHI Learning Private Ltd. 4.Tamankar, S. and Kulkarni, U.,2009 Company Law, Vision Publication 5. raajeevmishra,2010.Contract Drafting-Lecture 1 [Video Online] Available at: <http://www.youtube.com/watch?v=_qWDoHqsMr0&feature=results_video&playnext=1&list=PL9BA8967DB52B3F0A>. [Accessed 13 September 2011]
3	**ई - संसाधन**	www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MBA_405_Legal_Aspects_of_Business.Pdf
4	**अन्य**	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** व्यावसायिक शोध विधि
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 406
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	2
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

व्यावसायिकशोध विधिछात्रों को एक शोध प्रबंध को विकसित करने और शुरू करने के कौशल से तैयार करता है। यह व्यावसायिक अनुसंधान के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक तैयारी प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में एक साहित्य समीक्षा, गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों के लिए आवश्यक कौशल और आवश्यकताएं शामिल हैं, और नैतिकता और परियोजना प्रबंधन की व्यावहारिकता के अलावा एक शोध प्रस्ताव है। सहकर्मी की समीक्षा, कौशल विकास कार्यशालाएं और अभ्यास अभ्यास प्रमुख शिक्षण रणनीतियाँ हैं।यह पाठ्यक्रम छात्रों को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि किसी पहचान किए गए शोध समस्या (बुनियादी या लागू) को संबोधित करने के लिए आवश्यक जानकारी निर्धारित की जा सके और इस समझ का उपयोग करके, एक विकसित अनुसंधान प्रस्ताव का उपयोग किया जा सके। इस प्रक्रिया में, छात्रों को प्रासंगिक दृष्टिकोण और विशेष रूप से एक प्रासंगिक समस्या को हल करने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए अनुसंधान जांच शुरू करने के तत्वों की समझ प्राप्त होगी। वे महत्वपूर्ण कोर दक्षताओं और कौशल का विकास करेंगे ताकि इस तरह की जांच की जा सके। इन

दक्षताओं और कौशलों में शामिल हैं: शोध प्रश्नों को परिभाषित करना; उचित अनुसंधान उद्देश्यों की स्थापना; अनुसंधान उद्देश्यों और बजटीय बाधाओं को शामिल करने वाला अध्ययन डिजाइन; माध्यमिक और प्राथमिक डेटा संग्रह और उपकरण; नमूनाकरण और विश्लेषण के तरीके; और परिणामों की प्रभावी रिपोर्टिंग; घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संदर्भों में अनुसंधान करने में नैतिक आचरण के महत्व के साथइस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को प्रबंधन के व्यापक क्षेत्र में शोध प्रक्रिया और उद्यमिता और नवाचार अनुसंधान की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने में मदद करना है।"बिजनेस रिसर्च मेथड्स" के प्रस्तावित पाठ्यक्रम में कवर, अर्थ, प्रकार, अच्छे अनुसंधान के मानदंड, भौतिक और प्रबंधन विज्ञान में शोध के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यावसायिक अनुसंधान समस्याओं में वैज्ञानिक तरीके लागू करने की सीमाएं, व्यावसायिक अनुसंधान में नैतिक मुद्दे,व्यवसाय अनुसंधान योजना,अनुसंधान प्रक्रिया, समस्या शामिल हैं।इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम अध्ययन, अनुसंधान डिजाइन, और डेटा संग्रह के तरीके, डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखनशामिल हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों के लिए प्रासंगिक है आगे वे अनुसंधान परियोजनाओं को अपना सकते हैं। व्यवसाय अनुसंधान विधियों का अध्ययन करना अधिक पेशेवर और रोजगार का अवसर प्रदान करता है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- छात्रों को शोध की मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम बनाना।
- छात्रों को विश्लेषण के लिए डेटा संग्रह उपकरण, नमूने और डेटा तैयार करने में सक्षम बनाना।
- अनुसंधान तकनीकों के उपयोग को समझने के लिए छात्रों को सक्षम करना: प्रौद्योगिकी का उपयोग कहां और कैसे करना है।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकासगतिविधि(Inte		

				raction Training/Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.अनुसंधान के प्रकार	1	1	-	6	20.0
	2.शोध प्रश्न / समस्या	2	_	-		
	3.एक विकासवादी परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान	1	_	-		
मॉड्यूल-2	1.अनुसंधानअभिकल्पना	2	_	-	6	20.0
	2.माप और स्केलिंग	1	1	1		
	3.उपकरण का निर्माण	1	1	-		
मॉड्यूल-3	1.प्रदत्तप्रकार	1	_	1	6	20.0
	2.प्रश्नावली का निर्माण	1	1	-		
	3.प्रतिदर्श तकनीक	2	1	-		
मॉड्यूल-4	1.प्रदत्तप्रबंध	2	_	-	6	20.0
	2.बहुआयामी स्केलिंग	1	1	-		
	3.डेटा विश्लेषक के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग	1	1	-		
मॉड्यूल-5	1.अनुसंधान प्रतिवेदन	2	1	-	6	20.0
	2.रिपोर्ट प्रारूप	2	1	-		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण,व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)
पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थी विभिन्न अनुसंधान दृष्टिकोणों और विधियों पर चर्चा और	विद्यार्थीविपणन अनुसंधान से संबंधित बुनियादी अवधारणाओं को	विद्यार्थीसमकालीन विपणन अनुसंधान के अवधारणाओंबारे

	लागू कर सकेंगे। सिद्धांत और अनुसंधान के अभ्यास में सीमाओं और संभावित योगदान पर चर्चा करसकेंगे।	परिभाषित करसकेंगे।उच्च स्तरीय अनुसंधान उद्देश्यों / प्रश्नों को पूरा करने के लिए शोध प्रश्नों को डिजाइन करसकेंगे।	मेंसमझसकेंगे।निर्माण और एक उपयुक्त अनुसंधान डिजाइन, सहित दस्तावेज़ डेटा संग्रह और विश्लेषण के तरीकों / तकनीकों के लिए तर्ककर सकेंगे।

टिप्पणी:

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1. Donald R. cooper and Pamela S. Schindler, " Business Research Methods", 12th Edition, Tata McGraw Hill 2. Alan Bryman and Emma Bell, " Business Research Methods", Oxford

		University Press, New Delhi. 3rd edition 2011 **3.** Uma Sekaran, "Research methods for Business", Wiley India, New Delhi, 2010
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Chisnall, P.M. (1997) Marketing Research, Fifth Edition, London: McGraw-Hill 2. Proctor, T. (2000) Essentials of Marketing research, UK: Financial Times-Prentice Hall
3	**ई – संसाधन**	**http://www.mgahv.in/Pdf/dist/gen/MS_420_Fundamentals_of_Research.Pdf**
4		–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** व्यावसायिक संप्रेषण
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 407
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

आज की व्यक्तिगत और व्यावसायिक दुनिया में, संचार विकसित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कौशल में से एक है। विचारों, भावनाओं, निर्देशों और विचारों को संप्रेषित करने में आपकी प्रभावशीलता आपकी सफलता की कुंजी है, विशेष रूप से व्यवसाय में। व्यावसायिक संचार आपको कौशल और प्रथाओं से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है जोविद्यार्थीको व्यापार में और / या अपने व्यवसाय और अपने ग्राहकों / हितधारकों के लिए संचार रणनीति को विकसित करने और संचार करने में मदद करेंगे।इस पाठ्यचर्या में, विद्यार्थी लिखित और मौखिक रूप में संवाद करने का तरीकेसे अवगतहोंगे। हम व्यावसायिक क्षेत्रों के भीतर और भीतर संचार के लिए मानक प्रथाओं को देखेंगे। छात्र व्यापार लेखन के कुछ मूल सिद्धांतों का अभ्यास करेंगे, जिसमें ज्ञापन, व्यापार पत्र शामिल हैं, और इन लेखों में कैसे प्रेरक और आकर्षक होना है, इस पर चर्चा करें।यह पाठ्यक्रम छात्रों को संचार, व्यवसाय में इसके दायरे और महत्व, और फर्म पर्यावरण के बाहर एक अनुकूल स्थापित करने में संचार की भूमिका, साथ ही साथ एक प्रभावी आंतरिक संचार कार्यक्रम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक संचार माध्यमों को कवर किया जाता है। यह पाठ्यक्रम आधुनिक व्यवसाय संचार के लिए संक्षिप्त लिखित अभिव्यक्ति के महत्व के बारे में जागरूकता भी विकसित करता है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- प्रायोगिक विधि द्वारा छात्रों के लिखित और मौखिक संचार का विकास।
- व्यावसायिक संचार के सिद्धांतों और तकनीकों को समझने में छात्रों की मदद करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.संप्रेषण की भूमिका	2	1	6	20.0
	2.संप्रेषण प्रक्रिया	1	_		
	3. संप्रेषणबाधा	1	1		
मॉड्यूल-2	1.लिखितसंप्रेषण	1	_	6	20.0
	2.गैर मौखिक संप्रेषण	1	1		
	3.मौखिक संप्रेषण	2	1		
मॉड्यूल-3	1.परियोजना रिपोर्ट	2	_	6	20.0
	2.सी.वी. और आवेदन पत्र लिखना	1	1		
	3.समूह चर्चा और साक्षात्कार	1	1		
मॉड्यूल-4	1.व्यावसायिक संचार के सांस्कृतिक आयाम	1	_	6	20.0
	2.प्रौद्योगिकी और संचार	1	1		

	3.व्यावसायिक संचार में नैतिक और कानूनी मुद्दे	2	1		
मॉड्यूल-5	1.दृश्य संचार डिजाइन करना	2	1	6	20.0
	2.ऑनलाइन प्रस्तुति बनाना	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रों में प्रभावी व्यवसाय लेखन प्रभावी व्यापार संचार अनुसंधान दृष्टिकोण और सूचना संग्रह प्रभावी प्रस्तुतियों को विकसित होगी।	छात्रों में व्यावसायिक संचार तकनीकों के बुनियादी कौशल और व्यावसायिक दस्तावेज़ लिखने में प्रभावी होने की क्षमता विकसितहोगी।	व्यावसायिक संचार के सिद्धांतों को समझने में छात्रों कीक्षमता विकसितहोगी।

टिप्पणी:

11. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री		विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1. Scot, O. (2004).Contemporary Business communication. Biztantra, New Delhi. 2. Lesikar, R.V. and Flatley, M.E. (2005) . Business Communication skills for Empowering the internet Generation. Tata McGraw Hill publishing Company Ltd. New Delhi. 3. Ludlow, R. and Panton, F. (1998). the Essence of Effective Communication. Prentice Hall of India Pvt.Ltd.
2	संदर्भ ग्रंथ	1."BUSINESS COMMUNICATION | Handy Answer: The Handy Communication Answer Book - Credo Reference". search.credoreference.com. Retrieved 2019-10-23. 2. Reinsch, Lamar (Fall 1991). "Editorial: What Is Business Communication?". Journal of Business Communication. 28 (4): 305–310. doi:10.1177/002194369102800401. 3."BUSINESS COMMUNICATION | Handy Answer: The Handy Communication Answer Book - Credo Reference". search.credoreference.com. Retrieved 2019-10-23. 4.Damerst, William (1966). Resourceful Business Communication. Harcourt, Brace & World. pp. 6–7. 5."BUSINESS COMMUNICATION | Handy Answer: The Handy Communication Answer Book - Credo Reference". search.credoreference.com. Retrieved 2019-10-23. 6."Archived copy". Archived from the original on 2007-08-12. Retrieved 2007-09-11. 7.IEEE Transactions on Professional Communication
3	ई - संसाधन	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/MS_422_Business_Communication.pdf**
4	अन्य	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मानवीय मूल्य और नैतिकता
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 410
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या व्यावसायिक एवं सामाजिकजीवन में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता के महत्व को रेखांकित करता है। इस पाठ्यचर्या का प्रारंभ मानवीय मूल्यों, नैतिकता, भारतीय दर्शन, नैतिक दुविधा आदि महत्वपूर्ण विषयों से किया गया है। इसी क्रम में विभिन्न धर्मों के मतो तथा 21वीं सदी में गॉधीवादी मूल्यों के महत्व को समाविष्ट किया गया है। वैयक्तिक एवं सामाजिक जीवन में सदभाव, पेशेवर नैतिकता, तनाव प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण विषय इस पाठ्यचर्या के प्रमुख अंग है। निगमित क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व, कार्य स्थल पर अध्यात्मिकता, पर्यावरणीय नैतिकता तथा आंतरिक क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे इस पाठ्यचर्या की महत्ता को रेखांकित करते है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1.यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों के मन एवं मस्तिष्क में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता के महत्व को प्रतिष्ठित करेगा।

2.विभिन्न धर्माचार्यो के विचारों एवं गॉधीवादी दर्शन की समझ द्वारा विद्यार्थीगण मानवीय मूल्य एवं नैतिकता आधारित आचरण करने के लिए अभिप्ररित होगें।

3. वैयक्तिक एवं सामाजिक सदभाव, आत्म–आन्वेषण, तनाव प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

4. यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को पर्यावरणीय संरक्षण, कार्य स्थल पर अध्यात्मिक तथा निगिमत क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व से परिचित करायेगा।

संक्षेप में, आज के भौतिकवादी मानवीय युग में मानववीय मूल्यों एवं नैतिकता की अर्थपूर्णता को रेखांकित करता है।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.वैश्विक संदर्भ में मूल्यों की संकल्पना उत्पत्ति और प्रासंगिकता	1	1	6	20.0
	2.नैतिकता और लोकाचार	1			
	3.भारतीय दर्शन और मानवीय मूल्य	1	1		
	नैतिक दुविधाएँ	1			
मॉड्यूल-2	1.कन्त, स्पिनोजा, अरस्तु, प्लेटो और कौटिल्य के नैतिक विचार	1	1	6	20.0
	2.अलग धर्मो द्वारा प्रचारित मूल्य: हिंदुत्व, इस्लाम, ईसाई, बुद्धिज्म	2	1		
	3. 21 वीं सदी में गाँधीवादी मूल्य	1			
मॉड्यूल-3	1.स्व में सद्भाव; को समझना	2	1	6	20.0
	2.समाज में सद्भाव; पकृतिमें सद्भाव; और अस्तित्व में सद्भाव	2	1		
मॉड्यूल-4	1.आत्म अन्वेषण; पारिवारिक स्तर, अच्छी परेंटिंग	1	1	6	20.0
	2. इंटीग्रल शिक्षा	1			
	3. पेशेवर नैतिकता	1	1		
	4.मानव मूल्यों के माध्यम से पारस्परिक प्रभाव और तनाव प्रबंधन	1			
मॉड्यूल-5	1.पर्यावरण नैतिकता	1		6	20.0
	2.दफ्तर में अध्यात्मिकता	1	1		

	3.आंतरिक क्षमता निर्माण के लिए तकनीक	1			
	4.कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी	1	1		
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विभिन्न धर्माचार्यो के विचारों एवं गॉधीवादी दर्शन की समझ द्वारा विद्यार्थीगण मानवीय मूल्य एवं नैतिकता आधारित आचरण करने के लिए अभिप्ररित होगें। ।	वैयक्तिक एवं सामाजिक सदभाव, आत्म–आन्वेषण, तनाव प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को पर्यावरणीय संरक्षण, कार्य स्थल पर अध्यात्मिक तथा निगिमत क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व से परिचित करायेगा।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Gaur R.R., Sangal R., Bagaria G.P., (2010).Human Values and Professional Ethics. First Edition. Excel Books, New Delhi. • Banerjee, R.P. (2010).Ethics in Business Management: Concepts and Cases. First Edition.Himalaya Publishing House, Mumbai. • Balachandran S., Raja K.C.R., and Nair B.K. (2003). Ethics, Indian Ethos and Management. Second Edition. Shroff Publishers, Distributors Pvt. Ltd., Mumbai.
2	संदर्भ ग्रंथ	_
3	ई- संसाधन	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** वित्तीय प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 411
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

पाठ्यचर्या का प्रारंभिक चरण वित्तीय प्रबंधन के अर्थ, उद्देश्य एवं क्षेत्र से शुरू होता है। इसी क्रम में फर्म के उद्देश्यों तथा वित्तीय प्रबंधक के कार्यों का अध्ययन प्रस्तावित है।

द्वितीय इकाई के अंतर्गत मुद्रा के समयिक मूल्य की अवधारणा तथा वित्तीय निर्णयन में इसके महत्तव पर प्रकाश डाला गया है।

तृतीय तथा चतुर्थ इकाई में क्रमश: पूँजी संरचना तथा लाभनीति एवं सिद्धांतो का अध्ययन रेखांकित किया गया है।

पॉचवी इकाई में पूँजी बजटिंग की तकनीक तथा वित्तीय मूल्यांकन के विभिन्न विधियों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान एवं समझ में अभिवृद्धि होगी। संक्षेप में, इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. वित्तीय प्रबंधन के अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र की जानकारी के साथ फर्म के उद्देश्यों एवं वित्त प्रबंधक की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
2. मुद्रा के सामयिक मूल्य का वित्तीय निर्णयन में प्रयोग, पूँजी संरचना एवं लाभांश वितरण जैसे महत्तवपूर्ण आदर्श विषयों पर छात्रों के बौद्धिक स्तर में उन्नयन ; तथा
3. पूँजी बजटिंग की तकनीक तथा वित्तीय निष्पादन के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों के तुलनात्मक श्रेष्ठता से अवगत होना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.वित्तीय प्रबंधन का अर्थ, विकास एवं क्षेत्र	1	1	6	20.0
	2.वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्य तथा	1			
	3.वित्तीय निवेश तथा लाभांश निर्णय	1	1		
	4.वित्त प्रबंधक के कार्य	1			
मॉड्यूल-2	1.मुद्रा के समयिक मूल्य की संकल्पना एवं तकनीक	1	1	6	20.0
	2.भुगतान श्रृंखला तथा वार्षिकी का भविष्य मूल्य	1			
	3.भुगतान श्रृंखला तथा वार्षिकी का वर्तमान मूल्य	1	1		
	4.समय मूल्य तकनीक का व्यवहारिक अनुप्रयोग	1			
मॉड्यूल-3	1.वित्त के स्रोत	1	1	6	20.0
	2.पूँजी लागत का अर्थ एवं महत्व	1			
	3.पूँजी संरचना: इसके स्वरूप एवं महत्व	1			
	पूँजी संरचना के सिद्धांत	1	1		
मॉड्यूल-4	1.लाभांश नीति तथा उसके प्रकार	1		6	20.0
	2.लाभांश नीति को प्रभावित करने वाले कारक	1			

	3.बोनस शेयर तथा इसके निर्गमन संबंध में सेबी के दिशा निर्देश	1	1		
	4.लाभांश के विभिन्न मॉड्लस	1			
मॉड्यूल-5	1.पूँजी बजट का अर्थ एवं महत्व	1	1	6	20.0
	2.लीवरेज का अर्थ एवं उसके प्रकार	1			
	3.आंतरिक प्रत्याय की दर एवं ऋण वापसी अवधि	1	1		
	4.मुद्रा के वर्तमान मूल्य की गणना	1			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	वित्तीय प्रबंधन के अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र की जानकारी के साथ फर्म के उद्देश्यों एवं वित्त प्रबंधक की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	मुद्रा के सामयिक मूल्य का वित्तीय निर्णयन में प्रयोग, पूँजी संरचना एवं लाभांश वितरण जैसे महत्तवपूर्ण आदर्श विषयों पर छात्रों के बौद्धिक स्तर में उन्नयन ।	पूँजी बजटिंग की तकनीक तथा वित्तीय निष्पादन के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों के तुलनात्मक श्रेष्ठता से अवगत होना।

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Prasanna Chandra (2011) Financial Management, Eighth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi. • Parrino & Kidwell (2011) Fundamentals of corporate finance, First Edition, Wiley India Pvt. Ltd., New Delhi. • Khan and Jain (2011) Financial Management (Text Problems and Cases), Fifth Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	_
3	ई- संसाधन	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** विपणन प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 412
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का प्रारंभ विपणन प्रबंधन के अर्थ, महत्व, विपणन की नयी एवं प्राचीन अवधारणा के अध्ययन से शुरू होता है।

द्वितीय इकाई के अंतर्गत विपणन वातावरण का विश्लेष, विपणन शोध की प्रक्रिया तथा विपणन सूचना प्रणाली का अध्ययन प्रस्तावित है।

तृतीय इकाई में उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण, बाजार विभक्तिकरण, बाजार के लक्ष्य का लिर्धारण एवं बाजार में उत्पाद की स्थिति का अध्ययन समावेशित है।

चौथी एवं पॉचवी इकाई में क्रमश: विपणन मिश्रण की अवधारणा तथा विपणन के वर्तमान मुद्दो एवं उभरती हुई प्रवृत्तियों का अध्ययन प्रस्थावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल एवं समझ में निम्नांकित साकारात्मक परिणाम परिलक्षित होगें:

1. विपणन प्रबंधन की प्रस्तावना, अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व की समझ विकसित करना।
2. विपणन शोध, पर्यावरण समीक्षा, तथा विपणन सूचना प्रणाली की उपयोगिता से अवगत होना
3. बाजार विभक्तिकरण, बाजार लक्ष्य निर्धारण तथा बाजार में उत्पाद की स्थिति आदि विषयों की समझ एवं परख विकसित करना।
4. विपणन मिश्रण के विभिन्न तत्वों का समुचित विश्लेषण एवं बाजार की नयी चुनौतियों एवं उभरती प्रवृत्तियों का गहन विश्लेषण एवं उनके समाधान की रूपरेखा विकसित करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकासगतिविधि(Interaction Training/Laboratory		
मॉड्यूल-1	1.विपणन प्रबंधन के अर्थ एवं महत्व	1		-	6	20.0
	2.विपणन दर्शन	1	_	-		
	3.विपणन प्रक्रियाएँ	1	1	-		
	4.विपणन की अवधारणाएँ	1	1	-		
मॉड्यूल-2	1.वितरण वातावरण का विश्लेषण	1	1	-	6	20.0
	2.विपणन सूचना प्रणाली	1	_	-		

	3.विपणन शोध प्रक्रियाएँ	2	-	1		
मॉड्यूल-3	1.उपभोक्ता व्यवहार का अर्थ एवं उनका विश्लेषण	1	1	-	5	16.66
	2.बाजार विभक्तिकरण का अर्थ एवं आधार	1				
	3.लक्षित बाजार के अर्थ एवं उसके तकनीक	1	1	-		
मॉड्यूल-4	1.विपणन मिश्रण के अर्थ एवं उनके तत्व	1	-	1	7	23.33
	2.उत्पाद संबंधी निर्णय	1	_	-		
	3.मूल्य संबंधी निर्णय	1	1	-		
	4.वितरण संबंधी निर्णय	1	_	-		
	5.संवर्द्धन संबंधी निर्णय	1	-	-		
मॉड्यूल-5	1.ग्राहक संबंध प्रबंधन एवं ग्रामीण विपणन की	2	1	-	6	20.0

	अवधारणाएँ					
	2.ई-विपणन तथा सेवा विपणन की अवधारणाऍं	1	_	-		
	3.सामाजिक विपणन एवं विपणन से संबंधित नैतिक मुद्दे	1	1	-		
योग		**20**	**8**	**2**	**30**	**100.0**

टिप्प्णी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विपणन शोध, पर्यावरण समीक्षा, तथा विपणन सूचना प्रणाली की उपयोगिता से अवगत होना।	बाजार विभक्तिकरण, बाजार लक्ष्य निर्धारण तथा बाजार में उत्पाद की स्थिति आदि विषयों की समझ एवं परख विकसित करना।	विपणन मिश्रण के विभिन्न तत्वों का समुचित विश्लेषण एवं बाजार की नयी चुनौतियों एवं उभरती प्रवृत्तियों का गहन विश्लेषण एवं उनके समाधान की रूपरेखा विकसित करना।

टिप्पणी:

7. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Kotler Philip; Keller Kevin Lane; Koshy Abraham & Jha Mithileswar (2009), Marketing Management: A South Asian Perspective, 13th Edition, Pearson Education, New Delhi. • Ramaswamy V.S. & Namakumari S. (2009), Marketing Management: Global Perspective Indian Context, 4th Edition, Macmillan Publishers India Ltd., New Delhi. • Karunakaran K. (2010), Marketing Management: Text and Cases in Indian Context, 3rd Edition, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
2	संदर्भ ग्रंथ	
3	ई- संसाधन	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मानव संसाधन प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 413
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का प्रारंभ मानव संसाधन प्रबंधन की प्रवृत्ति, क्षेत्र एवं महत्व से होता है। मानव संसाधन योजना, भर्ती एवं चयन, मानव संसाधनों के प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों का अध्ययन इस पाठ्यचर्या का महत्वपूर्ण अंग है। इसी क्रम में कार्य निष्पादन मूल्यांकन, कैरियर एवं उत्तराधिकार योजना, कार्य मूल्यांकन, पारिश्रामिक निर्धारण की विभिन्न विधियों का विश्लेषण प्रस्तावित है। अंतिम चरण में समकालीन वैश्विक रूझान, कार्यस्थल पर विविधता, लैंगिक मुद्दे एवं नारी सशक्तिकरण तथा व्यावसायिक प्रक्रिया पुनर्रचना जैसे ज्वलन्त मुद्दे इस पाठ्यचर्या में समावेशित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों के ज्ञान,सोच एवं समझ में निम्नांकित सकारात्मक परिणाम परिलक्षित होगे:

1. विद्यार्थियों में मानव संसाधन प्रबंधन के उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व की संचेतना विकसित होगी।

2. मानव संसाधन नियोजन, भर्ती एवं चयन, प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा का निर्धारण, कार्य निष्पादन मूल्यांकन तथा कार्य जीवन की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गहन जानकारी का होना।
3. कार्य मूल्यांकन की विधियों का विश्लेषण, कर्मचारियों के पारितोषिक निर्धारण एवं शिकायत निवारण की विधियों से अवगत होना।
4. मानव संसाधन प्रबंधन की चुनौतियों एवं नवीन प्रवृत्तियों से अवगत होना एवं इस संदर्भ में प्रभावी रणनीति निर्धारण करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकासगतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1.मानव संसाधन प्रबंधन के अर्थ प्रकृति एवं महत्व	1	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन प्रबंधन के उद्देश्य एवं कार्य	1				
	3.मानव संसाधन नियोजन तथा उसके वातावरण	1		1		
	4.मानव संसाधन प्रबंधन के	1	1			

	अंतर्गत भर्ती एवं चयन					
मॉड्यूल-2	1.मानव संसाधन प्रबंधन के अंतर्गत प्रशिक्षण नीतियाँ	1	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन प्रबंधन विकास कार्यक्रम	1				
	3.कार्य डिजाइनिंग: कार्य विस्तृतीकरण तथा कार्य संवृद्धिकरण	1				
	4.संगठनात्मक समाजीकरण	1				
मॉड्यूल-3	1.मानव संसाधन प्रबंधन के अंतर्गत प्रदर्शन एवं क्षमता मूल्यांकन	1			6	20.0
	2.कैरियर योजना तथा उत्तराधिकार अवधारणा	1		1		
	3.कर्मचारी परामर्श एवं सशक्तिकरण	1	1			
	4.कार्य जीवन की गुणवत्ता	1				
मॉड्यूल-4	1.कार्य मूल्यांकन की अवधारणा	1	1		6	20.0
	2.वित्तीय प्रोत्साहन की प्रकृति एवं भूमिका	1	1			
	3.कर्मचारी लाभ निधी एवं सेवाएँ	1				
	4.शिकायत निवारण	1				
मॉड्यूल-5	1.समकालीन वैश्विक रूझान	1	1		6	20.0

	तथा मानव संसाधन प्रबंधन					
	2.कार्य स्थल पर विविधता	1	1			
	3.लैंगिक मुद्दे एवं नारी सशक्तिकरण	1				
	4. व्यावसायिक प्रक्रिया की पुनर्रचना	1				
योग		**20**	**8**	**2**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि । (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन । (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार ।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव संसाधन नियोजन, भर्ती एवं चयन, प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा का निर्धारण, कार्य निष्पादन मूल्यांकन तथा कार्य जीवन की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गहन जानकारी का होना।	कार्य मूल्यांकन की विधियों का विश्लेषण, कर्मचारियों के पारितोषिक निर्धारण एवं शिकायत निवारण की विधियों से अवगत होना।	मानव संसाधन प्रबंधन की चुनौतियों एवं नवीन प्रवृत्तियों से अवगत होना एवं इस संदर्भ में प्रभावी रणनीति निर्धारण करना।

टिप्पणी:

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Dessler G.& Varkkey, B. 2011, Human Resource Management, 12th Edition, Pearson Education, Inc, Delhi • Decenzo, D. A. & Robbins, S. P., 2009, Fundamentals of Human Resource Management, 10th Edition, John Wiley& Sons Inc., New Delhi
2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई- संसाधन	**-**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** संचालन प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 414
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के प्रारंभ में संचालन प्रबंधन की प्रकृति, प्रक्रिया, क्षेत्र का अध्ययन प्रस्तावित है। इसी क्रम में उत्पादन प्रणाली के प्रकार,JIT तथा Lean System की अवधारणा, मूल्य विश्लेषण, सुविधा, स्थान तथा लेआउट निर्धारण के सिद्धांत, काम माप आदि विषयों का अध्ययन समावेशित है। माँग पूर्वानुमान, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, क्रय प्रबंधन तथा स्टॉक प्रबंधन के अतिरिक्त गुणवत्ता प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श होगा।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के फलस्वरूप निम्न अभीष्ट परिणाम परिलक्षित होगे:

1. संचालन प्रबंधन की प्रक्रिया एवं महत्तव की जानकारी होना।
2. उत्पादन प्रणाली के विभिन्न प्रकार , उत्पाद डिजाइन, मूल्य विश्लेष्ण, काम माप, सुविधा स्थान एवं प्लॉट लेआउट निर्धारण के सिद्धान्तों से अवगत होना।
3. मॉग पूर्वानुमान, उत्पादन रणनीति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, क्रय प्रबंधन, स्कंध प्रबंधन आदि विषयों की गहन जानकारी प्राप्त करना।

4. गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा एवं क्षेत्र, सतत् सुधार योजना (काईजॉन), सांख्यिकीय गुणवत्ता प्रबंधन तथा सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन की योजना से अवगत होना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.संचालन प्रबंधन की प्रकृति और स्कोप	1		6	20.0
	2.अन्य कार्यात्मक क्षेत्रों के साथ रिश्ता	1	1		
	3.संचालन प्रबंधन के क्षेत्र में हाल की प्रवृत्ति	1			
	4.विनिर्माण और बाधा की सिद्धांत	1	1		
मॉड्यूल-2	1.उत्पादन प्रणाली के प्रकार	2	1	6	20.0
	2.बस समय में (जेआईटी)	1			
	3.लीन प्रणाली	1	1		
मॉड्यूल-3	1.उत्पाद डिजाइन की प्रक्रिया में चरण	1	1	6	20.0
	2.मूल्य विश्लेषण	1			
	3.सुविधा स्थान और लेआउट: प्रकार, लक्षण, फायदे और नुकसाल	1			
	4.काम माप और जॉब डिजाइन	1	1		
मॉड्यूल-4	1.पूर्वानुमान के तरीके	1	1	6	20.0
	2.परिचालक योजना का अवलोकन	1			
	3.उत्पादन रणनीतियां	1	1		
	4.आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1			
मॉड्यूल-5	1.गुणवत्ता: परिभाषा, आयाम और गुणवत्ता की कीमत	1	1	6	20.0
	2.निरंतर सुधार (काईजन)	1			
	3.सांख्यिकी गुणवत्ता नियंत्रण : चर और गुण	1	1		
	4.सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएस)	1			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	उत्पादन प्रणाली के विभिन्न प्रकार , उत्पाद डिजाइन, मूल्य विश्लेष्ण, काम माप, सुविधा स्थान	मॉग पूर्वानुमान, उत्पादन रणनीति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, क्रय प्रबंधन, स्कंध प्रबंधन आदि विषयों की	गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा एवं क्षेत्र, सतत् सुधार योजना (काईज़ॉन), सांख्यिकीय गुणवत्ता

	एवं प्लॉट लेआउट निर्धारण के सिद्धान्तों से अवगत होना। ।	गहन जानकारी प्राप्त करना।	प्रबंधन तथा सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन की योजना से अवगत होना।

टिप्पणी:

11. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Heizer Jay, Render Barry & Rajashekhar Jagadish (2011), Operations Management. 9th Edition. Pearson Publication India, New Delhi. • Buffa E.S., Modern Production Operations Management (2007), Wiley India, New Delhi.

2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई- संसाधन	**-**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मात्रात्मक तकनीक एवं संचालन शोध के सिद्धांत
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 415
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या प्रबंधकीय निर्णयन में सांख्यिकीय एवं संचालन शोध तकनीक के अनुप्रयोग पर अधारित है। पाठ्यचर्या का प्रारम्भ सांख्यिकीय मापो जैसे केंद्रीय प्रवृत्तियों के विभिन्न प्रकार, संभावना सिद्धांत, संभावना वितरण सिद्धांत, सहसंबंध एवं प्रतीपगमन आदि से होता है। तत्पश्चात संचालन शोध सिद्धांत के प्रमुख अध्यायों का उल्लेख है। जिनमें रेखीय प्रोग्रामिंग, संवेदनशीलता विश्लेषण, निर्णय सिद्धांत, खेल सिद्धांत का स्थान महत्वपूर्ण है। पाठ्यचर्या के अंतिम भाग में परिवहन समस्या, नियतन समस्या तथा नेटवर्क विश्लेषण, कतार मॉडल जैसे महत्वपूर्ण विषय समाविष्ट है जो प्रबंधकीय निर्णयन में बहुत ही महत्वपूर्ण है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1.सांख्यिकीय विधियों का सम्यक ज्ञान होने पर छात्रों को प्रबंधकीय निर्णयन में सुगमता होगी। सहसंबंध, प्रतीपगमन, संभावना सिद्धांत, बेईज प्रमेय, समान वितरण आदि अध्याय प्रबंधकीय निर्णयन में बहुत ही उपयोगी है।

2. निर्णय सिद्धांत तथा खेल सिद्धांत, निर्णयवृक्ष विश्लेष, संवेदनशीलता सिद्धांत, रेखीय प्रोग्रामिंग आदि तकनीकों का ज्ञान विकसित होने पर विद्यार्थियों द्वारा विवेकपूर्ण निर्णय निये जा सकते है।

3. परिवहन एवं नियतन समस्या, नेटवर्क विश्लेषण एवं कतार मॉडल की सहायता से परिवहन एवं अन्य भौतिक संसाधनों के अवटन, परियोजना मूल्यांकन एवं सुअवसर की तलाश में प्रतीक्षारत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसीत होगी।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.समंक प्रस्तुति, केंद्रीय प्रवृत्तियों की गणना	3	1	12	20.0
	2.संभावना के अर्थ, प्रमेय, बेईज प्रमेय	2	1		
	3.सहसंबंध और प्रतिगमन	3	2		
मॉड्यूल-2	1.रैखिक प्रोग्रामिंग: ग्राफिकल समाधान और संकेतन पद्धति	2	2	8	13.33
	2.संवेदनशील विश्लेषण	2	2		
मॉड्यूल-3	1.निर्णय सिद्धांत: निश्चितता के तहत निर्णय, जोखिम और अनिश्चितता, सीमांत विश्लेषण, निर्णय वृक्ष विश्लेषण	5	2	14	23.33
	2.खेल सिद्धांत: शुद्ध और मिश्रित रणलीति, बीजीय विधि	5	2		
मॉड्यूल-4	1.परिवहर समस्यायें: बेसिक व्यवहार्य समाधान, युक्ततमता और ट्रांसशिपमेंट के लिए टेस्ट	4	2	12	20.0
	2.नियतन समस्या	4	2		
मॉड्यूल-5	1.नेटवर्क विश्लेषण: पीईआरटी और सीपीएम	5	2	14	23.33
	2. कतार मॉडल	5	2		
योग		**40**	**20**	**60**	**100.0**

टिप्प्णी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण,व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सांख्यिकीय विधियों का सम्यक ज्ञान होने पर छात्रों को प्रबंधकीय निर्णयन में सुगमता होगी। सहसंबंध, प्रतीपगमन, संभावना सिद्धांत, बेईज प्रमेय, समान वितरण आदि अध्याय प्रबंधकीय निर्णयन में बहुत ही उपयोगी है।	निर्णय सिद्धांत तथा खेल सिद्धांत, निर्णयवृक्ष विश्लेष, संवेदनशीलता सिद्धांत, रेखीय प्रोग्रामिंग आदि तकनीकों का ज्ञान विकसित होने पर विद्यार्थियों द्वारा विवेकपूर्ण निर्णय निये जा सकते है।	परिवहन एवं नियतन समस्या, नेटवर्क विश्लेषण एवं कतार मॉडल की सहायता से परिवहन एवं अन्य भौतिक संसाधनों के अवटन, परियोजना मूल्यांकन एवं सुअवसर की तलाश में प्रतीक्षारत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसीत होगी।

टिप्पणी:

13. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Hillier, F. S. & Hillier, M. S. (2005), Introduction to Management Science. Tata McGraw Hill. • Gupta S.P & Gupta, M.P (2003) Statistical Methods. Sultan Chand & Sons, New Delhi. • Taha, H. A. (7th ed. 2002). Operation Research: An introduction. Pearson Education NewDelhi • Vohra, N.D (2003). Quantitative Techniques in Management. Tata McGraw Hill,New Delhi
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** परियोजना प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 416
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** : द्वितीय सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या की शुरूआत परियोजना से आशय, परियोजना की पहचान एवं चयन तथा परियोजना नियोजन से कि गई है। दूसरी इकाई में परियोजना के संगठनात्मक संरचना तथा पीईआरटी एवं सीपीएम का विश्लेषण प्रस्तावित है। तीसरी इकाई में परियोजना जोखिम प्रबंधन, परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन एवं मूल्य इंजिनियरिंग जैसे महत्तवपूर्ण विषयों का समावेश किया गया है। चौथी इकाई में परियोजना के क्रियान्वयन, मूल्यांकन एवं नियंत्रण जैसे मूद्दों का अध्ययन प्रस्तावित है। पॉचवी इकाई में परियोजना के समापन एवं अनुवर्तन तथा समस्या आधारित केस अध्ययन कि विवेचना की जायेगी।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. परियोजना निर्माण, पहचान एवं चयन की प्रक्रिया के संबंध में विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि।

2. परियोजना के संगठनात्मक संरचना एवं पीईआरटी तथा सीपीएम के अनुप्रयोग को रेखांकित करना।

3. परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन एवं जोखिम प्रबंधन के मुद्दों का विश्लेषण करना।

4. परियोजना निष्पादन, मूल्यांकन एवं नियंत्रण की तकनीक से विद्यार्थियों को भलीभांति अवगत करना।

5. परियोजना समापन एवं उसके अनुवर्तन तथा केस अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में निर्णयन की क्षमता विकसित करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला / कौशलविकास गतिविधि (Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1.परियोजना प्रबंधन की मूल अवधारणाएँ	2	1		6	20.0
	2.परियोजना पहचान और चयन	1				
	3.परियोजना नियोजन	1				
मॉड्यूल-2	1.संगठनात्मक संरचना और संगठनात्मक मुद्दे	1		1	6	20.0
	2.पीईआरटी और सीपीएम	2	1			
	3.परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	1			
मॉड्यूल-3	1.परियोजना जोखिम प्रबंधन	2	1		6	20.0
	2.परियोजना गुणवत्ता प्रबंधन और मूल्य इंजीनियरिंग	1				
	परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	1			
मॉड्यूल-4	1.परियोजनाओं के लिए क्रय और	1		1	6	20.0

	अनुबंध					
	2.परियोजना प्रदर्शन मापन और मूल्यांकन	2	1			
	3.परियोजना निष्पादन और नियंत्रण	1				
मॉड्यूल-5	1.परियोजना का समापन एवं अनुवर्तन	1	1		6	20.0
	2.परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर	1				
	3.परियोजना प्रबंधन में केस अध्ययन	2	1			
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।

तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	परियोजना के संगठनात्मक संरचना एवं पीईआरटी तथा सीपीएम के अनुप्रयोग को रेखांकित करना।	परियोजना निष्पादन, मूल्यांकन एवं नियंत्रण की तकनीक से विद्यार्थियों को भलीभांति अवगत करना।	परियोजना समापन एवं उसके अनुवर्तन तथा केस अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में निर्णयन की क्षमता विकसित करना और यह तर्कसंगत है। तर्कसंगत निर्णय हमेशा एक व्यवसाय के भीतर दक्षता सुनिश्चित करता है और इसकी सफलता में मदद करता है।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	Harold Kerzner, Project Management: A Systems Approach to Planning, Scheduling, and Controlling (2013)
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** गांधीवादी प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 421
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या गांधी जी के विचारो को केन्द्रित करके बनाई गई है। महात्मा गांधी के नाम से एक विचारक, दार्शनिक, नेता, राजनीतिज्ञ, संत की छवि उभरती है, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के मुख्य वास्तुकार होने के अलावा, उन्होंने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की जो शांति और सद्भाव की दिशा में विकसित हो। दुनिया भर के व्यापार जगत के नेताओं ने भारतीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का एक नया प्रबंधन चिह्न खोजा है। स्वतंत्रता के संघर्ष में देश का नेतृत्व करते हुए, गांधी ने कुछ प्रबंधन रणनीतियों के लिए एक प्रकाशस्तंभ रखा, जो वर्तमान कॉर्पोरेट जगत में महत्वपूर्ण हैं। उन्हें एकगुरु रणनीतिकार और एक अनुकरणीय नेता के रूप में देखा जा रहा है, जिनके विचारों और रणनीतियों का कॉर्पोरेट जगत के लिए, विशेष रूप से भारत में बहुत अर्थ है।महात्मा गांधी एक आदर्श प्रबंधन गुरु थे। इस पाठयचर्या में हम उन के द्वारा दिए गये विभिन्न विचारो से छात्रों को अवगत करते हैमानव संसाधन के बारे में गाँधी का दर्शन,आत्म प्रबंधन, नैतिकता, गांधीवादी संगठनात्मक और नेतृत्वआदिमहत्वपूर्ण विषय समाविष्ट है जो प्रबंधकीय निर्णयन में बहुत ही महत्वपूर्ण है। गांधी की अहिंसा की अवधारणा और उनके उच्च नैतिक मानकों को आज के नेताओं को वैश्विक बाजार में लाभ उठाने के लिए संगठनों का अनुकरण करना चाहिए।फलतःइस पाठयचर्या की रचना इस तरह से की गई है कि विद्यार्थी एक प्रबन्धक के साथ समाज के प्रति अपनाउत्तरदायित्वनिभा सके।

6.अपेक्षितअधिगतपरिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- गांधी जी के सिद्धांतों के आधार परआधुनिकसंस्थानों के प्रबंधन के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी देना।
- गांधी जी के आदर्शो का अनुसरण समाज तथा व्यावसायिक संस्थानों को नज़दीक लाना तथा पारस्परिक सहयोग बढ़ाना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.गाँधीवादी आर्थिक व्यवहार की नींव	2	1	6	20.0
	2.समाज के साथ परस्पर निर्भरता	1	_		
	3.मानव आवश्यकताओं और मानव कल्याण के बारे में गाँधी के विचार	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मजदूरों के लिए सम्मान	1	_	6	20.0
	2.मालिक बनाम ट्रस्टी	1	1		
	3.सत्ता और धन के समान वितरण के लिए सिद्धांत	2	1		

मॉड्यूल-3	1.संगठनात्मक संरचना के मॉडल	1	_	7	23.33
	2.तनाव प्रबंधन और संघर्ष समाधान	2	1		
	3.नेतृत्व के लिएगाँधीवादी दृष्टिकोण	1	1		
	4.नेतृत्व की विशेषताएं	1	_		
मॉड्यूल-4	1.स्व: प्रबंधन:एक परिचय	1	1	5	16.66
	2.स्वयं को प्रबंधित करने के तरीके के बारे में गाँधीजी से सीखना	2	1		
मॉड्यूल-5	1.प्रबंधकीय नैतिकता	2	1	6	20.0
	2.मानवीय मूल्य और उपभोक्ता के प्रति सम्मान	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्प्णी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन,

	सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रों में शांति की अवधारणा तथा विभिन्न धर्मों का परिप्रेक्ष्यको समझने की क्षमता विकसित होगी ।	विद्यार्थी, गांधी जी के सिद्धांतों के आधार परआधुनिकसंस्थानों के प्रबंधन के बारे मेंसमझ सकेंगे।	विद्यार्थी गांधी जी के आदर्शो का अनुसरण समाज तथा व्यावसायिक संस्थानों को नज़दीक लाना तथापारस्परिकसहयोग बढ़ासकेंगे ।

टिप्पणी:

13. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.स्व लिखित नोट्स 2.Pratap Ram, Gandhian Management(2009),Jaico Publishing House, 01-Jan-2009 - Business & Economics - 1st edition ,130 pages 3.Jha Mamta "Gandhi ji ke management sutra" (Hindi) 2019, Istedition,Prabhat Prakashan.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. Alexander, H. (1984), Gandhi Through Western Eyes - New Society Publishers, Philadelphia, PA (1984) 179 2. Da 11 may r, F. (2001): Gandhi on Self-Rule: ReVisionV24(il) 3. Ishii, K. (2001), The Socioeconomic Thoughts of Mahatma Gandhi: as an Origin Of Alternative Development - Review of Social Economy- V59(i3) 297 4. Kouzes, J.M., & Posner, B.Z. (1996) Seven Lessons for

		Leading the Voyage to the Future. In Hesselbein, R., Goldsmith, M., &Beckhard, R., The Leader of the Future, (pp. 99-110). San Francisco, CA: Jossey- Bass. 5. Prabhu, J. (2001) Gandhi Visionary for a Globalised World (ReVisionV24(il) 6. R. Devarajan (2010) The Management Guru in Gandhi: Book Review'retrievedon6/2/12 from http://www.thehindu.com/thehindu/hr/2010/06/29/stories / 20100629507214QQ. htm 7. Roy, R. (1985) Self and Society: A Study in Gandhian Thought: Sage Publications India Pvt. Ltd 8.Suresh Pramar (2008) Mahatma Gandhi: The Management Guru' Retrieved from http://sureshcrbiz.blogspot.in/2008/08/suresh-kr-pramar-business-leaders.html
3	**ई - संसाधन**	ऑनलाइन उपलब्ध सामग्री
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** उधमिता विकास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 421
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इसपाठ्यचर्या सामग्री की रचना उद्यम शुरू करना, उधमी परिप्रेक्ष्य, उधमी विकास और व्यापार योजना, नए उद्यम का प्रबंधन के विकास पर उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिएबनाई गई है। छात्रों को स्व-रोजगार या उद्यमिता को कैरियर के विकल्पों में से एक मानने के लिए प्रेरित करना है, अंतिम उद्देश्य देश में नए उद्यमों की क्षमता निर्माण और उद्यमी संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह उद्यमी विकास पाठ्यचर्या नई फर्मों या उपक्रमों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने, व्यवसाय में सुधार और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद करती है। इस प्रक्रिया का एक अन्य आवश्यक कारक इससे संबंधित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए एक व्यावसायिक उद्यम के प्रबंधन, विकास और निर्माण की क्षमता में सुधार करना है।

सरल शब्दों में, उद्यमिता विकास पाठ्यचर्या की मदद से विद्यार्थी के कौशल विकास के साथ साथ यह उन्हें बेहतर निर्णय लेने और सभी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए एक समझदार निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- उधमी तथा उधमिता के बारे में जानकारी देकर विधर्थियो में उधमिता कौशल का विकास करना।
- व्यक्तिगत तथा बाहरी संसाधनों को व्यवस्थित कर एक नए उद्यम को शुरू तथाविकास करना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न वित्तीय ससथनो के बारे में जानकारी देना जो उधमिता विकास में मदद करते है।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकास गतिविधि (Interaction Training/ Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1.व्यक्तिगत व्यवसायी	1	1	-	6	20.0
	2.उद्यमियों का वर्गीकरण	1	_	-		
	3.अंतर्राष्ट्रीय उद्यमिता के अवसर	2	1	-		
मॉड्यूल-2	1.रचनात्मकता और व्यापार विचार	2	_	-	6	20.0
	2.उद्यमी के लिए कानूनी मुद्दे	1	-	1		

	3.उधमिता और बौद्धिक संपदा अधिकार	1	1	-		
मॉड्यूल-3	1.उद्यमी विकास और व्यापार योजना	1	_	-	6	20.0
	2.उद्यमिता विकास मॉडल	2	1	-		
	3.व्यवसाय योजना	1	1	-		
मॉड्यूल-4	1.उद्यमिता की रणनीति	2	_	-	6	20.0
	2.विकास और विकास के निहितार्थ के प्रबंधन के लिए रणनीति	1	-	1		
	3.उद्यम समाप्त करना	1	1	-		
मॉड्यूल-5	1.केंद्रीय स्तर के संस्थान	2	1	-	6	20.0
	2.राज्य स्तर की संस्थाएँ	1	1	-		
	3.सिडबी और नाबार्ड	1	_	-		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	उद्यमिता विकासविद्यार्थियोंमें धीरज का विकास करता।विद्यार्थियों अपनी जागरूकताबढ़ाते हैं और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और विषयों का अभ्यास करते हैं।	इस पाठ्यक्रम की मदद से छात्र मौखिक और दृश्य प्रस्तुति कौशल में महारत हासिल करते हैं और दूसरों को कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल में विश्वास की नींव स्थापित करते हैं।	केंद्रीय स्तर और राज्य स्तर की संस्थानों के संबंध में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1. Hisrich, R.D. M.P. and Shepherd, D.A., (2008), Entrepreneurship, Sixth Edition, Tata McGraw -Hill, New Delhi. 2. Charantimath P.M., (2008), Entrepreneurship Development and Small Business Enterprises, third Edition, Pearson Education, New Delhi. **3.** Desai, Vasant, (2011), The Dynamics of Entrepreneurial Development and Management, Sixth Edition, Himalaya Publishing House, Mumbai.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. Poornima M. Charantimathv (2006) "EntrepreneurshipDevelopment and Small Business Enterprises," Dorling Kindersley (India) Pvt. Ltd, New Delhi. 2.anjay, Anshuja Tiwari (2007) Entrepreneurship Development in India", sarup& Sons publications, New Delhi.

		3.Ramachandran (2009) Entrepreneurship DevelopmTata McGraw –Hill Education Pvt.Ltd. New Delhi.
3	**ई – संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/dist/gen/MS_421_Fundamentals_of_Entrepreneurship.Pdf
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** उपभोक्ता व्यवहार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:MS 423
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	_
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या उपभोक्ता व्यवहार की दुनिया के लिए एक परिचय है। इस पाठ्यक्रम में, छात्रउपभोक्ताकेधारणाओं, सीखने, स्मृति, व्यक्तित्व का पता लगाएगा,और दृष्टिकोण उपभोग व्यवहार को प्रभावित करते हैंइस पाठ्यक्रम का ध्यान वर्तमान सैद्धांतिक और पद्धतिगत दृष्टिकोण को समझने पर हैक्योंकि यह विपणन को प्रभावित करता है। इस पाठ्यक्रम में उपभोक्ताओं की आवश्यकताएं, प्रेरणा, धारणाएं और दृष्टिकोण शामिल हैं और उपभोक्ता व्यवहार और व्यवहार अनुसंधान पर सामाजिक वर्ग, संस्कृति और उपसंस्कृति के प्रभाव पर गहराई से चर्चा की जाती है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- उपभोक्ता व्यवहार के विभिन्न पहलुओंको समझने केलिए विद्यर्थियो को सक्षम बनाना।

➢ उपभोक्ता व्यवहार को करने वाले प्रभावित करने वाले बाह्य आंतरिक कारकों का विश्लेषण करना और विपणन रणनीतिके विकास के लिए इस समझ का अनुप्रयोग करना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकास गतिविधि (Interaction Training/ Laboratory)**		
मॉड्यूल -1	1.उपभोक्ता अनुसंधान का परिचय	1	1	-	5	16.66
	2.उपभोक्ता अनुसंधान प्रक्रिया	1	_	-		
	3.बाजार विभाजन और सामरिक लक्ष्यीकरण	1	1	-		
मॉड्यूल -2	1.उपभोक्ता प्रेरणा	1	_	-	7	23.33
	2.उपभोक्ता की प्रत्यक्षीकरण	1	-	1		
	3.उपभोक्ता अधिगम	1	1	-		
	4.उपभोक्ता मनोवृत्ति निर्माण और परिवर्तन	1	_			
	5.संचार और उपभोक्ता व्यवहार	1	_	-		
मॉड्यूल -3	1.परिवार और सामाजिक वर्ग	1	_	-	5	16.66
	2.उपभोक्ता व्यवहार पर संस्कृति का प्रभाव	1	1	-		

	3.अंतर- सांस्कृतिक उपभोक्ता व्यवहार	1	1	-		
मॉड्यूल -4	1.उपभोक्ता निर्णय प्रक्रिया और समस्या पहचान	2	_	1	7	23.33
	2.सूचना अन्वेषण	1	-	-		
	3.ग्राहकों की संतुष्टि और ग्राहक प्रतिबद्धता	2	1	-		
मॉड्यूल -5	1.विपणन नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी	2	1	-	6	20.0
	2.ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार	2	1	-		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।

उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सफल समापन पर, छात्रों के पास ज्ञान और कौशल होगा,उपभोक्ता व्यवहार में प्रमुख प्रभावों को पहचानें समझ विकसित होगी।विभिन्न उपभोक्ता व्यवहार और उनके संबंधों के बीच अंतरछात्र कर सकेंगे।	विद्यार्थी में विपणन निर्णयों के लिए उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांतों और अवधारणाओं की प्रासंगिकता स्थापित होगी।बाजार के समाधान को लागू करने के लिए सबसे उपयुक्त तकनीकों का उपयोग कर सकेंगे।	विद्यार्थी सिद्धांतों और अवधारणाओंके उपयुक्त संयोजनों को लागू कर सकेंगे।उपभोक्ता व्यवहार पर विपणन कार्यों के सामाजिक और नैतिक निहितार्थ को पहचानें कर सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1.Schiffman L.G. and Kanuk L.L. (2006), Consumer Behaviour, 9th Edition, Pearson Education, New Delhi. 2.Hawkins, D. I., Mothersbaugh,D.L., and Mookerjee, A, (2010) Consumer Behaviour- Building Marketing Strategy, Tata McGraw Hill, New Delhi. 3. Nair, R. Suja (2011), Consumer Behaviour in Indian Perspective, 2nd Edition, Himalaya Publishing House, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	1. Mishra, A., "Consumer innovativeness and consumer decision styles: a confirmatory and segmentation analysis," The International Review of Retail, Distribution and Consumer Research, Vol. 25, no. 1, 2015 Online: https://dx.doi.org/10.1080/09593969.2014.911199 2. Sheth, J.N.,"History of Consumer Behavior: a Marketing Perspective", in Historical Perspective in Consumer Research: National and International Perspectives, Jagdish N. Sheth and Chin Tiong Tan (eds), Singapore, Association for Consumer Research, 1985, pp 5-7. 3.Lynn R. Kahle; Angeline G. Close (2011). Consumer BehaviorKnowledge for Effective Sports and Event Marketing. New York: Routledge. ISBN 978-0-415-87358-1.
3	ई - संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/MS_423_Consumer_Behaviour.pdf
4	अन्य	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	_
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

1.**पाठ्यचर्या का नाम** : बिक्री और वितरण प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 424
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट
(Credit)

4. सेमेस्टर :तृतीय
(Semester)

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्र को उन अवधारणाओं से परिचित कराना है जो हैंएक बिक्री और वितरण नीति विकसित करने और आयोजन में सहायकहोते है औरविद्यार्थियों में संगठनों में बिक्री और वितरण प्रक्रियाओं की समझ और प्रशंसा विकसित करना। पाठ्यक्रम में अवधारणाओं, दृष्टिकोणों और बिक्री बल और वितरण चैनल प्रबंधन में चर बनाने के प्रमुख निर्णय के व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया गया हैजिससे छात्र विपणन के अभिन्न अंग के रूप में बिक्री और वितरण कार्यों के महत्व को समझें।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- बिक्री की एक ठोस समझ प्रदान करनाजिसमे इसकीयोजना,स्टाफिंग , सरंचना तथा मूल्यांकन का विवरण हो।
- एक बिक्री प्रबंधक और विपणन प्रबंधन के दृष्टिकोण सेसमझनाकी बिक्रीबल (कर्मियों) के लिए कैसे प्रतिबंधित कर दिया और प्रेरित किया जाये।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.बिक्री प्रबंधन और व्यवसाय उपक्रम	1	1	6	20.0
	2.बिक्री संबंधी विपणन नीतियों का निर्धारण	1	_		
	3.बिक्री प्रबंधन व्यक्तिगत बिक्री और बिक्री कौशल	2	1		
मॉड्यूल-2	1.प्रभावी बिक्री कार्यकारी	2	_	6	20.0
	2.बिक्री संगठन	1	1		
	3.वितरण नेटवर्क संबंध	1	1		
मॉड्यूल-3	1.विक्रय क्षेत्र में कार्मिक प्रबंधन	1	_	8	26.66
	2.बिक्री कर्मियों की भर्ती और चयन करना	2	_		
	3.बिक्री बल प्रेरणा	2	1		
	4.बिक्री बल का मुआवजा	1	1		
मॉड्यूल-4	1.बिक्री बजट	2	_	6	20.0
	2.बिक्री कोटा	1	1		
	3.बिक्री नियंत्रण और लागत विश्लेषण	1	1		

मॉड्यूल-5	1.अंतर्राष्ट्रीय बिक्री प्रबंधन	2	2	4	13.33
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र बिक्री प्रबंधक की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझेंगे।	छात्र बिक्री बल का सही उपयोग कर सकेंगे।	छात्र योजना और उनके संगठनों के लिए एक प्रभावी बिक्री रणनीति लागू कर सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/**	1. Still R. Richard, Cundiff W. Edward, Govono P. A. Norman,

	पाठय ग्रन्थ	2011, Sales Management: Decision, Strategy and Cases, 5th Edition, Pearson Publication, Delhi. 2. Havaldar K. Krishna, Cavale M. Vasant, 2011, Sales and Distribution Management: Text and Cases, 2nd Edition, Tata McGraw Hill Publishing Ltd., New Delhi. 3. Cron L. William, Decarlo E. Thomas, 2011, Sales Management: Concepts and Cases, 10th Edition, Wiley India (P.) Ltd., New Delhi.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Venugopal, P. (2005). Marketing Channel Management: A Customer-CentricApproach. New Delhi: Response Books 2.Kapoor, R. (2005). Fundamentals of Sales Management. Delhi: Macmillan India 3. Still, R. R., Cundiff, E. W., &Govoni, N. A. P. (1988). Sales Management:Decisions, Strategies and Cases. (5th edition). New Delhi: Prentice-Hall of India 4. Panda, T. K. &Sahadev, S. S. (2005). Sales and Distribution Management. NewDelhi: Oxford University Press 5.Havaldar, K. K. &Cavale, V. M. (2007). Sales and Distribution Management:Text and Cases. New Delhi: Tata-McGraw-Hill
3	**ई - संसाधन**	**http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/MS_424_Sales_Management.pdf**
4	**अन्य**	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** ई - विपणन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 425
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्याछात्रों को ऑनलाइन उपभोक्ता व्यवहार, ई-मार्केटिंग और आभासी दुनिया में व्यवसाय संचालन के संचालन से परिचित कराता है।औरइंटरनेट के माध्यम से उद्यम संचार और संवर्धन प्रक्रियाओं को संलग्न करता है, विषयों में ऑनलाइन दुनिया के लिए उपभोक्ता और व्यावसायिक आचरण को अपनाना, उपभोक्ता के दृष्टिकोण को ऑनलाइन अनुभवों को स्थानांतरित करनाऔर उपभोक्ता के अनुभवों के लिए विपणन तकनीकों का, उपयोगई-विपणन योजना शामिल है।यह इंटरनेट मार्केटिंग, ऑनलाइन मार्केट का विश्लेषण करता है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- छात्रों को ई-मार्केटिंग की मूल अवधारणाओं से अवगत कराना।
- बदलते कारोबारी माहौल में छात्रों को ई-मार्केटिंग की तकनीकों, लाभों और चुनौतियों को समझने में सक्षम बनाना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.ई- विपणन -एक अवलोकन	1	1	6	20.0
	2.ई- विपणन के घटक	2	_		
	3,ई ग्राहक	1	1		
मॉड्यूल-2	1.ई- विपणन के प्रकार	2	_	6	20.0
	2.ई-विपणन उपकरण	1	1		
	3.ई- विपणन योजना	1	1		
मॉड्यूल-3	1.ई- विपणन मिक्स रणनीति	2	_	6	20.0
	2.ई- विपणनके अनुप्रयोग	1	1		
	3.ई- विपणनके रणनीतिक फायदे	1	1		
मॉड्यूल-4	1. ई-विपणनके तरीके और तकनीक	2	1	6	20.0
	2.ई-मेट्रिक्स	2	1		
मॉड्यूल-5	1.ई-ग्राहक संबंध प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2.ई- विपणन में कानूनी और नैतिक मुद्दे	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)
पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र,उपभोक्ताओं और संगठनों के लिएनई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रभावशाली विपणन निर्णय लेने की प्रक्रियाकोसमझ सकेंगे।	विद्यार्थियोंमेंई- विपणन मिक्स रणनीति, ई-विपणनके तरीके और तकनीककी समझ विकसित होगी।	ई- विपणन टूल्स तथा उसके उपयोग के, इस पर विद्यार्थियोंकी समझ विकसित होगी।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Kanth, S. K., (2013), E-Marketing, Wiley India. 2. Bhatia, S. P., (2017), Fundamentals of Digital Marketing, First Edition, Pearson Education. 3. Online Material
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Kotler, P.; Keller, K.L. 2006. Marketing management. 12th Editon. New Jersey: Pearson Prentice Hall. 2.Bakanauskas A., Darškuvienė V. 2000. Kainodara: teorijairpraktika. Kaunas:VDUleidykla

3	**ई –संसाधन**	1.Principles of eMarketing by Otilia Otlacan. Prieiga per internet: http://www.slideshare.net/SteveRaybould/e-marketing-mix-1757843
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 426
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	_
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशासन एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से मुख्य व्यावसायिक विषयों पर केंद्रित है।यह विषयआपूर्ति श्रृंखला, व्यापारिक वातावरण,प्रवेश मोड और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की चुनौतियां,अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधनप्रबंधन,अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशासन सभी व्यवसायों की आवश्यकताओं को शामिल करता है।आज के अन्योन्याश्रित वैश्विक दुनिया में छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की समझ आवश्यक है। यहपाठ्यक्रम छात्रों को वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक समझने के लिए ज्ञान, कौशल और योग्यता प्रदान करेगा,सांस्कृतिक और सामाजिक वातावरण जिसके भीतर फर्में संचालित होती हैं। यहपाठ्यचर्याका उद्देश्य रणनीतियों और संरचनाओं की जांच,अंतरराष्ट्रीय व्यापार और एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विभिन्न कार्यों की विशेष भूमिकाओं का आकलनकरना हैतथाछात्रों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सफल होने के लिए रणनीति, योजना और रणनीति तैयार करने और निष्पादित करने के लिए तैयार होंगे।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

➢ जब संगठन एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार वातावरण में चल रहा है, तो छात्रों को व्यवसाय का प्रबंधन करने में सक्षम बनाना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशलविकास गतिविधि (Interaction Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1.अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन की अवधारणा और परिभाषा	2	1	-	5	16.66
	2.अंतर्राष्ट्रीय जाने के कारण	1	1	-		
मॉड्यूल-2	1.अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश मोड: लाभऔर नुकसान	2	_	-	6	20.0
	2. अंतर्राष्ट्रीयकरण में रणनीति व्यापार	1	-	1		
	3.भारत का आकर्षणअंतरराष्ट्रीय व्यापार	1	1	-		
मॉड्यूल-3	1.सांस्कृतिक व्यावसायिक वातावरण	2	_	-	7	23.33

	2.भीतर और एक तरफ विविधता का प्रबंधन संस्कृति	2	1	-		
	3.संवेदनशीलता प्रशिक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक अनुकूलन	1	1	-		
मॉड्यूल-4	1.एक अवधारणा के रूप में रणनीति	2	_	-	6	20.0
	2.वैश्विक रणनीति को लागू करना	1	1	-		
	3.वैश्विक विलय और अधिग्रहण	1	1	-		
मॉड्यूल-5	1.अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन - अवधारणा और आयाम	2		1	6	20.0
	2.वैश्विक आयामों के संदर्भ में संगठन डिजाइन के लिए बुनियादी मॉडल	2	1	-		
योग		20	8	2	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण

	एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9.पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रसबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार की शर्तों और अवधारणाओं को समझ सकेंगे।	छात्रअंतर्राष्ट्रीय में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चर, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी की भूमिका और प्रभाव को पहचानकर सकेंगे।	छात्र एक बहु-केंद्रित परिप्रेक्ष्य से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विश्लेषण कर सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	**सत्रांत परीक्षा**

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1.Daniels, John D. and Radebaugh, Lee H. (2005). International Business. Wiley India. 2. Thakur, M., Burton & Gene, E (2002). International Management. Tata McGraw Hill. 3. Deresky (2003). International Management: Managing across boarders and culture. Pearson Education.
2	संदर्भ ग्रंथ	1.Allen, D., and M.E. Raynor. "Preparing for a New Global Business Environment: Divided and Disorderly or Integrated and Harmonious?" *Journal of Business Strategy* 25, no. 5 (September 2004): 16–25. 2.London, T., and S.L. Hart. "Reinventing Strategies for Emerging Markets: Beyond the Transnational Model." *Journal of International Business Studies* 35, no. 5 (September 2004): 350–370.
3	ई -संसाधन	–
4	अन्य	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** विकास वित्त
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 428
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्याकी रचना विकास वित्त के विशिष्ट पहलुओं की गहन समझ प्रदान करने के लिएकी गई है, यह पहचानते हुए कि वित्त-संबंधी मुद्दे विकास में महत्वपूर्ण हैं,यह पाठ्यचर्या फर्मों के लिए विशेष वित्तपोषण मुद्दे ,नीतियां और संस्थागत निजी पूंजी बाजार , सरकारी वित्त उपकरण ,वित्तीय प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करके, नीति निर्माण और कार्यान्वयन में एक सार्थक योगदान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेगा।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- छात्रों को विकास वित्त की मूल अवधारणा से अवगत कराना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.वित्तीय विवरणों का विश्लेषण: अनुपात विश्लेषण	1	1	6	20.0
	2.मुनाफे के लिए वित्तीय तुलना	1	1		
	3.वित्तीय अनुमानों के लिए उपकरण	2	_		
मॉड्यूल-2	1.वर्किंग कैपिटल फाइनेंस	2	_	6	20.0
	2.रियल एस्टेट वित्त	1	1		
	3.फिक्स्ड एसेट फाइनेंस	1	1		
मॉड्यूल-3	1.फाइनेंसिंग गैप्स की पहचान	2	1	6	20.0
	2.परिक्रामी ऋण निधि और सामुदायिक विकास वित्तीय संस्थान	2	1		
मॉड्यूल-4	1.ब्राउनफील्ड वित्त	2	1	6	20.0
	2.सरकारी कार्यक्रम - एसबीए, एचयूडी, सीडीएफआई निधि	2	1		
मॉड्यूल-5	1.उधार और निवेश के लिए सर्वोत्तम अभ्यास	2	1	6	20.0
	2.पूंजी जुटाना और उसका प्रबंधन करना	2	1		

योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रों विकास वित्त की मूल अवधारणा को समझ सकेंगे।	छात्रोंमें वित्तीय क्षेत्र के विकास, प्रबंधन और लेखांकन के लिए तकनीकों और प्रक्रियाओं का गंभीर रूप से विश्लेषण करने की क्षमताविकसित होगी।	छात्रोंमें वर्किंग कैपिटल फाइनेंस करने की समझ विकसित होगी।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Seidman, F. K., (2015), Economic Development Finance, First Edition, SAGE Publication. 2.Rao, K. P., (2003), Development Finance, Third Edition, Springer**.**
2	**संदर्भ ग्रंथ**	**_**
3	**ई - संसाधन**	Online material
4	**अन्य**	**_**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम** : लागत और प्रबंधन लेखांकन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 429
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

'लागत और प्रबंधन लेखांकन' मौजूदा संसाधनों का इष्टतम उपयोगके लिए बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। ये लेखांकन की शाखाएँ हैं और इनके कारणवित्तीय लेखांकन की सीमाएँ विकसित हुई थीं। यह कॉर्पोरेट प्रबंधन के लिए एक अनिवार्य विषय है लागत और प्रबंधन लेखांकन के आधार पर प्रबंधन को प्रस्तुत कीतकनीक प्रबंधन को न केवल विशिष्ट समस्याओं को हल करने में मदद करती है, बल्कि निर्णय में उनका मार्गदर्शन भी करती है। इस विषय के महत्व, लागत और प्रबंधन पर विभिन्न विषयों को ध्यान में रखते हुएइस पाठ्यक्रम निर्माण किया गया हैलागत लेखांकन और प्रबंधन में उपयोग की जाने वाली मूल अवधारणाओं के साथ छात्रों को परिचित करनाहै।यह पाठ्यक्रम प्रबंधकीय लेखांकन और लागत प्रबंधन प्रथाओं को शामिल करता है जो हो सकते हैंएक व्यावसायिक संगठन के विभिन्न कार्यों में सुधार के लिए रणनीतिक रूप से लागू किया गयाहै। निर्णय लेने के उपकरण, बजट और बजट संसोधन, विभिन्न प्रकार के केस अध्ययनआदि विषय इसमें शामिल किये गए है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- लागत और प्रबंधन लेखांकन की बुनियादी अवधारणाओं को पेश करना।
- उत्पादों के उत्पादन और सेवाओं के प्रावधान से जुड़े लागत को स्थापित करने के लिए बुनियादी अवधारणाओं और अनुप्रयोगों की समझ विकसित करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.लागत और प्रबंधन लेखांकन: परिचय	2	1	6	20.0
	2.प्रबंधन लेखांकन और के बीच संबंध लागत लेखांकन	2	1		
मॉड्यूल-2	1.सीमांत लागत	2	1	6	20.0
	2.स्थानांतरणमूल्य - अंतर-विभागीय या अंतर-कंपनी हस्तांतरण मूल्य का निर्धारण	2	1		
मॉड्यूल-3	1.बजटीय नियंत्रण, कार्यात्मक और मास्टर बजट	2	_	6	20.0
	2.निश्चित, परिवर्तनीय, अर्ध-परिवर्तनीय बजट	1	1		

	3.शून्य आधारित बजट	1	1		
मॉड्यूल-4	1.लागतके प्रत्येक तत्व के लिए भिन्नताओं की गणना	2	1	6	20.0
	2.समान लागत औरअंतर-फ़र्म तुलना	2	1		
मॉड्यूल-5	1.लर्निंग कर्व	2	1	6	20.0
	2.लर्निंग कर्व: अनुप्रयोग	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रोंमें लागत और प्रबंधन लेखांकन की बुनियादी अवधारणाओं कोसमझ सकेंगे।	छात्रों में उत्पादों के उत्पादन और सेवाओं के प्रावधान से जुड़े लागत को स्थापित करने के लिए बुनियादी अवधारणाओं और अनुप्रयोगों की समझ विकसितहोगी।	पाठ्यक्रम लेखांकन और वित्त के क्षेत्र में एक ठोस आधार प्रदान करता है, इस प्रकार छात्रोंके लिए वित्तीय क्षेत्र में एक नेतृत्व / प्रबंधकीय भूमिका हासिल करना आसान बनाता है

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Mohammed, H., (2015), Modern Cost and Management Accounting, Tata McGraw-Hill Education India. 2. Arora, N. M. , (2010), A Textbook Of Cost And Management Accounting, Ninth Edition, VIKAS PUBLISHING HOUSE PVT. LTD.-NOIDA. 3. Mitra, K. J., (2017), Cost and Management Accounting, Oxford University Press.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. Clinton, B.D.; Matuszewski, L.; Tidrick, D. (2011). "Escaping Professional Dominance?". *Cost Management*. New York: Thomas Reuters RIA Group (Sep/Oct). **2.** Clinton, B.D.; Van der Merwe, Anton (2006). "Management Accounting - Approaches, Techniques, and Management Processes". *Cost Management*. New York: Thomas Reuters RIA Group (May/Jun).
3	**ई - संसाधन**	http://www.loscostos.info/financial-accounting/accounting-systems.html
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** कार्यशील पूँजी प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 430
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	_
कौशल विकास गतिविधि	_
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

कार्यशील पूंजी प्रबंधन ने अध्ययन के एक विशेष क्षेत्र के रूप में उद्योग और शिक्षा का ध्यान आकर्षित किया हैइसलिएआधुनिक परिदृश्य में, कार्यशील पूंजी के प्रबंधन के बारे में सीखना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।यहवित्तीय निर्णयों की जांच करता है जो अल्पावधि में फर्म के मूल्य को प्रभावित करते हैं। विषयमेंफंड फ्लो स्टेटमेंट, इन्वेंट्री प्रबंधनऔर नकदी प्रबंधन को शामिल किया गया हैजिससे व्यवसाय में पूंजी से सम्बंधित निर्णय लेने में आसानी होगी।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- ➢ छात्रों को कार्यशील पूंजीकी अवधारणा और उससे संबंधित प्रबंधन से परिचित कराना।
- ➢ कार्यशील पूंजी के विभिन्न घटकों और उनके प्रबंधन के बारे में छात्रों को सूचित करना।

- कार्यशील पूंजी की आवश्यकता का निर्धारण करना और छात्रों को वित्तपोषण के बारे में जानकारी प्रदान करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.कार्यशील पूंजी की जरूरत	1	1	5	16.66
	2.कार्यशील पूंजी के प्रकार	1	_		
	3.कार्यशील पूंजी का निर्धारण	1	1		
मॉड्यूल-2	1.कार्यशील पूंजी के स्रोत	1	_	6	20.0
	2.टंडन समिति और कार्यशील पूंजी प्रबंधन के लिए कोर कमेटी की सिफारिशें	2	1		
	3.तरलता का मापन और तरलता मापन का अनुपात	1	1		
मॉड्यूल-3	1.कैशहोल्डिंग के लिए उद्देश्य	1	_	7	23.33
	2.इष्टतम नकदी बनाए रखने के लाभ	1	1		
	3.कैश मैनेजमेंट में समस्याएँ	1	_		
	4.नकद मॉडल	1	1		
	5. नकद पूर्वानुमान के	1	_		

	तरीके				
मॉड्यूल-4	1.फंड फ्लो और इनकम में अंतर	2	1	6	20.0
	2.कार्यशील पूंजी की अनुसूची में परिवर्तन के लिए प्रक्रिया	2	1		
मॉड्यूल-5	1.इन्वेंटरी कंट्रोल तकनीक	2	1	6	20.0
	2.ऋण नीतियों का गठन	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र परिचालन और नकदी रूपांतरण चक्रों के आधार पर किसी कंपनी की कार्यशील पूंजी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे और सहकर्मी कंपनियों के साथ कंपनी की प्रभावशीलता की तुलना करेंगे।	छात्र इन्वेंट्रीप्रबंधन के उद्देश्यों तथा उपयोगिताको समझने में सक्षम होंगे।	कार्यशील पूंजी की आवश्यकता का निर्धारण करना और छात्रों को वित्तपोषण के बारे में जानकारी प्राप्तहोगी।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य - सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार / पाठय ग्रन्थ**	1.Dr. Periasamy .P, (2010).Working Capital Management. Second Edition. Himalaya Publishing House, New Delhi. 2. Rao P. Mohana, and Alok K. Pramanik. Working Capital Management. Deep and Deep Publishing House, New Delhi
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Amarjit, Gill., Nahum, Biger., and Neil, Mathur. (2010). "The Relationship BetweenWorking Capital Management And Profitability: Evidence From The United States",BusinessandEconomics Journal, Volume 2010, BEJ-10. 2.Dong H. P. (2010), "The Relationship between Working Capital Management and Profitability". International Research Journal of Finance and Economic.Issue-49.
3	**ई - संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/MS_430_Working_Capital_Management.pdf
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** वित्तीय और बीमा संस्थान
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 431
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

वित्तीय और बीमा संस्थानआधुनिक समाज का मत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है जिसमें बैंकिंग और बीमा उद्योग में प्रबंधन के लिए अवधारणाओं का अध्ययन शामिल है। पाठ्यक्रम बीमा उद्योग को पर केंद्रित है है, जो भारत में वित्त पेशेवरों के लिए रोजगार के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। यह पाठ्यक्रम दर्जी द्वारा उम्मीदवार की जरूरतों के अनुरूप है जो वित्तीय और बीमा सेवाएं प्रदान करने वाले संगठन में शामिल होना चाहता है और इन फर्मों में नेतृत्व के पदों के लिए छात्रों को तैयार करता है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- छात्रों को वित्तीय संस्थान की अवधारणा और इसके कार्यों से अवगत कराना।
- छात्रों को बीमा संस्थान और उनकी प्रणालियों की अवधारणा से अवगत कराना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.वित्तीय प्रणालीकी स्थिरता को प्रभावित करने वाले कारक	2	_	6	20.0
	2.वित्तीय मध्यस्थ और वित्तीय नवाचार	1	1		
	3.RBI- केंद्रीय बैंकिंग	1	1		
मॉड्यूल-2	1.वित्तीय संस्थान: एक संक्षिप्त ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	2	1	6	20.0
	2.आईडीबीआई, आईसीआईसीआई, आईएफसीआई और एसएफसी, एलआईसी और जीआईसी के प्रदर्शन पर एक अपडेट	2	1		
मॉड्यूल-3	1.वाणिज्यिक बैंकों - द सार्वजनिक और निजी क्षेत्र - संरचना और तुलनात्मक प्रदर्शन	2	_	6	20.0
	2.प्रतियोगिता की समस्याएं; ब्याज दरों,NPA	1	1		
	3.बैंक पूंजी - पर्याप्तता मानदंड और पूंजी बाजार का समर्थन	1	1		

मॉड्यूल-4	1.आरबीआई और सेबी द्वारा विकास और नियंत्रण	1	1	6	20.0
	2.यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया और म्यूचुअल फंड	1	1		
	3.बैंक ऋण के विनियमन के लिएभारतीय रिजर्व बैंक की रूपरेखा	1	_		
	4.वाणिज्यिक पत्र: सुविधाएँ और लाभ	1	_		
मॉड्यूल-5	1.भारत में बीमा विधान का विकासऔर बीमा अधिनियम 1938	1	1	6	20.0
	2.IRDAI फ़ंक्शंस और इंश्योरेंस काउंसिल	1	_		
	3.जीवन और गैर-जीवन बीमा संस्थान	1	1		
	4.अंतर्राष्ट्रीय रुझान बीमा विनियमन में	1	_		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि।

	(ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रएक फर्म के लिएवित्त और बीमा के महत्व को समझेंगे ।	छात्रविभिन्न बैंकिंग संस्थान और इसके कार्यो से अवगत होंगे।	छात्रविभिन्न वित्तीय संस्थानऔर इसके कार्योंसे अवगत होंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Mishkin, S. F. & Eakins, S., (2017), Financial Markets and Institutions, Eighth Edition, Pearson Education, New Delhi. 2. Kohn, M., (2016), Financial Institutions and Markets, McGraw-Hill Inc.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	"Insurance and Finance Research Programme Page". The Geneva Association. Archived from the original on 2007-06-11. Retrieved 2007-06-27
3	**ई - संसाधन**	–
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** प्रशिक्षण और विकास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 433
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :प्रथम
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

एक संगठन के मानव संसाधन का विकास एक संगठन के रूप में अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। ये पाठ्यचर्या संगठन की प्रतिस्पर्धी स्थिति को बनाए रखने में मानव संसाधन विकास के महत्व को बताएगा ।आज के परिवेश में , यह मूल्यांकन तकनीकों की पहचान करेगा जो प्रबंधक को सहायता करेगा। तथा संगठन की सामान्य प्रशिक्षण आवश्यकताओं और कर्मचारियों की विशिष्ट आवश्यकताओं और इसे निर्धारित करनाउन प्रथाओं को पेश करेंगे जो प्रबंधकों को कार्यस्थल में प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक स्थानांतरित करने में मदद करते हैं ताकि संगठनात्मक दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार हो।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- संगठन में प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के महत्व के संबंध में छात्रों को प्रशिक्षित करना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.मानव संसाधन और प्रशिक्षण कार्य	1	1	6	20.0
	2.प्रशिक्षण के मॉडल	2	_		
	3.परामर्श के रूप में प्रशिक्षण	1	1		
मॉड्यूल-2	1.TNA की प्रक्रिया और दृष्टिकोण	2	1	6	20.0
	2.TNA और प्रशिक्षण प्रक्रिया डिजाइन	2	1		
मॉड्यूल-3	1.प्रशिक्षण डिजाइन और मूल्यांकन –I	2	1	6	20.0
	2.प्रशिक्षण डिजाइन पर ध्यान देने के साथ प्रशिक्षण	2	1		
मॉड्यूल-4	1.संगठन हस्तक्षेप के साथ स्थानांतरण	2	1	6	20.0
	2.प्रशिक्षण के तरीके	2	1		
मॉड्यूल-5	1.ज्ञान / कौशल प्राप्ति के स्रोत	2	1	6	20.0
	2.EDP / सेमिनार और सम्मेलन संगोष्ठियों)	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संगठन में प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के महत्व के संबंध में छात्रों को प्रशिक्षित होंगे।	विद्यार्थी प्रशिक्षण डिजाइन और मूल्यांकनके महत्व को समझ सकेंगे।	विद्यार्थी के प्रबंधन के विकास के लिए ज्ञान को बढ़ावामिलेगा।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Raymond Noe, A. (2005). Employees Training and Development", McGraw Hill Publication. 2. O' Connor, Browner & Delaney (2003). Training for Organizations. Thompson Learning Press**.**
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. *Bell, Bradford S.; Kozlowski, Steve W. J. (2008). "Active learning: Effects of core training design elements on self-regulatory processes, learning, and adaptability". Journal of Applied Psychology. 93 (2): 296–316. doi:10.1037/0021-*

		9010.93.2.296. ISSN 1939-1854. PMID 18361633 2. thomas N. Garavan; Pat Costine& Noreen Heraty (1995). "Training and Development: Concepts, Attitudes, and Issues". *Training and Development in Ireland*. Cengage Learning EMEA. p. 1. ISBN 9781872853925.
3	**ई - संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/ms_433.pdf
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** औद्योगिक संबंधों का प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 435
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	_
कौशल विकास गतिविधि	_
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को औद्योगिक संबंधों के परिप्रेक्ष्य से लैस करना है औद्योगिक संबंध उद्योग के प्रबंधन के संबंध में प्रबंधन और श्रमिकों दोनों के विविध और जटिल दृष्टिकोणों और दृष्टिकोणों द्वारा निर्मित उद्योग में संबंध है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारी-प्रबंधन संबंधों को बनाए रखने और सुधारने के लिए प्रमुख मानव संसाधन प्रक्रियाओं पर ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों को रोजगार संबंधों और औद्योगिक संबंधों की बदलती प्रकृति, और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों को समझने में सक्षम होंगे और उनके लिए उपयुक्त रणनीति तैयार करने और वितरित करने में सक्षम होंगे।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- एक संगठन और औद्योगिक संबंधों के लिए मानव संसाधन के महत्व कोसमझाना।
- भारत में औद्योगिक संबंधों के परिप्रेक्ष्य में एक अंतर्दृष्टि विकसित करना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.औद्योगिक संबंध: सिद्धांत और उन्नति	1	1	6	20.0
	2.औद्योगिक संबंधों का ऐतिहासिक विकास	1	_		
	3.व्यापार संघवाद	2	1		
मॉड्यूल-2	1.संघ प्रबंधन संबंध	1	_	6	20.0
	2.अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	2	1		
	3.भारत में मानव संसाधन / औद्योगिक संबंध दृष्टिकोण, परिप्रेक्ष्य को प्रभावितकरने वालेपरिवर्तन	1	1		
मॉड्यूल-3	1.औद्योगिक लोकतंत्र: अवधारणाओं और औद्योगिक लोकतंत्र के दायरे	1	_	6	20.0
	2.कार्यकर्ता की भागीदारी	2	1		
	3.भागीदारी के लिए तर्क, भागीदारी में मुद्दे	1	1		
मॉड्यूल-4	1.भारत में औद्योगिकसंबंध मशीनरी के तरीके	2	1	7	23.33

	2.सामूहिक सौदेबाजी, बातचीत कौशल, औद्योगिक संघर्ष संकल्प	2	1		
	3.औद्योगिक संघर्ष	1			
मॉड्यूल-5	1.तुलनात्मक औद्योगिक संबंध	2	1	5	16.66
	2.नई आर्थिक नीति और ग्राहक; सामाजिक खंड और विश्व व्यापार संगठन	1	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र एक संगठन और औद्योगिक संबंधों के लिए मानव संसाधन के महत्व कोसमझ सकेंगे	छात्र संघ प्रबंधन संबंधों के मूल्य को समझने में सक्षम होंगे।	छात्र भारत में औद्योगिक संबंध मशीनरी के तरीकों के बारे में जान सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Bargaining and Industrial Relations, 4 th Edition, The McGraw Hill Companies. 2. C.S. Venkat Ratnam, 2006, Industrial Relations: Text and Cases, Oxford University Press,Delhi. 3. Michael Salamon, 2001, Industrial Relations: Theory & practice , 4th Edition, Pearson Education.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Kochan, T.A. and Katz, H.C., Collective Bargaining and Industrial Relations: From Theory to Policy and Practice, Irwin, Homewood, Illinois, USA, 1988. MB: 2.Ballot, Michael, Labor-Management Relations in a Changing Environment, New York, John Wiley and Sons, 1992. 3.Taras, Daphne (2008). "How Industrial Relations Is Marginalized in Business Schools: Using Institutional Theory to Examine Our Home Base". In Whalen, Charles J. (ed.). *New Directions in the Study of Work and Employment: Revitalizing Industrial Relations as an Academic Enterprise*. Cheltenham, England: Edward Elgar Publishing. pp. 123–141. ISBN 978-1-84844-520-8.
3	**ई - संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/ms_435.pdf
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** श्रम कानून
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 436
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

एक प्रभावी मानव संसाधन अभ्यास करने के लिए, श्रम विधान का ज्ञान एक अनिवार्य हिस्सा है। विशेष रूप से भारतीय परिदृश्य में, औद्योगिक संबंध समाधानों में श्रम कल्याण और सुरक्षा सर्वोपरि है। इस प्रकार छात्रों को लेबर लॉ में एक अच्छा आधार रखने में सक्षम बनाने के लिए, यह पाठ्यचर्या विभिन्न श्रम विधानों पर ध्यान केंद्रित करता है, मशीनरी और न्यायिक सेटअप को सुलझाने पर विवाद करता है। वैचारिक, वर्णनात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यावहारिक और कानूनी पहलुओं के साथ मॉड्यूल हैं।पाठ्यक्रम श्रम कानून प्रणाली के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करने पर केंद्रित है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह सिखाना है कि संगठन में श्रम कानून कैसे काम करता है और यह भी कि यह कर्मचारियों को कार्यस्थल में काम करने में कैसे मदद करता है, संगठन में कानूनों का उपयोग कैसे किया जाता हैयह मजदूरों के उचित प्रबंधन और शिकायतों पर ध्यान केंद्रित करता है। पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान शामिल है।एक बार श्रम कानून पाठ्यक्रम पूरा हो जाने के बाद, व्यक्ति को सलाहकार, या भविष्य निधि प्रबंधन के रूप में काम पर रखा जाता है

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- किसी संगठन द्वारा अनुसरण किए जाने वाले छात्रों को कानूनी कानून का महत्व समझना।
- कामकाजी परिस्थितियों से संबंधित कानूनों कोसमझना।
- संगठन के तहतकर्मचारियों और श्रमिकों से सम्बंधित विभिन्न श्रम कानून अधिनियमो के प्रति ज्ञान को विकसित करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.द ट्रेड यूनियंस एक्ट, 1926	2	1	6	20.0
	2.औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947	2	1		
मॉड्यूल-2	1.औद्योगिक रोजगार स्थायीआदेश अधिनियम, 1946	2	1	6	20.0
	2.अनुबंध श्रम (विनियमन) और उन्मूलन अधिनियम, 1970	2	1		
मॉड्यूल-3	1.कामगार मुआवजा अधिनियम, 1923	1	_	6	20.0
	2. वेतन का भुगतान अधिनियम, 1936	1	1		
	3. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948	1	1		
	4. बोनस अधिनियम, 1965 का भुगतान	1	_		

मॉड्यूल-4	1.कारखानों अधिनियम, 1948	2	_	8	26.66
	2.खान/खदान अधिनियम, 1952	1	_		
	3.बागान/पौधरोपण अधिनियम,1951	1	1		
	4.प्रशिक्षु अधिनियम,1961	1	_		
	5.बाल श्रम अधिनियम,1986	1	1		
मॉड्यूल-5	1.कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	1	1	4	13.33
	2.कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952	1	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्प्णी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रों को श्रम कानूनों के विकास और न्यायिक का ज्ञान होगा। वे कल्याण और वेतन विधानों की मुख्य विशेषताओं को सीखेंगे और श्रम कानून के ज्ञान को सामान्य मानव संसाधन विकास में एकीकृत करेंगे।	छात्र औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्य स्थितियों से संबंधित कानूनों को सीखेंगे और जांच प्रक्रियात्मक और औद्योगिक अनुशासन भी सीखेंगे।	छात्र संगठन के तहतकर्मचारियों और श्रमिकों से सम्बंधित विभिन्न श्रम कानून अधिनियमो के प्रति ज्ञान को विकसितहोगा।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Malik P. L. 2009, Labour and Industrial Law, 9th Edn, Eastern Book Company, Lucknow. 2. Sharma J. P, 2009, Simplified Approach to Labour Laws, 3rd Edn, Bharat Law House Pvt. Ltd, New Delhi. 3. Kumar H. L, Digest of Labour Cases-1990 –2009, Universal Law Publishing Co. Pvt. Ltd, Delhi.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	*1. Hill, Elizabeth (2009). "The Indian Industrial Relations System: Struggling to Address the Dynamics of a Globalizing Economy". Journal of Industrial Relations. 51 (3): 395–410. doi:10.1177/0022185609104305. S2CID 153523123.* 2.S Routh, 'Forms of Solidarity for Informal Workers in India: Lessons for the Future?' (2013) LLRN Working Paper
3	**ई - संसाधन**	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/mba_data/ms_436.pdf
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** योग्यता मानचित्रण और परामर्श
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 437
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रममानव संसाधन प्रबंधकों और पेशेवरों को अपने संगठनों के भीतर दक्षताओं को समझने, विकसित करने, प्रबंधन और मानचित्र बनाने में मदद करता है। यह पूरी तरह से सक्षमता ढांचे के विकास के बारे में जानता है। इस व्यापारिक रणनीतियों, पर्यावरणीय अनिवार्यताओं और रणनीतिक साझेदार के रूप में मानव संसाधन की बदलती भूमिका को समझने के लिए स्वयं का विकास,प्रबंधकीय प्रभावशीलता में पर्यावरणीय मुद्दे,कर्मचारी कोचिंग में एचआर की भूमिकाआदिजैसे कई विषय किये गए शामिल है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- छात्रों को समूह विकास और प्रतियोगिताओं में टीम में प्रवेश करने में मदद करने के महत्व को समझाएं।
- टीम को बनाए रखने के लिए, कैसा व्यवहार करना चाहिएछात्रों को यह समझना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.प्रबंधकीय नौकरियों के वर्णनात्मक आयाम	1	1	6	20.0
	2.चयन और भर्ती	2	_		
	3.प्रभावी प्रबंधन मानदंड	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मापने प्रबंधकीय प्रभावशीलता	2	_	6	20.0
	2.वर्तमान औद्योगिक और प्रबंधकीय प्रभावशीलता के प्रबंधन	1	1		
	3.प्रबंधकीय प्रभावशीलता में पर्यावरणीय मुद्दे	1	1		
मॉड्यूल-3	1.संगठनात्मक और प्रबंधकीय प्रयास	1	_	6	20.0
	2.स्वयं का विकास	2	1		
	3.रचनात्मकता और नवीनता को बढ़ावा देना	1	1		
मॉड्यूल-4	1.कैरियर योजना और प्रक्रिया	2	_	6	20.0
	2.कैरियर विकास मॉडल	1	1		
	3.दक्षताओं और कैरियर प्रबंधन	1	1		
मॉड्यूल-5	1.कर्मचारी कोचिंग में एचआर की भूमिका	1	1	6	20.0
	2.कर्मचारी कोचिंग और प्रदर्शन	1	_		
	3. तनाव प्रबंधन तकनीक	1	1		
	4.पूर्वी और पश्चिमी आचरण	1	_		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन । (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि । (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र प्रबंधकीय प्रभाव की अवधारणा, समूह विकास और प्रतियोगिताओं में टीम में प्रवेश करने में मदद करने के महत्व को समझ सकेंगे।	कैरियर और प्रतियोगिता विकास से विद्यार्थियों को भलीभांति अवगत करना।	कर्मचारी कोचिंग और प्रशिक्षणविषय पर छात्रों काज्ञानवर्धन करना।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Sanghi, S., (2016), The Handbook of Competency Mapping: Understanding, Designing and Implementing Competency Models in Organizations, Third Edition, Sage Publications India Pvt. Ltd. 2. Ravi, M., (2012), Counselling: What, Why and How, Viva Books.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. Maaleki, Ali (9 April 2018). *The ARZESH Competency Model : Appraisal & Development Manager's Competency Model*. Lambert Academic Publishing. p. 18. ISBN 9786138389668.
3	**ई - संसाधन**	–
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम** : संचालन शोध
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 454
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

संचालन शोध, गणित की एक विशाल शाखा है जो न्यूनतमकरण और अनुकूलन के कई विविध क्षेत्रों को समाहित करता है। संचालन शोध के विषय पर दुनिया भर में हजारों पुस्तकें लिखी गई हैं।संचालन अनुसंधान का केंद्रीय उद्देश्य अनुकूलन है, अर्थात, "दिए गए परिस्थितियों में सबसे अच्छा काम करना।" इस सामान्य अवधारणा के कई उदाहरण हैं, उदाहरण के लिए, कृषि नियोजन, जैव प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण, माल और संसाधनों का वितरण, आपातकालीन और बचाव कार्य, इंजीनियरिंग सिस्टम डिजाइन, पर्यावरण प्रबंधन, वित्तीय योजना, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन, सूची नियंत्रण, जनशक्ति और संसाधन का आवंटन, माल का निर्माण।संचालन शोध में विज्ञान, इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र और उद्योग और इस प्रकार कई अनुप्रयोग हैं। शोधकर्ताओं के लिए समस्याओं को हल करने की क्षमता महत्वपूर्ण है और संचालन शोध का केंद्र यह है। इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने वाले गणितीय मॉडल तैयार करना, उनका विश्लेषण करना और हल करना सिखाना है। हम अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए विशेष रूप से, रैखिक प्रोग्रामिंग, नेटवर्क प्रवाह समस्याओं, पूर्णांक प्रोग्राम, नॉनलाइनियर प्रोग्राम, प्रोग्रामिंग और कतारबद्ध मॉडल को आवरण करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:_______________________________________

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- प्रबंधकीय निर्णय लेने में संचालन अनुसंधान की विभिन्न तकनीकों के उपयोग के साथ छात्रों को परिचित करना।
- अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक गणितीय उपकरणों को समझना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. संचालन शोध में मॉडल	2	1	6	20.0
	2.संचालन शोध को हल करने के तरीके	2	1		
मॉड्यूल-2	1.रैखिक प्रोग्रामिंग का परिचयसमस्या	2	_	7	23.33
	2.चित्रमय विधि	1	1		
	3. एकाधिक इष्टतम समाधान	1	1		
	4.सिंपलेक्स विधि	1	_		
मॉड्यूल-3	1.परिवहन: उत्तर पश्चिम कोने के नियम (NWC) द्वारा निरूपण और समाधान	1	_	6	20.0
	2.अनुकूलन द्वारा संशोधित वितरण विधि (MODI))	2	1		

	3.असाइनमेंट: सूत्रीकरण और समाधान	1	1		
मॉड्यूल-4	1.PERT / CPM का परिचय	2	1	6	20.0
	2.नेटवर्क विश्लेषण (फॉरवर्ड पास, बैकवर्ड पास, क्रिटिकल पाथ और फ्लोट्स)	2	1		
मॉड्यूल-5	1.कार्य अध्ययन	2	1	5	16.66
	2.विधि अध्ययन	1	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्रों को समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने वाले गणितीय मॉडल तैयार करना, उनका विश्लेषण करना और हल करना सिखाना।	छात्र अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक गणितीय उपकरणों को समझेंगे।	प्रबंधकीय निर्णय लेने में संचालन अनुसंधान की विभिन्न तकनीकों के उपयोग के साथ छात्रों को परिचितहोंगे।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Introduction to Operations Research- Hillier & Liberman – McGraw Hill. 2. Quantitative Techniques in Management by N. D. Vohra – Tata McGraw Hill. 3. Operations Management Theory and Practice, B. Mahadevan, Pearson education, Second impression 2007.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1.Marlow, W. H. *Mathematics for Operations Research.* New York: Dover, 1993. 2.Pardalos, P. M. and Resende, M. G. C. (Eds.). *Handbook of Applied Optimization.* Oxford, England: Oxford University Press, 2002. 3.Pardalos, P. M. and Romeijn, H. E. (Eds.). *Handbook of Global Optimization, Vol. 2.* Dordrecht, Netherlands: Kluwer, 2002. 4.Pintér, J. D. *Global Optimization in Action.* Dordrecht, Netherlands: Kluwer, 1996. 5.Pintér, J. D. *Computational Global Optimization in Nonlinear Systems: An Interactive Tutorial.* Atlanta, GA: Lionheart Publishing, 2001.
3	**ई -संसाधन**	–
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** गुणवत्ता प्रबंधन: प्रणाली एवं व्यवहार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 455
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **(Credit)**

4.सेमेस्टर :तृतीय **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:--

(Description of Course)

गुणवत्ता प्रबंधन एक दर्शन, पद्धति और उपकरणों की प्रणाली हैसंगठन के निरंतर तंत्र को बनाने और बनाए रखने के उद्देश्य से इसमें सभी विभागों और कर्मचारियों को शामिल किया गया है। यह लागत को कम करने और जरूरतों को पूरा करने ग्राहकों और एक संगठन के अन्य हितधारकों की अपेक्षाएं और उससे अधिक करनेमें मदद करता है। गुणवत्ता प्रबंधन व्यापार और सामाजिक उत्कृष्टता की अवधारणाओं को समाहित करता है जो चिरस्थायी है संगठन की प्रतियोगिता के लिए दृष्टिकोण, दक्षता में सुधार, नेतृत्व और साझेदारी महत्वपूर्ण है ।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य व्यापार के मुख्य सिद्धांतों को पेश करना है और सामाजिक उत्कृष्टता लिए छात्रों के ज्ञान और कौशल उत्पन्न करने के लिए और गुणवत्ता के कार्यान्वयन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन पद्धति व्यवसाय और सार्वजनिक क्षेत्र में उपयोग करना है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- गुणवत्ता प्रबंधन की विभिन्न अवधारणाओं के साथ छात्रों को परिचित करना।
- कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना से छात्रों को परिचित करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.गुणवत्ता नियोजन	2	1	6	20.0
	2.गुणवत्ता दर्शन की मांग,जोसेफ जुरान, फिलिप क्रॉस्बी और जिनीच तागुची	2	1		
मॉड्यूल-2	1.TQM के मार्गदर्शक सिद्धांत	2	1	6	20.0
	2.TQM के प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य	2	1		
मॉड्यूल-3	1.बेंचमार्किंग - बेंचमार्क के कारण और बेंचमार्किंग प्रक्रिया	1	_	6	20.0
	2.QFD गुणवत्ता कार्य परिनियोजन	1	1		
	3.टैगुचि की गुणवत्ता हानिकार्य	1	1		
	4.छह सिग्मा की अवधारणा	1	_		
मॉड्यूल-4	1.5S, 3M और गुणवत्ता सर्किल	2	1	6	20.0

	2.मूल्य विश्लेषण और मूल्य इंजीनियरिंग	2	1		
मॉड्यूल-5	1.कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना	2	1	6	20.0
	2.संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और भारत में बीपीआर	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र कुल गुणवत्ता प्रबंधन और उनकी विशिष्टताओं के सिद्धांतों को जानें।	छात्र संगठनात्मक दृष्टिकोण से गुणवत्ता और गुणवत्ता की मूल अवधारणाओं को जानने में सक्षम होंगे।	छात्रों को कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना का ज्ञान प्राप्तहोगा।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1.Total Quality Management, Dale H. Besterfiled, et al., Pearson Education Asia, 1999. (Indian reprint 2002). 2. The Management and Control of Quality, James R.Evans & William M.Lidsay, (5th Edition), South-Western (Thomson Learning), 2002 (ISBN 0-324-06680-5). 3. Total Quality Management, Feigenbaum, McGraw-Hill, 1991. 4. Total Quality Management, Poornima M. Charantimath, 2nd Edition, Pearson Education. 5. TQM an Integrated Approach, Shailendra Nigam, Excel Books 6. Total Quality Management,Kanishka Bedi, Oxford Higher Education.
2	संदर्भ ग्रंथ	1. Douglas, T and Judge, W. (2001). Total Quality Management Implementation and Competitive Advantage: The Role of Structural Control and Exploration. Academy of Management Journal. Vol.44, No. 1. pp. 158. 2. Beer, M. (2003). Why Total Quality Management Programmes Do Not Persist: The Role of Management Quality and Implications for Leading a TQM Transformation. Decision Sciences. Vol. 34, No. 4. pp. 623. 3. Agus, A. (2005). The Structural Linkages between TQM, Product Quality Performance and Business Performance: Preliminary Empirical Study in Electronic Companies. Management Review. Vol. 27, No. 1. pp. 87.Singapore
3	ई - संसाधन	_
4	अन्य	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** इन्वेंट्री प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 456
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	–
कौशल विकास गतिविधि	–
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम कंपनी की इन्वेंट्री को ऑर्डर करने, भंडारण करने और उपयोग करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इसमें कच्चे माल, घटकों और तैयार उत्पादों के प्रबंधन के साथ-साथ ऐसे सामानों का भंडारण और प्रसंस्करण शामिल है।जटिल आपूर्ति श्रृंखला और निर्माण प्रक्रियाओं वाली कंपनियों के लिए, इन्वेंट्री ग्लट्स और कमी के जोखिमों को संतुलित करना विशेष रूप से कठिन है। इन संतुलन को प्राप्त करने के लिए, फर्मों ने इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए दो प्रमुख तरीके शामिल किये गए है: बस-इन-टाइम (जेआईटी) और सामग्री आवश्यकता योजना (एमआरपी)।यह पाठ्यक्रम सामग्री अधिग्रहण और प्रबंधन के लिए औद्योगिक क्रय चक्र की खोज करता है। छात्र इन्वेंट्री नियंत्रण अवधारणाओं, इन्वेंटरी नियंत्रण, पूर्वानुमान तकनीक, स्पेयर पार्ट्स इन्वेंटरी का अध्ययन करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- ➢ छात्रों कोसामग्री प्रबंधन की मूल अवधारणा सेअवगत करना।
- ➢ छात्रों को समझना की सामग्रियों और स्टॉक की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना ताकि ग्राहकों की मांग के अनुसार उत्पादन को नुकसान न हो।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.इंवेंट्री कंट्रोल का महत्व और दायरा	1	1	6	20.0
	2.इन्वेंटरी के प्रकार	1	_		
	3.इन्वेंटरी से संबद्ध लागत	2	1		
मॉड्यूल-2	1.सूची नियंत्रण	2	_	6	20.0
	2. चयनात्मक सूची नियंत्रण	1	1		
	3. आर्थिक आदेश मात्रा	1	1		
मॉड्यूल-3	1.पूर्वानुमान तकनीक	1	_	6	20.0
	2. सामग्री अवाशयकता योजना	2	1		
	3. विनिर्माण योजना MRP-II	1	1		
मॉड्यूल-4	1.बस समय में(JIT)	2	_	6	20.0
	2. प्रक्रिया सूची में काम	1	1		
	3. तैयार माल सूची	1	1		
मॉड्यूल-5	1.इन्वेंटरी का सामान्य प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2. स्पेयर पार्ट्स सूची	2	1		
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)
पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र एक फर्म में इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली की उपयोगिता समझ सकेंगे।	छात्र बस समय में(JIT) का महत्व समझ सकेंगे।	छात्र इन्वेंटरी प्रबंधन में कंप्यूटर का उपयोगकर सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Bose, C., (2006), Inventory Management, First Edition, Prentice Hall India Learning Private Limited, New Delhi. 2. Narayan, P. & Subramanian, J., (2008), Inventory Management: Principles and Practices, Excel Books.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	P.H. Zipkin. Foundations of Inventory Management. Irwin McGraw-Hill, New York, 2000
3	**ई -संसाधन**	_
4	**अन्य**	_

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

<u>Template for the Course</u>

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 457
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :तृतीय
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधि	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यक्रम छात्रों को कुल गुणवत्ता प्रबंधन, गुणवत्ता संस्कृतियों, प्रभावी टीम संरचनाओं, गुणवत्ता का मापन, उत्पादकता और औद्योगिक वातावरण में प्रतिस्पर्धात्मकता में प्रयुक्त अवधारणाओं, उपकरणों और तकनीकों से परिचित कराता है। पाठ्यक्रम न केवल छात्रों को गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण की अवधारणाओं से परिचित कराता है, बल्कि गुणवत्तामें मानव कारक,क्रय उत्पाद पर नियंत्रण,विनिर्माण गुणवत्ताऔर अन्य विषयों को गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि से जोड़ता है। गुणवत्ता के संबंध में निर्णय लेने और बुनियादी समस्या निवारण तकनीकों में छात्र व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

- गुणवत्ता प्रबंधन की विभिन्न अवधारणाओं के साथ छात्रों को परिचित करना।
- गुणवत्ता प्रबंधन के उपकरण और तकनीक, नियंत्रण चार्टसेछात्रों को अवगत करना।

➢ छात्रोंको संगठन के लिए IS0-9000 के महत्व को समझना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.गुणवत्ता की अवधारणा	1	1	6	20.0
	2.खरीदे गए उत्पाद पर नियंत्रण	1			
	3. विनिर्माण गुणवत्ता	2	1		
मॉड्यूल-2	1.गुणवत्ता प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2.गुणवत्ता में मानव कारक	2	1		
मॉड्यूल-3	1.उपकरण और तकनीक	1		6	20.0
	2. नियंत्रण चार्ट	2	1		
	3. नियंत्रण चार्ट की विशेषताएँ	1	1		
मॉड्यूल-4	दोष का निदान	4	2	6	20.0
मॉड्यूल-5	1.IS0-9000 और इसकी गुणवत्ता प्रबंध की अवधारणा	4	2	6	20.0
योग		20	10	30	100.0

टिप्पणी:

1.मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)
पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	छात्र संगठन के लिए IS0-9000 के महत्व को समझने में सक्षम होंगे।	गुणवत्ता प्रबंधन की विभिन्न अवधारणाओं के साथ छात्रों को परिचितहोंगे।	गुणवत्ता प्रबंधन के उपकरण और तकनीक, नियंत्रण चार्टसेछात्रों को अवगत होंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	**आधार/ पाठय ग्रन्थ**	1.Charantimath, M. P., (2017), Total Quality Management, Third Edition, Pearson Education. 2 .Total Quality Management, Dale H. Besterfiled, et al., Pearson Education Asia, 1999. (Indian reprint 2002). 3.The Management and Control of Quality, James R.Evans & William M.Lidsay, (5th Edition), South-Western (Thomson Learning), 2002 (ISBN 0-324-06680-5). 4. Total Quality Management, Feigenbaum, McGraw-Hill, 1991. 5.TQM an Integrated Approach, Shailendra Nigam, Excel Books 6. Total Quality Management,Kanishka Bedi, Oxford Higher Education.
2	**संदर्भ ग्रंथ**	1. Ahire, S. L,, Landeros, R., & Golhar, D. Y. (1995). Total quality

		management: A literature review and an agenda for future research. *Production and Operations Management, 4,* 277-306. 2. Feigenbaum (1956) Total Quality Control. Harvard Business Review. 3. Oakland, J. (2003). TQM. Butterworth Heinemann Publishers.
3	**ई - संसाधन**	–
4	**अन्य**	–

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सामरिक प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 439
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:04 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के प्रारंभिक चरण में रणनीति अवधारणा, रणनीतिक मिशन की स्थापना तथा सामरिक प्रबंधन की प्रक्रिया का अध्ययन प्रस्तावित है। रणनीति निर्धारण में बाह्य तथा आंतरिक वातावरण की भूमिका, रणनीति निर्धारण के विभिन्न स्तर, रणनीतिक विकल्प का चुनाव तथा रणनीतियों के क्रियान्वयन जैसे विषय इस पाठ्यचर्या में समाविष्ठ है। पाठ्यचर्या के अंतिम भाग में कॉर्पोरेट स्तर की रणनीतियों तथा रणनीतिक मूल्यांकन एवं नियंत्रण का अध्ययन प्रस्तावित है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ठ परिणाम निम्न है-

1. इस पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थियों में रणनीतिक प्रबंधन के विषयों की समझ विकसित होगी।

2. बाह्य पर्यावरण तथा फर्म की आंतरिक शक्तियों एवं कमजोरियों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी जिसके आधार पर सही एवं उचित रणनीतियों का निर्धारण होगा।
3. विद्यार्थियों में रणनीति निर्धारण एवं उसके क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।
4. कॉर्पोरेट स्तर की विभिन्न रणनीतियों की उपादेयता से विद्यार्थी गण परिचित होगे। अंतत: विद्यार्थियों में रणनीतिक समीक्षा, मूल्यांकन एंव नियंत्रण की परख विकसित होगी।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/कौशल विकास गतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1. रणनीति की अवधारणा, परिभाषा, आवश्यकता एवं आयाम तथा रणनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया	02	01	-	12	20
	2. रणनीति के स्तर : कॉर्पोरेट, व्यावसायिक एवं क्रियात्मक स्तर	02	01	-		
	3. रणनीति प्रबंध की प्रक्रियाएं	02	-	01		
	4. रणनीतिक मंतव्य की स्थापना	02		-		

मॉड्यूल-2	1. पर्यावरण मूल्यांकन : बाह्य मूल्यांकन	02	-	01	12	20
	2. संगठणात्मक मूल्यांकन	02	01	-		
	3. आंतरिक विश्लेषण	02	01	-		
	4. व्यापार या व्यवसायिक रणनीति	02	01	-		
मॉड्यूल-3	1. विभिन्न औद्योगिक संदर्भ में व्यवसायिक स्तर की रणनीति	02	01	01	12	20
	2. संतुलित स्कोअर कार्ड, रणनीतियों के प्रकार	02	01	-		
	3. रणनीतियों का क्रियान्वयन	02	01	-		
	4. रणनीतिक विश्लेषण एवं विकल्प	02		-		
मॉड्यूल-4	1. रणनीतिक मूल्यांकन एवं नियंत्रण	02	01	01	12	20
	2. ज्ञान प्रबंधन तथा समरिक प्रबंधन में चुनौतियां	02	01	-		
	3. संरचनात्मक और व्यवहारात्मक आयाम	02	01	-		
	4. सूचना प्रौद्योगिकी एवं रणनीति	02		-		

मॉड्यूल-5	1. ऊर्ध्वाधर एकीकरण तथा फर्म के क्षेत्र	02	01	-	12	20
	2. विकास रणनीतियां	02	01	-		
	3. घरेलू बाजारों के लिए रणनीतियां तथा वैश्विक रणनीति	02	01	-		
	4. रणनीतिक गठजोड़	02	-	01		
योग		40	15	05	60	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	बाह्य पर्यावरण तथा फर्म की आंतरिक शक्तियों एवं कमजोरियों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी जिसके आधार पर सही एवं उचित रणनीतियों का निर्धारण होगा।	विद्यार्थियों में रणनीति निर्धारण एवं उसके क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।	कॉर्पोरेट स्तर की विभिन्न रणनीतियों की उपादेयता से विद्यार्थी गण परिचित होगे। अंततः विद्यार्थियों में रणनीतिक समीक्षा, मूल्यांकन एंव नियंत्रण की परख विकसित होगी।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Kazmi Azhar (2011). Business Policy and Strategic Management. 3rd Edition. Tata Mc Graw Hill, New Delhi. • David R. Fred (2011). Strategic Management -Concepts and Cases. 13th Edition. PHI Learning, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई - संसाधन	-
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मीडिया प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 442
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत मीडिया प्रबंधन के सिद्धांत, उद्देश्य, महत्व, मीडिया चैनल के विभिन्न प्रकारों की संगठनात्मक संरचना का समावेश किया गया है। मीडिया प्रबंधन के व्यवसायीक एवं कानूनी पहलू का विश्लेषण, मीडिया प्रबंधन की विशिष्ट समस्याएं, नियोक्ता, कर्मचारी एवं ग्राहकों के मध्य संबंधो का विश्लेषण, संपादकीय प्रबंधन तथा मीडिया प्रबंधन के वित्तीय पहलूओं तथा मीडिया बजट निर्धारण, मीडिया शेड्यूलिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन एवं विश्लेषण इस पाठ्यचर्या में प्रस्तावित है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

आधूनिक सूचना क्रांति के युग में किसी संस्था की सफलता का मूलाधार मीडिया प्रबंधन है। इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1. विद्यार्थियों में मीडिया प्रबंधन के उद्देश्य एवं महत्व की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थिगण मीडिया प्रबंधन कानूनी एवं व्यवसायीक पहलूओं की बारिकियों से परिचीत होंगे।

3. मीडिया के विभिन्न प्रकारों से संगठनात्मक ढांचे की चानकारी होगी।

4. मीडिया प्रबंधन के वित्तीय पक्ष का विश्लेषण करना।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/कौशल विकास गतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1. मीडिया प्रबंधन के अर्थ, सिद्धांत कार्य एवं महत्व 2. मीडिया उद्योग एवं पेशा	02 02	01 01	1	06	20
मॉड्यूल-2	1.समाचार पत्र, रेडियों एवं टीवी के स्वामित्व पैटर्न 2. सोसायटी अंतरराष्ट्रीय स्वामित्व, क्रॉस मीडिया स्वामित्व	02 02	01 01	1	06	20
मॉड्यूल-3	1. मीडिया प्रबंधन के व्यापारीक एवं कानूनी पहलू 2.विज्ञापन, ब्रॉन्ड संवर्धन और विपणन रणनीतियां 3. मीडिया प्रबंधन की विशिष्ट समस्याएं	01 02 01	01	- 1	06	20

मॉड्यूल-4	1. संपादकीय कर्मचारीयों एवं अन्य मीडिया व्यक्तियों की भूमिका 2. संपादकीय प्रक्रिया प्रणाली 3. समाचार पत्र, टेलीविजन एवं रेडिओ, स्थान/समय, संवर्धन, बाजार सर्वेक्षण तकनीक की संगठनात्मक संरचना	01 01 02	01	1	6	20
मॉड्यूल-5	1. व्यक्तिगत प्रबंधन एवं वित्तीय प्रबंधन 2. उत्पादन लागत, पूंजी लागत एवं वानिज्यीक नीति 3. बजट, उत्पादन निर्धारण तथा मीडिया शेडयूलिंग	01 02 01	01 01	1	06	20
योग		20	8	2	30	100

टिप्प्णी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों में मीडिया प्रबंधन के उद्देश्य एवं महत्व की समझ विकसित होगी।	विद्यार्थिगण मीडिया प्रबंधन कानूनी एवं व्यवसायीक पहलूओं की बारिकियों से परिचीत होंगे।	मीडिया के विभिन्न प्रकारों से संगठनात्मक ढांचे की चानकारी होगी।

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	**1.Chaturvedi B.K., " Media Management"Global Vision Pub House ,(2009)** **2.Kundra.S. anmol Pubications Pvt.Limited (2005) " Media Management"**
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई - संसाधन	-
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** ब्रांड प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 443
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के परिचयात्मक भाग में ब्रांड की अवधारणा, प्रकृति, महत्व, ब्रांड नाम एवं प्रबंधन का अध्ययन प्रस्तावित है। तत्पश्चात ब्रांड पहचान, ब्रांड निष्ठा, एवं ब्रांड इक्विटी की अवधारणा, महत्व, उन्नयन आदी महत्वपूर्ण विषयों का समावेश है। चौथी इकाई में क्रमश: ब्रांड व्यक्तित्व और ब्रांड पोजिशिनींग का अध्ययन प्रस्तावित है। अंतिम इकाई में ब्रांड प्रबंधन के क्षेत्र में रणनीतिक निर्णयन, ब्रांड पिरामीड, ब्रांड प्रबंधन में सूचना तंत्र की भूमिका आदी विषयों का अध्ययन समाविष्ठ है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

5. ब्रांड प्रबंधन की अवधारणा एवं महत्व से विद्यार्थी अवगत होंगे।
6. उत्पाद विपणन के क्षेत्र में ब्रांड निष्ठा, ब्रांड इक्विटी एवं ब्रांड व्यक्तित्व निरूपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की महत्ता से विद्यार्थियों का ज्ञान विकसित होगा।

7. विद्यार्थियों में ब्रांड पोजिशिनींग, ब्रांड छवि का उन्नयन, ब्रांड प्रसार तथा ब्रांड रणनीति प्रसारण एवं क्रियान्वयन की चुनैतियों का सामना करने की क्षमता विकसित होगी।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. ब्रांड का अर्थ, प्रकृति एवं महत्व 2. ब्रांड जीवन चक्र 3. ब्रांड नाम तथा ब्रांड प्रबंधन	02 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-2	1. ब्रांड पहचान की अवधारणा, योजना एवं निष्पादन 2. ब्रांड निष्ठा 3. ब्रांड निष्ठा के उपाय	02 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-3	1. ब्रांड इक्विटी की अवधारणा एवं उसके आवश्यक चरण 2. मूल्य एवं उपभोक्ता आधारीत विधियां 3. ब्रांड इक्विटी को कायम रखना	01 02 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-4	1. ब्रांड व्यक्तित्व की परिभाषा तथा उसके आवश्यक चरण 2. ब्रांड छवि बनाम ब्रांड व्यक्तित्व 3. ब्रांड पोजिशिनींग की अवधारणा	01 01 01	01	6	20

	4. पुर्नस्थापना तथा ब्रांड प्रसार	01	01		
मॉड्यूल-5	1. प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए रणनीतियां 2. ब्रांड पिरामीट 3. विभिन्न क्षेत्रों में ब्रांडींग 4. ब्रांड प्रबंधन में सूचना की भूमिका	01 01 01 01	01 01	06	20
योग		20	10	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचया अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	ब्रांड प्रबंधन की अवधारणा एवं महत्व से विद्यार्थी अवगत होंगे।	उत्पाद विपणन के क्षेत्र में ब्रांड निष्ठा, ब्रांड इक्विटी एवं ब्रांड व्यक्तित्व निरूपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की महत्ता से विद्यार्थियों का ज्ञान विकसित होगा।	विद्यार्थियों में ब्रांड पोजिशिनींग, ब्रांड छवि का उन्नयन, ब्रांड प्रसार तथा ब्रांड रणनीति प्रसारण एवं क्रियान्वयन की चुनैतियों का सामना करने की क्षमता विकसित होगी।

टिप्पणी:

7. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Aaker, David (2002), Managing Brand Equity, Prentice Hall of India. • Kumar, Ramesh (2004). Managing Indian Brands, Vikas Publishing House, Delhi. • Keller K. L. (2003), Strategic Brand Management, 2nd Edition, Pearson Education.
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई - संसाधन	-
4		

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सेवा विपणन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 444
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या की संरचना सेवा क्षेत्र में विपणन की प्रकृति, महत्व एवं चुनौतियों पर आधारीत है। पाठ्यचर्या के प्रारंभिक भाग में वस्तु विपणन एवं सेवा विपणन में भिन्नता, सेवा विपणन संबंधि मिश्रण, ग्राहकों की प्रत्याशा एवं प्रत्यक्ष अनुभव में अंतराल तथा सेवा विपणन उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन प्रस्तावित है। सेवा प्रदाता एवं ग्राहक संबंध, सेवा पुर्नप्राप्ति , शिकायत निवारण, सेवा मूल्य निर्धारण, सेवा गुणवत्ता के विविध आयाम, सेवा की मांग एवं आपूर्ती संतुलन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का समावेश इस पाठ्यचर्या में है। सेवा विपणन में कर्मचारी एवं ग्राहकों की भूमिका, सेवा संचार चुनौतियां तथा सेवा विपणन में मध्यस्थों की भूमिका आदी विषयों का अध्ययन इस पाठ्यचर्या में समाविष्ठ है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.विद्यार्थियों में वस्तु विपणन एवं सेवा विपणन के आधारभूत अंतर की समझ विकसित करना।

2.सेवा विपणन की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों की दक्षता में अभिवृद्धि करना।

3.सेवा विपणन कर्मचारीयों एवं ग्राहकों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्ध।

4.सेवा विपणन से संबंधित अंतराल मॉडल का विश्लेषण और उससे संबंधित उपचारात्मक कदमों की पहचान एवं समझ विकसित होगी।

5.सेवा की मांग एवं आपूर्ती में संतुलन एवं किमत निर्धारण सिद्धांतों की व्याख्या प्रस्तुत करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. सेवा के अर्थ एवं विशेषताएं 2. सेवा संबंधि विपणन मिश्रण 3. सेवा उपभोक्ता व्यवहार 4. सेवा की गुणवत्ता के अंतराल मॉडल	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-2	1. सेवा संदर्भ में ग्राहकों की प्रत्याशा 2. सेवा संदर्भ में ग्राहक प्रत्याशा एवं सेवा गुणवत्ता 3. ग्राहक की अपेक्षाओं समझने में विपणन शोध की भूमिका 4. संबंध विपणन की अवधारणा	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-3	1. सेवा की विफलताओं के संदर्भ में ग्राहकों की प्रितक्रिया 2. सेवा रिकवरी रणनीतियां 3. सेवा विकास की प्रक्रियाएं 4. भौतिक साक्ष रणनीति के लिए दिशानिर्देश	01 01 01 01	01 01	06	20

मॉड्यूल-4	1. सेवा प्रदान करने में कर्मचारीयों की भूमिका 2. सेवा प्रदान करने में ग्राहकों की भूमिका 3. मध्यस्थों एवं इलेक्ट्रानीक चैनलों के माध्यम से सेवा प्रदान करना 4. मांग एवं क्षमता को संचालित करने के लिए रणनीतियां	01 01 01 01	01 01	6	20
मॉड्यूल-5	1. विपणन संचार में समन्वय 2. सेवा संचार की प्रमुख चुनौतियां 3. सेवाओं के मूल्यनिर्धारण की विधियां	01 01 02	01 01	06	20
योग		20	10	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का

	आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचया अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सेवा विपणन कर्मचारीयों एवं ग्राहकों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्ध।	सेवा विपणन से संबंधित अंतराल मॉडल का विश्लेषण और उससे संबंधित उपचारात्मक कदमों की पहचान एवं समझ विकसित होगी।	सेवा की मांग एवं आपूर्ती में संतुलन एवं किमत निर्धारण सिद्धांतों की व्याख्या प्रस्तुत करना।

टिप्पणी:

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Zeithaml Valarie A; Bitner Mary Jo; Gremler Dwayne D & Pandit Ajay (2011), Services Marketing: Integrating Customer Focus across the Firm, 5th Edition, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi. • Lovelock Christopher (2011), Services Marketing, 7th Edition, Pearson Education, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई - संसाधन	**-**
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** खुदरा प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 445
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या के प्रारंभिक भाग में खुदरा विक्री के आशय, महत्व, प्रकार एवं वैश्विक तथा भारतीय खुदरा परिदृश्य का अध्ययन प्रस्तावित है। इसी क्रम में खुदरा बाजार रणनीति, वित्तीय रणनीति, विक्रय स्थान निर्धारण, विक्रेता एवं ग्राहक संबंध का अध्ययन समाविष्ठ है। खुदरा मूल्य निर्धारण, भंडार प्रबंधन, दूकान डिजाईन एवं लेआऊट, ई-रिटेलिंग जैसे महत्वपूर्ण विषय इस पाठ्यचर्या के अंग है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.खुदरा प्रबंधन के सैद्धांतिक एवं व्यवहारीक पहलूओं की व्यापक समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

2.खुदरा विपणन एवं वित्तीय रणनीति का निर्धारण, मूल्य निर्धारण, स्थान निर्धारण, ले-आऊट निर्धारण जैसे मुद्दों की विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।

3.विक्रेता – ग्राहक संबंध विश्लेषण, वैश्विक परिदृश्य में खुदरा व्यापार की चुनौतियां एवं ई-रिटेलिंग जैसे ज्वलंत मुद्दों की जानकारी विकसित होंगी।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. खुदरा विपणन के अर्थ एवं महत्व 2. खुदरा विक्रेताओं के प्रकार 3. वैश्विक भारतीय खुदरा परिदृश्य	01 01 02	01 01	06	20
मॉड्यूल-2	1. खुदरा बाजार रणनीति 2. वित्तीय रणनीति 3. खुदरा सूचना प्रणाली 4. ग्राहक संबंध प्रबंधन	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-3	1. मर्केंडाइज वर्गीकरण प्रबंधन 2. मर्केंडाइज योजना प्रणाली 3. खुदरा मूल्य निर्धारण 4. खुदारा संचार मिश्रण	01 01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-4	1. भंडार का प्रबंधन 2. दूकान ले-आऊट, डिजाईन, विजुअल मर्केंडाइजिंग 3. ग्राहक सेवा अंतराल मॉडल	01 01 02	01 01	6	20
मॉड्यूल-5	1. ई-रिटेलिंग का आधार 2. ई-रिटेलिंग के संबंध में	02 02	01 01	06	20

	नवीनतम रूझान				
योग		20	10	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	खुदरा प्रबंधन के सैद्धांतिक एवं व्यवहारीक पहलूओं की व्यापक समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।	खुदरा विपणन एवं वित्तीय रणनीति का निर्धारण, मूल्य निर्धारण, स्थान निर्धारण, ले-आऊट निर्धारण जैसे मुद्दों की विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।	विक्रेता – ग्राहक संबंध विश्लेषण, वैश्विक परिदृश्य में खुदरा व्यापार की चुनौतियां एवं ई-रिटेलिंग जैसे ज्वलंत मुद्दों की जानकारी विकसित होंगी।

टिप्पणी:

11. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री	**विवरण**

		(APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Levy M., Weitz B.A and Pandit A. (2008), Retailing Management, 6th Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi. • Berman B. Evans J. R. (2011), Retail Management, 11th Edition, Pearson Education, New Delhi. • Sharma, D.P. (2009), e-Retailing, 1st Edition, Himalaya Publishing House, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई - संसाधन	**-**
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** विलय और अधिग्रहण
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 446
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यविवरण के प्रारंभ में विलय एवं अधिग्रहण के प्रेरक तत्वों, प्रकार, सिद्धांत तथा विलय एवं अधिग्रहण की नवीन प्रवृत्ति का अध्ययन प्रस्तावित है। इसी क्रम में विलय लहर, नए बाजारों में प्रवेश की रणनीति, सामरीक दृष्टिकोण तथा उत्पाद जीवनचक्र का विश्लेषण समाविष्ट है। विलय एवं अधिग्रहण के मूलयांकन संबंधी विभिन्न मूद्दो, विलय एवं अधिग्रहण के कानूनी पहलूओं तथा कॉर्पोरेट मूल्यांकन तकनीक का अध्ययन इस पाठ्यचर्या के महत्वपूर्ण अंग है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.विलय एवं अधिग्रहण के कारणों, प्रकार एवं सिद्धांतों के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि होगी।

2.विद्यार्थियों को विलय लहरों के ऐतिहासिक परिदृश्य के साथ नवीन रूझानों की जानकारी होगी।

3.विलय एवं अधिग्रहण के कानूनी पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी तथा रणनीति निर्णयों की क्षमता विकसित होगी।

4.विलय एवं अधिग्रण के मूल्यांकण की आधारभूत बातों तथा मूल्यांकन के तकनीक के संबंध में विद्यार्थियोंकी समझ विकसित होगी।

5.विशिष्ट मामलों के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों की बौद्धिक एवं तार्किक शक्ति का विकास होगा।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. विलय एवं अधिग्रहण के स्वरूप 2. विलय के सिद्धांत 3. विलय एवं अधिग्रहण में नवीन प्रवृत्तियां 4. केस अध्ययन	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-2	1. विलय लहरे 2. नए बाजारों में प्रवेश की रणनीतियां 3. विलय एवं अधिग्रहण में मूल्य सृजन रणनीति 4. बीसीजी मैट्रींक्स तथा उत्पाद जीवनचक्र विश्लेषण	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-3	1. मूल्यांकन की आधारभूत बातें 2. मूल्यांकन के उद्देश्य 3. सार्वजनिक क्षेत्र का मूल्यांकन 4. कार्पोरेट मूल्यांकन तकनीक	01 01 01 01	01 01	06	20

मॉड्यूल-4	1. मूल्य निर्धारकों एवं मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए एकीकृत आचार संहिता 2. विलय एवं अधिग्रहण के कानूनी पहलू	02 02	01 01	6	20
मॉड्यूल-5	1. केस अध्ययन	04	02	06	20
योग		20	10	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विलय एवं अधिग्रहण के कानूनी पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी तथा रणनीति निर्णयों की क्षमता विकसित होगी।	विलय एवं अधिग्रण के मूल्यांकण की आधारभूत बातों तथा मूल्यांकन के तकनीक के संबंध में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	विशिष्ट मामलों के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थियों की बौद्धिक एवं तार्किक शक्ति का विकास होगा।

टिप्पणी:

13. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Ray Ghosh Kamal, (2010).Mergers and Acquisitions Strategy, Valuation and Integration. Eastern Economy Edition. PHI, New Delhi. • Gaughan A. Patrick. (2011). Mergers Acquisitions and Corporate Restructurings. Fifth Edition.Wiley India (P) Ltd. New Delhi. • Kumar Rajesh B., (2011). Mergers and Acquisitions: Text and Cases. Tata McGraw Hill, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई - संसाधन	-
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** धन प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 447
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या की विषय सामुग्री का प्रारंभ धन प्रबंधन की भूमिका, वैयक्तिक, वित्तीय विवरण विश्लेषण एवं आर्थिक पर्यावरण विश्लेषण से होता है। दूसरी इकाई में बीमा योजना एवं निवेश योजना का अध्ययन प्रस्तावित है। पाठ्यचर्या के अगले चरण में वित्तीय गणित आधारभूत बातें, सेवा निवृत्ति योजना एवं कर नियोजन से संबंधित प्रावधान का उल्लेख है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.विद्यार्थियों में धन प्रबंधन के उद्देश्य, महत्व तथा वैयक्तिक वित्तीय विवरण के विश्लेषण की क्षमता विश्लेषित होगी।

2.विद्यार्थियों में विमा योजना एवं निवेश योजना की आधारभूत जानकारी विकसित होगी।

3.सेवा निवृत्ति योजना एवं कर नियोजन के तरीकों से विद्यार्थी अवगत होंगे।

4.विद्यार्थियों में वित्तीय गणित आधारभूत बातों की समक्ष विकसित होगी।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/कौशल विकास गतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1. धन प्रबंध का परिचय 2. वैयक्तिक वित्तीय विवरण विश्लेषण 3. आर्थिक पर्यावरण विश्लेषण	02 02 01	01 01 01	-	08	27
मॉड्यूल-2	1. वीमा योजना 2. निवेश योजना	02 03	01	1	07	23
मॉड्यूल-3	1. वित्तीय गणित 2. कर संपत्ति योजना	03 02	02 01	-	08	27
मॉड्यूल-4	1. सेवानिवृत्ति योजना 2. आय धाराएं एवं कर बचत योजनाएं	02 03	01	1	7	23
मॉड्यूल-5	-	-	-	-	-	-

योग		20	8	2	30	100

टिप्पणी:

1. मॉड्यूल-5 के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचया अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों में विमा योजना एवं निवेश योजना की आधारभूत जानकारी विकसित होगी।	सेवा निवृत्ति योजना एवं कर नियोजन के तरीकों से विद्यार्थी अवगत होंगे।	विद्यार्थियों में वित्तीय गणित आधारभूत बातों की समक्ष विकसित होगी।

टिप्पणी:

15. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ
Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	-
2	संदर्भ ग्रंथ	-

3	ई - संसाधन	**-**
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियों प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 448
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधि	
कुल क्रेडिट घंटे	30

6. **पाठ्यचर्या का विवरण:**

   (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या प्रारंभ निवेश के अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, प्रतिभूतियों के मूल्यांकन तथा प्रभुत्व की अवधारणा से होता है। पोर्टफोलियों विश्लेषण की प्रक्रिया, महत्व, जोखिम निर्धारण एवं मापण की विधियों विश्लेषण इस पाठ्यचर्या में समाविष्ठ है। मौलिक विश्लेषण, बीटा की अवधारणा तथा उसका प्रयोग, पोर्टफोलियों संशोधन एव पुर्ननिर्माण, निपुण बाजार अवधारणा, व्यवस्थित एवं अव्यवस्थित जोखीम का मापण, शार्प अनुपात तथा ट्रेयनर अनुपात विश्लेषण इस पाठ्यचर्या के महत्वपूर्ण अध्ययाय है।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.निवेश की प्रवृत्ति, प्रकार एवं क्षेत्र तथा निवेश जोखिम के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

2.पोर्टफोलियों प्रबंधन के उद्देश्य, विकास एवं महत्व से विद्यार्थी अवगत होंगे।

3.पोर्टफोलियों प्रबंधन द्वारा जोखिम निवारण एवं जोखिम मापण की विधियों का जानकारी विकसित होगी।

4.विभिन्न पोर्टफोलियों मॉडल, मोर्टफोलियों चयन, संशोधन एवं पुर्ननिर्माण की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1. निवेश का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. निवेश जोखिम के अंतर्गत ब्याज जोखिम, बाजार जोखिम, मुद्रास्फीति जोखिम 3. प्रत्याभूति का मूल्यांकन 4. प्रभुत्व की धारणा	01 01 01 01	01 01	06	20
मॉड्यूल-2	1. पोर्टफोलियों प्रबंधन के अर्थ एवं उसके चरण 2. पोर्टफोलियों के विकास 3. पोर्टफोलियों प्रबंधन की भूमिका	01 01 01		03	10
मॉड्यूल-3	1. जोखिम माप की तकनीक और पोर्टफोलियों मूल्यांकन 2. गियरड एवं अनगियरड बीटा का वर्गीकरण	01 01 01	01 01	09	30

	3. परियोजना बीटा एवं पोर्टफोलियों बीटा 4. सिक्यूरिटी बाजार लाईन और पूंजी बजार लाईन 5. पोर्टफोलियों संशोधन और पुर्ननिर्माण	01 01	01 01		
मॉड्यूल-4	1. मौलिक विश्लेषण 2. अर्थव्यवस्था, उद्योग, कंपनी और तकनीकी विश्लेषण 3. डाओं जोन्स थेयरी 4. व्यवस्थित एवं अव्यवस्थित जोखिम मापन	01 01 01 01	01 01	6	20
मॉड्यूल-5	1. मार्कोविच मॉडल और कैपिटल एसेट्स मूल्य निर्धारण मापन 2. पोर्टफोलियो संशोधन और कार्य मूल्यांकन 3. शार्प अनुपात 4. ट्रेयनर अनुपात	01 01 01 01	01 01	06	20
योग		20	10	30	100

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. विठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर

	सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9. पाठ्यचया अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	पोर्टफोलियों प्रबंधन के उद्देश्य, विकास एवं महत्व से विद्यार्थी अवगत होंगे।	पोर्टफोलियों प्रबंधन द्वारा जोखिम निवारण एवं जोखिम मापण की विधियों का जानकारी विकसित होगी।	विभिन्न पोर्टफोलियों मॉडल, मोर्टफोलियों चयन, संशोधन एवं पुर्ननिर्माण की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

टिप्पणी:

17. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण** **(APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	**Kevin S, Prentice Hall India Learning Private Limited, (1 January 2006), "Security Analysis and Portfolio Management"**
2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई - संसाधन	**-**
4		

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

<u>Template for the Course</u>

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 449
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:02 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** :चतुर्थ
(Credit) **(Semester)**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या की विषय सामग्री के प्रारंभिक चरण में वैश्विक वित्तीय वातारण का अवलोकन, अंतरराष्ट्रीय मद्रा प्रणाली, भुगतान संतुलन, आई.एम.एफ. एवं यूरो मुद्रा बाजार का अध्ययन प्रस्तावित है। विषय सामग्री के विस्तृत रूप में विदेशी विनिमय बाजार, विनिमय दर निर्धारण, विनिमय दर पूर्वानुमान एवं विदेश विनिमय से संबंद्ध जोखिमों का अध्ययन प्रस्तावित है। पाठ्यचर्या की अंतिम इकाई में विदेशी निवेश के प्रकार, अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उपक्रम, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा विदेशी संस्थागत निवेश का विश्लेषण किया जाएगा।

6.अपेक्षितअधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के अभीष्ट परिणाम निम्न है-

1.अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध की अवधारणाओं को समझने में विद्यार्थियों की क्षमता का विकास होगा।

2.वैश्विक संदर्भ में वित्तीय रणनीति के निर्धारण एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत करना।

3.विदेशी मुद्रा बाजार की कार्यप्रणाली एवं विनिमय दर निर्धारण के संबंध में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।

4.विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोझर एवं विदेशी निवेश निर्णयन के संबंध में विद्यार्थियों की विश्लेषण क्षमता में अभिवृद्धि करना।

➢

7.**पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण** 1.	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/कौशल विकास गतिविधि(Interaction Training/Laboratory)**		
मॉड्यूल-1	1. वैश्विक वित्तीय वातवरण का अवलोकन 2. विनिमय दर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश, यूरो मुद्रा बाजार 3. वैश्विक संदर्भ वित्त प्रबंधक की भूमिका 4. भुगतान संतुलन, विश्लेषण एवं व्याख्या	01 01 01 01	01	01	06	20
मॉड्यूल-2	1. विदेशी विनिमय बाजार की प्रकृति, संरचना तथा लेन देन के प्रकार	02 01 01	01		06	20

	2. विनिमय दर उद्धरण और आर्बिट्राज 3. भारत में विदेशी मुद्रा बाजार की प्रकृती, संरचना, संचालन एवं सीमाएं		01			
मॉड्यूल-3	1. विनिमय दर निर्धारण की संरचनात्मक मॉडल 2. विनिमय दर पूर्वानुमान 3. रूपए का विनिमय दर	02 01 01	01 01		06	20
मॉड्यूल-4	1. जोखिम के प्रकार 2. जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया 3. डेरिवोटिव्स के प्रकार 4. सेबी की भूमिका	01 01 01 01	01 01		06	20
मॉड्यूल-5	1. अंतराष्ट्रीय परियोजना मूल्यांकन 2. विनिमय दर जोखिम और पूंजी लागत 3. कोष का पुर्नस्थापना 4. भारत में एफ.डी.आई. और एफ.आई.आई. की भूमिका	01 01 01 01	01	1	06	20

योग		20	8	2	30	100

टिप्पणी:

1. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है : 1. व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। 2. पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन ।
विधियाँ	1. व्याख्यान विधि 2. कार्य आवंटन विधि 3. विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन 4. पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑनलाईन शिक्षण, सेमिनार एवं वेबिनार का आयोजन तथा सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निर्वहन, व्यापार खेल तथा प्रश्नोउत्तरी, विचार मंथन, व्यवसायिक योजनाओं का निर्माण

9 पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्रापित तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	वैश्विक संदर्भ में वित्तीय रणनीति के निर्धारण एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत करना।	विदेशी मुद्रा बाजार की कार्यप्रणाली एवं विनिमय दर निर्धारण के संबंध में विद्यार्थियों की समझ को विकसित करना।	विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर एवं विदेशी निवेश निर्णयन के संबंध में विद्यार्थियों की विश्लेषण क्षमता में अभिवृद्धि करना।

टिप्पणी:

19. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

पाठ्य -सामग्री		**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Apte, P.G. – International Financial Management (Tata Mcgraw–Hill) • Sharan – International Financial Management (Prentice–Hall)

		• Vij M – International Financial Management (Excel Books) • Shapiro – Multinational Financial Management (Prentice–Hall) Kevin (2011) Security Analysis and Portfolio Management, Tenth Edition, PHI Learning, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई - संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** नेतृत्व एवं संगठनात्मक विकास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 450
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	2
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या की शुरूआत नेतृत्व की अवधारणा, सिद्धान्त, प्रबंधक बनाम नेता, नेतृत्व की परिवर्तनकारी परिपेक्ष्य एवं संगठन में पर्यवेक्षक की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण अध्यायों से की गई है। दूसरी इकाई में संगठन विकास एवं संगठन रूपान्तरण का अध्ययन प्रस्तावित है। संगठनात्मक विकास हस्तक्षेप, विनिमय व्यवहार तथा संवेदनशीलता प्रशिक्षण का अध्ययन तीसरी इकाई में समाविष्ट है। समूह एवं अन्तर्समूह हस्तक्षेप, संगठन प्रतिदिन एवं तृतीय पक्ष शांति स्थापना आदि महत्वपूर्ण अध्यायों का अध्ययन चौथी इकाई में प्रस्तावित है। उद्देश्यानुसार प्रबंधन, सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, शक्त, राजनीति एवं संगठन विकास पॉचवी इकाई के प्रमुख अध्याय है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1.नेतृत्व की अवधारणा, सिद्धांत एवं भूमिका के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

2.संगठनात्मक विकास एवं संगठनात्मक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गूढ़ता से विद्यार्थी अवगत होगें।

3.विनिमय विश्लेषण एवं संवेदनशीलता विश्लेषण द्वारा अन्तर-समूह एवं अन्तर - वैयक्तिक संबंधों को सुदृढ़ करने की क्षमता विकसित होगी।

4. उद्देश्यानुसार प्रबंधन के महत्तव, सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन की आधारभूत अवधारणा एवं संगठनात्मक संरचना में शक्ति एवं राजनीतिक दाव – पेंच की बारीकियों से विद्यार्थी अवगत होगें।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**			
मॉड्यूल-1	1.नेतृत्व की अवधारणा , अर्थ एवं विशेषताएँ	1			6	20.0
	2.नेतृत्व के सिद्धांत	1				
	3.नेतृत्व की परिवर्तनकारी परिपेक्ष्य	1	1			
	4.संगठन में पर्यवेक्षक की भूमिका	1	1			
मॉड्यूल-2	1.संगठन विकास की संकल्पना एवं इतिहास	1	1		6	20.0
	2.संगठनात्मक विकास के मूल्य एवं मान्यताएँ	1				
	3.संगठनात्मक विकास एवं रूपांतरण	1	1			
	4. संस्थागत निर्माण	1				

मॉड्यूल-3	1.हस्तक्षेप की परिभाषा एवं वर्गीकरण	1		1	6	20.0
	2. जीवन और कैरियर योजना	1				
	3.विनिमय विश्लेषण	1				
	4.टी–समूह का प्रशिक्षण एवं परामर्श	1	1			
मॉड्यूल-4	1.प्रक्रिया विमर्श एवं भूमिका समझौता	1		1	6	20.0
	2.फिश बाउल और भूमिका विश्लेषण तकनीक	1				
	3.संगठन प्रतिबिम्बन और थर्ड पार्टी शांति स्थापना	1	1			
	4. सर्वेक्षण प्रतिपुष्टि	1				
मॉड्यूल-5	1.उद्देश्यों द्वारा प्रबंधन	1			6	20.0
	2.ग्रिड संगठनात्मक विकास	1	1			
	3.सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन	1	1			
	4. शक्ति , राजनीति और संगठन विकास	1				
योग		**20**	**8**	**2**	**30**	**100.0**

टिप्प्णी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विपणन शोध, पर्यावरण समीक्षा, तथा विपणन सूचना प्रणाली की उपयोगिता से अवगत होना।	बाजार विभक्तिकरण, बाजार लक्ष्य निर्धारण तथा बाजार में उत्पाद की स्थिति आदि विषयों की समझ एवं परख विकसित करना।	विपणन मिश्रण के विभिन्न तत्वों का समुचित विश्लेषण एवं बाजार की नयी चुनौतियों एवं उभरती प्रवृत्तियों का गहन विश्लेषण एवं उनके समाधान की रूपरेखा विकसित करना।

टिप्पणी:

15. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Wendell L French and Cecil Bell, Jr.; Organisation Development Behavioural Science Interventions for Organisation Development, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 2005 • Ian Palmer, Reichard Dunford and Gib Akin; Managing Organisation Change - A Multiple Perspective Approach, Tata McGraw Hill Education Private Limited, New Delhi, 2011
2	संदर्भ ग्रंथ	
3	ई- संसाधन	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मानव संसाधन नियोजन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 451
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या मानव संसाधन नियोजन पर केन्द्रित है। पाठ्यचर्या का प्रारंभ मानव संसाधन नीति की अवधारणा, भूमिका एवं प्रकार से किया गया है। पाठ्यचर्या के अगले भागों में मानव संसाधन नियोजन के उद्देश्य, लाभ, प्रक्रिया, स्तर एवं इसे प्रभावित करने वाले तत्व, कार्य विश्लेषण, विवरण एवं मूल्यांकन, भर्ती, चयन, अभिप्रेरण एवं कैरियर

नियोजन का अध्ययन प्रस्थावित है। अन्तिम दो इकाइयों में निष्पादन मूल्यांकन, कौशल विकास, हस्तांतरण, पदोन्तति, पदावनति एवं कार्य चक्रीकरण जैसे महत्वपूर्ण अध्याय समाविष्ट है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1.विद्यार्थियों में मानव संसाधन नीतियों एवं नियोजन के महत्व की समझ विकसित होगी।

2.कैरियर नियोजन, भर्ती, चयन, एवं अभिप्रेरण की गूढ़ताओं से विद्यार्थी अवगत होगें।

3.कौशल विकास, कार्य चक्रीकरण, पदोन्तति एवं पदावनति, स्थानांतरण एवं निष्पादन मूल्यांकन से संबंधित मुद्दों पर विद्यार्थियों की परख मजबूत होगी।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.मानव संसाधन नीति के अर्थ एवं विशेषताएँ	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन नीतियों के निर्धारक चरण	1			
	3.मानव संसाधन रणनीति की भूमिका	1	1		
	4.मानव संसाधन प्रबंधन रणनीति के प्रकार	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मानव संसाधन नियोजन की आवश्यकता, उद्देश्य एवं लाभ	1	1	6	20.0
	2.विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन नियोजन	1			
	3.मानव संसाधन नियोजन की प्रक्रिया	1	1		
	4.मानव संसाधन सूचना प्रणाली	1			
मॉड्यूल-3	1.उत्पादकता, प्रौद्योगिकी एवं मानव संसाधन नियोजन	1	1	6	20.0

	2.कार्य विश्लेषण एवं मूल्यांकन	1			
	3.भर्ती,चयन एवं अभिप्रेरण	1	1		
	4.कैरियर नियोजन	1			
मॉड्यूल-4	1.प्रदर्शन का मूल्यांकन	1	1	5	17.0
	2.कौशल विकास	2	1		
मॉड्यूल-5	1.स्थानांतरण के अर्थ एवं परिभाषा	1	1	7	23.0
	2.स्थानांरण के प्रकार एवं नीति	1			
	3.स्थानांतरण प्रक्रिया	1	1		
	4.पदोन्तति एवं पदावनति	1			
	5.कार्य का चक्रीकरण	1			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्प्णी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का

	आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	विद्यार्थियों में मानव संसाधन नीतियों एवं नियोजन के महत्व की समझ विकसित होगी।	कैरियर नियोजन, भर्ती, चयन, एवं अभिप्रेरण की गूढ़ताओं से विद्यार्थी अवगत होगें।	कौशल विकास, कार्य चक्रीकरण, पदोन्तति एवं पदावनति, स्थानांतरण एवं निष्पादन मूल्यांकन से संबंधित मुद्दों पर विद्यार्थियों की परख मजबूत होगी।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	पाठ्य - सामग्री	विवरण (APAप्रारूप में)
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	Bhattarcharyya D K, Excel Books Indian, 2009 , Human Resource Planning
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 452
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

संपत्ति के रूप में मानव संसाधन की पहचान एवं मानव संसाधन लेखांकन पर यह पाठ्यचर्या केन्द्रित है। मानव संसाधन लेखांकन की विधियॉ , अनुप्रयोग, मानव संसाधन के लागत एवं मूल्य का निर्धारण, मानव संसाधन में निवेश पर प्रत्याय एवं मानव संसाधन लेखांकन प्रणाली का क्रियान्वयन इस पाठ्यचर्या के प्रमुख अध्याय है। मानव संसाधन आडिट की अवधारणा, महत्व, विधियॉ तथा मानव संसाधन लेखा परीक्षण के विभिन्न मुद्दो एवं मानव संसाधन लेखा परीक्षण प्रतिवेदन के अनुप्रयोग एवं प्रारूप का अध्ययन अन्तिम दो इकाइयों में प्रस्तावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1.मानव संसाधन लेखांकन की अवधारण, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

2.मानव संसाधन में निवेश की लागत एवं प्रत्याय निर्धारण तथा उनके लेखांकन की विधियों के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

3.मानव संसाधन लेखा परीक्षण प्रतिवेदन के प्रारूप तथा उसके अनुप्रयोग से विद्यार्थी अवगत होगे।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.संपत्ति के रूप में मानव संसाधन	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन लेखांकन की अवधारणा , उद्देश्य एवं महत्व	1			
	3.मानव संसाधन लेखांकन की विधियाँ एवं उसके अनुप्रयोग	1	1		
	4.मानव संसाधन लेखांकन बनाम अन्य लेखांकन	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मानव संसाधन लागत मापन	1	1	6	20.0
	2.कर्मचारियों में निवेश एवं प्रतिस्थापन लागत	1			
	3. मानव संसाधन मूल्य का निर्धारण	1	1		
	4.मौद्रिक एवं गैर मौद्रिक मापन के तरीके	1			
मॉड्यूल-3	1.मानव संसाधन लेखा प्रणाली का विकास	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन लेखांकन का क्रियान्वयन	1			
	3.मानव संसाधन लेखाकन का अन्य लेखांकन के साथ एकीकरण	1	1		
	4.मानव संसाधन लेखांकन में नवीन प्रगतियाँ	1	1		

मॉड्यूल-4	1.मानव संसाधन लेखा परीक्षा की भूमिका	1	1	6	20.0
	2.मानव संसाधन लेखा परीक्षा की आवश्यकता , उद्देश्य एवं महत्व	1	1		
	3.मानव संसाधन विकास स्कोरकार्ड	1			
	4.मानव संसाधन लेखा परीक्षा के मुद्दे	1			
मॉड्यूल-5	1.मानव संसाधन विकास लेखा परीक्षा रिपोर्ट के उद्देश्य	1	1	6	20.0
	2.मानव संसाधन प्रबंधक एवं लेखा परीक्षकों की भूमिका	1			
	3.मानव संसाधन आडिट रिपोर्ट की तैयारी	1	1		
	4.मानव संसाधन आडिट रिपोर्ट का उपयोग	1			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव संसाधन लेखांकन की अवधारण, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	मानव संसाधन में निवेश की लागत एवं प्रत्याय निर्धारण तथा उनके लेखांकन की विधियों के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	मानव संसाधन लेखा परीक्षण प्रतिवेदन के प्रारूप तथा उसके अनुप्रयोग से विद्यार्थी अवगत होगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	पाठ्य - सामग्री	विवरण (APAप्रारूप में)
1 2 3	आधार/ पाठय ग्रन्थ	Dr. R.K.Sahu Performance Management System , Excel Books , New Delhi 2007,Ist edition
	संदर्भ ग्रंथ	-
	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** मानव संसाधन विकास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 453
(Code of the Course)

3. **क्रेडिट:**2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का आरंभ मानव संसाधन विकास की अवधारणा, क्षेत्र एवं महत्व से किया गया है। इसी क्रम में मानव संसाधन विकास में पेशेवरों की भूमिका, उनके समक्ष प्रस्तुत चुनौतियॉ, मानव संसाधन विकास की प्रक्रिया, इसके मूल्यांकन के प्रतिमान एवं रूपरेखा, कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रतिस्पर्धी लाभ

हेतु मानव संसाधन विकास रणनीतियों के निर्धारण एवं क्रियान्वयन का समावेश विषय सामग्री में किया गया है। अन्तिम इकाई में वैश्विकरण के परिपेक्ष्य में मानव संसाधन विकास का अध्ययन प्रस्तावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. इस विषय के अध्ययन के पश्चात मानव संसाधन विकास के विभिन्न आयामों से विद्यार्थी अवगत होगें।
2. मानव संसाधन विकास की रणनीतियों के निर्धारण एवं उनके क्रियान्वयन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता का विकास होगा।
3. कर्मचारियों एवं प्रबंधकों के प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों के निर्धारण एवं संचालन करने की बारीकियों से विद्यार्थी परिचित होगें।
4. वैश्विक परिदृश्य में मानव विकास कार्यक्रमों की महत्ता से विद्यार्थी अवगत होगें तथा चुनौतियों का समना करने की क्षमता उनमें विकसित होगी।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.मानव संसाधन विकास का अर्थ तथा क्षेत्र	1		6	20.0
	2.मानव संसाधन विकास के कार्य तथा उदगम	1			
	3.मानव संसाधन विकास में पेशेवरों की भूमिका	1	1		
	4.मानव संसाधन विकास में पेशेवरों के समक्ष प्रस्तुत चुनौतियॉ	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मानव संसाधन विकास की प्रक्रिया एवं उनके प्रतिमान	1	1	6	20.0
	2.मानव संसाधन विकास	1			

	कार्यक्रमों का निर्माण, क्रियान्वयन एवं हस्तक्षेप				
	3.मूल्यांकन के प्रतिमान एवं रूपरेखा तथा मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन	2	1		
मॉड्यूल-3	1.प्रशिक्षण रणनीति का विकास	1		6	20.0
	2.प्रशिक्षण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन	1			
	3.प्रशिक्षण तथा निष्पादन प्रबंधन	1	1		
	4.कर्मचारी मार्गदर्शन एवं परामर्श	1	1		
मॉड्यूल-4	1.मानव संसाधन संबंधी संगठनात्मक रणनीतियॉ	1	1	6	20.0
	2.मानव संसाधन के आधिक्य एवं अल्पता का प्रबंधन	2	1		
	3.मानव संसाधनों के निर्धारक तथा अवधारण प्रबंधन प्रक्रिया	1			
मॉड्यूल-5	1.व्यवसाय का वैश्विकरण तथा उसका मानव संसाधन विकास पर प्रभाव	2	1	6	20.0
	2.कार्यबल विविधता का प्रबंधन	2	1		
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मानव संसाधन विकास की रणनीतियों के निर्धारण एवं उनके क्रियान्वयन की	कर्मचारियों एवं प्रबंधकों के प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों के निर्धारण एवं	वैश्विक परिदृश्य में मानव विकास कार्यक्रमों की महत्ता से विद्यार्थी अवगत

	चुनौतियों का सामना करने की क्षमता का विकास होगा।	संचालन करने की बारीकियों से विद्यार्थी परिचित होगें।	होगें तथा चुनौतियों का समना करने की क्षमता उनमें विकसित होगी।

टिप्पणी:

17. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	1.McGuire David , Sage publications India Pvt Ltd, New Delhi 2011,Ist Edition

		2.John P.Wilson ,Kogan Page ,2nd Edition(2005), Human Resource Development
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सामग्री प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 458
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

सामग्री प्रबंधन का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, कार्य - संगठनात्मक ढॉचा एवं सामग्री प्रबंधन, सूचना प्रणाली इस पाठ्यचर्या के प्रारंभिक अध्याय है। दूसरी एवं तीसरी इकाई में क्रमश: सामग्री क्रय प्रबंधन एवं भंडार प्रबंधन का अध्यापन प्रस्तावित है। चौथी इकाई में स्पेयरपार्टस के वर्गीकरण, उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों तथा स्पेयरपार्टस इन्वेन्टरी नियंत्रण का अध्ययन समाविष्ट है। अन्तिम भाग में सामग्री लाजिस्टिक्स की अवधारणा एवं वेयरहाउजिंग प्रबंधन के अर्थ, उद्देश्य , महत्व एवं वेयरहाउस की सुरक्षा जैसे विषयों का अध्ययन प्रस्तावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी सामग्री प्रबंधन की बुनियादी सिद्धांतों से अवगत होगें।
2. सामग्री प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।
3. सामग्री प्रबंधन के विविध आयामों जैसे सामग्री वर्गीकरण,वेयरहाउजिंग, सूची नियंत्रण की विधियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.सामग्री प्रबंधन का अर्थ एवं महत्व	1		6	20.0
	2.सामग्री प्रबंधन के उद्देश्य एवं कार्य	1			
	3.सामग्री प्रबंधन का संगठन	1	1		
	4.सामग्री प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	1		
मॉड्यूल-2	1.क्रय प्रबंधन की अवधारणा	1	1	6	20.0
	2.क्रय संगठन	1			
	3.क्रय सिद्धांत एवं नीति	1	1		

	4.क्रय प्रक्रिया एवं उससे संबंधित दस्तावेज	1			
मॉड्यूल-3	1.भंडार प्रबंधन की अवधारणा एवं प्रकार	1		6	20.0
	2.रख-रखाव का महत्व और कार्य	1			
	3.भंडार प्रबंधन के उद्देश्य और कार्य	1	1		
	4.स्टॉक के मूल्यांकन के तरीके	1	1		
मॉड्यूल-4	1.इन्वेन्टरी की अवधारणा	1	1	6	20.0
	2.स्पेयर-पाटर्स की इन्वेन्टरी नियंत्रण की आवश्यकता	1	1		
	3.स्पेयर-पाटर्स इन्वेन्टरी को प्रभावित करने वाले कारक	1			
	4.स्पेयर-पाटर्स इन्वेन्टरी के लिये नीतियॉ	1			
मॉड्यूल-5	1.वेयरहाउजिंग प्रबंधन का अर्थ एवं कार्य	1	1	6	20.0
	2.वेयरहाउस का आर्थिक महत्व	1	1		
	3.वेयरहाउस प्रबंधक के कर्त्तव्य	1			
	4.वेयरहाउस में सुरक्षा उपाय	1			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण,व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी सामग्री प्रबंधन की बुनियादी सिद्धांतों से अवगत होगें। उनके क्रियान्वयन की चुनौतियों का सामना करने	सामग्री प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होगी।	सामग्री प्रबंधन के विविध आयामो जैसे सामग्री वर्गीकरण,वेयरहाउजिंग, सूची नियंत्रण की विधियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।

	की क्षमता का विकास होगा।		

टिप्पणी:

19. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Datta, A. K. (2008), Materials Management: Procedure, Text and Cases, PHI Learning Pvt. Ltd.

		Gopalakrishnan, P. (2017), Purchasing and Materials Management, McGraw Hill Education
2	संदर्भ ग्रंथ	**-**
3	ई- संसाधन	**-**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 459
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट**4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

उत्पादन प्रबंधन में आपूर्ति श्रृंखला का विशेष महत्व है। यह पाठ्यचर्या आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के विविध आयामों पर केन्द्रित है। पाठ्यचर्या के प्रारंभ में आपूर्ति श्रृंखला से आशय, आपूर्ति श्रृंखला द्वारा मूल्यं सृजन तथा आपूर्ति बनाम मांग श्रृंखला, आपूर्ति श्रृंखला नियोजन एवं सामग्री क्रय विधियों का अध्ययन प्रस्तावित है। परिवहन एवं माल ढुलाई प्रबंधन, इन्वेन्टरी प्रबंधन, सूचना प्रणाली, गठबंधन, आउटसोर्सिंग, वैश्विक एवं प्रतिलोम आपूर्ति श्रृंखला इस पाठ्यचर्या के अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। अन्तिम भाग में आपूर्ति श्रृंखला की मात्रात्मक तकनीक, जोखिम प्रबंधन, मूल्य निर्धारण, लागत एवं वित्तीय निर्णयन एवं आपूर्ति श्रृंखला के निष्पादन मापन एवं नियंत्रण का अध्ययन प्रस्तावित है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. आपूर्ति श्रृंखला के नियोजन, सामग्री क्रय की प्रक्रिया, वितरण निर्णय एवं लीन उत्पादन की अवधारणा से विद्यार्थी अवगत होंगे।

2.आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में यातायात, माल ढुलाई तथा इन्वेन्टरी प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

3.आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में वैश्विक एवं प्रतिलोम आपूर्ति श्रृंखला की गुढ़ताओं को समझने की परक विद्यर्थियों में विकसित होगी।

4.आपूर्ति श्रृंखला में जोखिम प्रबंधन, लागत नियंत्रण एवं आपूर्ति श्रृंखला के निष्पादन के मूल्यांकन की गुढ़ताओं से विद्यार्थी परिचित होगें।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का अर्थ एवं महत्व	1		6	20.0

	2.आपूर्ति श्रृंखला में रसद की भूमिका	1			
	3.आपूर्ति श्रृखला बनाम मांग श्रृंखला	1	1		
	4.आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से मूल्य सृजन	1	1		
मॉड्यूल-2	1.आपूर्ति श्रृंखला नियोजन तथा खरीदने के तरीके	1	1	6	20.0
	2.लीन उत्पादन के अर्थ एवं महत्व	1			
	3.वितरण निर्णयन	1	1		
	4.ई-प्रोक्योरमेंट और सामरिक सोर्सिंग	1			
मॉड्यूल-3	1.परिवहन और माल ढुलाई प्रबंधन	1	1	6	20.0
	2.इन्वेन्टरी प्रबंधन तथा नेटवर्क डिजाइनिंग	2			
	3.सूचना प्रणाली	1	1		
मॉड्यूल-4	1.गठबंधन एवं आउटसोंसिंग	1	1	6	20.0
	2.वैश्विक एवं रिवर्स आपूर्ति श्रृंखला	1	1		
	3.आपूर्ति श्रृंखला की एकीकरण रणनीतियॉ	1			
	4.कोल्ड चेन नेटवर्किंग	1			
मॉड्यूल-5	1.आपूर्ति श्रृंखला में मात्रात्मक तकनीक	1	1	6	20.0
	2.आपूर्ति श्रृंखला जोखिम प्रबंधन	1	1		
	3.मूल्य निर्धारण, लागत एवं वित्तीय निर्णय	1			
	4. प्रदर्शन मापन एवं नियंत्रण	1			

योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य

	1	2	3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में यातायात, माल ढुलाई तथा इन्वेन्टरी प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।	आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में यातायात, माल ढुलाई तथा इन्वेन्टरी प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।	आपूर्ति श्रृंखला में जोखिम प्रबंधन, लागत नियंत्रण एवं आपूर्ति श्रृंखला के निष्पादन के मूल्यांकन की गुढ़ताओं से विद्यार्थी परिचित होगें।

टिप्पणी:

21. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य - सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	• Sople, (2012), Supply Chain Management: Text and Cases, Pearson Education, New Delhi. • Li, Ling, (2011), Supply Chain Management: Concepts, Techniques and Practices, Cambridge University Press India Pvt. Ltd., New Delhi. • Mohanty, R.P., Deshmukh, S.G., (2011), Supply Chain Management: Theories and Practices, Biztantra, New Delhi.
2	संदर्भ ग्रंथ	-
3	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** सेवा संचालन प्रबंधन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 460
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में सेवा संचालन प्रबंधन के विविध आयामों का अध्ययन प्रस्तावित है। सेवा की अवधारणा, सेवा रणनीति का निर्माण एवं क्रियान्वयन,सेवा गुणवत्ता, सेवा संचालन में मानव संसाधन की महत्ता का विश्लेषण प्रारंभिक भाग में प्रस्तावित है। सेवा सुविधा का स्थान, लेआउट निर्धारण, माँग एवं आपूर्ति में संतुलन जैसे महत्तवपूर्ण विषयों का इस पाठ्यचर्या के केन्द्र में रखा गया है। अन्तिम भाग में, सेवा इन्वेन्टरी, सेवा आपूर्ति श्रृंखला एवं सेवा संचालन प्रबंधन के मात्रात्मक प्रतिमानों की विशिष्टताओं से विद्यार्थी परिचित होगें।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. विद्यार्थियों में उत्पादन विपणन एवं सेवा विपणन में आधारभूत अन्तर की समझ विकसित होगी।
2. सेवा विपणन की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों की दक्षता में वृद्धि करना।
3. सेवा विपणन में कर्मचारियों एवं ग्राहकों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करना।
4. सेवा विपणन से संबंधित क्षमता प्रबंधन तथा आपूर्ति प्रबंधन का विश्लेषण, विभिन्न मॉडलों का विश्लेषण तथा इनसे संबंधित उपचारात्मक कदमों की पहचान एवं समझ विकसित करना।
5. सेवा इन्वेन्टरी एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संतुलन तथा सेवा संचालन के प्रबंधन में मात्रात्मक मॉडल का व्याख्या प्रस्तुत करना।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल घंटे**	**कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)**		
मॉड्यूल-1	1.सेवाओं की प्रकृति को समझना	2	1	6	20.0
	2.सेवा रणनीति और सेवा प्रतिस्पर्धा संरेखण	1			
	3.सेवा डिजाइन, विकास और स्वचालन	1	1		
मॉड्यूल-2	1.सेवाओं में मानव संसाधन	2	1	6	20.0

	का प्रबंधन				
	2.सेवा की गुणवत्ता	2	1		
मॉड्यूल-3	1.सेवाओं में क्षमता प्रबंधन या आपूति प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2.सेवाओं में मांग प्रबंधन	2	1		
मॉड्यूल-4	1.सेवाओं में क्षमता प्रबंधन या आपूर्ति प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2.प्रतिक्षा लाइनों और कतार मॉडलों का प्रबंधन	2	1		
मॉड्यूल-5	1.सेवा इन्वेंटरी और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	2	1	6	20.0
	2.सेवा संचालन के प्रबंधन में मात्रात्मक मॉडल	2	1		
योग		**20**	**10**	30	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि। (iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	सेवा विपणन में कर्मचारियों एवं ग्राहकों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करना।	सेवा विपणन से संबंधित क्षमता प्रबंधन तथा आपूर्ति प्रबंधन का विश्लेषण, विभिन्न मॉडलों का विश्लेषण तथा इनसे संबंधित उपचारात्मक कदमों की पहचान एवं समझ विकसित करना।	सेवा इन्वेन्टरी एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संतुलन तथा सेवा संचालन के प्रबंधन में मात्रात्मक मॉडल का व्याख्या प्रस्तुत करना।

टिप्पणी:

23. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
24. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतुआधार/ संदर्भ ग्रंथ

Text books / References / Resources

क्र. स.	**पाठ्य -सामग्री**	**विवरण (APAप्रारूप में)**
1	आधार/ पाठय ग्रन्थ	Parker W. David , Edward Elgar publishing Limited,UK, 2nd Edition (2018), "Service Operations Mangement ,The Total Experience"
2	संदर्भ ग्रंथ	-
	ई- संसाधन	-

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1.**पाठ्यचर्या का नाम :** उद्यम संसाधन नियोजन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MS 461
(Code of the Course)

3. क्रेडिट:2 क्रेडिट **4.सेमेस्टर** : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशलविकास गतिविधि	-
कुल क्रेडिट घंटे	30

5.पाठ्यचर्या का विवरण:---

(Description of Course)

यह पाठ्यचर्या उद्यम संसाधन प्रबंधन के विविध आयामों पर केन्द्रित है। ई.आर.पी. की अवधारणा एवं उससे संबंधित प्रौद्योगिकियों का अध्ययन पाठ्यचर्या के प्रारंभिक भाग में प्रस्तावित है। ई.आर.पी. क्रियान्वयन चक्र, ई.आर.पी.मॉडयूल संरचना, ई.आर.पी. एक क्रय परिपेक्ष्य, विक्रय एवं वितरण परिपेक्ष्य तथा इन्वेन्टरी परिपेक्ष्य का अध्ययन इस पाठ्यचर्या के महत्वपूर्ण भाग है। ग्राहक संबंध प्रबंध, मानव संसाधन प्रबंधन एवं वित्त प्रबंध परिपेक्ष्य में ई.आर.पी.की महत्ता का अध्ययन प्रस्तावित है। अन्तिम इकाई में ई.आर.पी. विक्रेता, सलाहकार, कर्मचारी तथा ई.आर.पी. की भावी दिशाओं का अध्ययन समाविष्ट है।

6.अपेक्षित अधिगत परिणाम CLOs:____

(Course Learning Outcomes)

इस पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणाम निम्न है:

1. उद्यम संसाधन नियोजन के क्षेत्र एवं महत्ता तथा तकनीकों से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2. क्रय, विक्रय एवं वितरण तथा इन्वेन्टरी प्रबंधन में ई.आर.पी. के अनुप्रयोगों के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
3. ग्राहक संबंध प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन एवं वित्तीय प्रबंधन के परिपेक्ष्य में ई.आर.पी. की महत्ता से विद्यार्थी अवगत होगे।
4. ई.आर.पी. की भावी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विद्यार्थियों में विकसित होगी।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल घंटे	कुलपाठ्यचर्या में प्रतिशतअंश (percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)		
मॉड्यूल-1	1.उद्यम: एक अवलोकन	1	1	6	20.0
	2.ईआरपी का परिचय	1			
	3.ईआरपी और संबंधित प्रौद्योगिकियां	2	1		
मॉड्यूल-2	1.ईआरपी कार्यान्वयन जीवन चक्र	2	1	6	20.0
	2.ईआरपी मॉडयूल संरचना	1			
	3.ईआरपी– एक विनिर्माण	1	1		

	परिप्रेक्ष्य				
मॉड्यूल-3	1.ईआरपी: एक खरीद परिप्रेक्ष्य	1	1	6	20.0
	2.ईआरपी: बिक्री और वितरण परिप्रेक्ष्य	2			
	3.ईआरपी: एक इन्वेंटरी प्रबंधन परिप्रेक्ष्य	1	1		
मॉड्यूल-4	1.ईआरपी: एक सीआरएम परिप्रेक्ष्य	2	1	6	20.0
	2.ईआरपी: एक मानव संसाधन परिप्रेक्ष्य	1			
	3.ईआरपी: एक वित्त परिप्रेक्ष्य	1	1		
मॉड्यूल-5	1.ईआरपी विक्रेता, सलाहकार और कर्मचारी	1	1	6	20.0
	2.विभिन्न ईआरपी विक्रेता	1	1		
	3.ईआरपी में भविष्य की दिशाएं	2			
योग		**20**	**10**	**30**	**100.0**

टिप्पणी:

1.माड्यून के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2.प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8.शिक्षण अभिगम,विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम दृष्टिकोण	अधिगम उन्नयन हेतु निम्न दृष्टिकोण है: (i) व्यवहारात्मक दृष्टिकोण – कार्यप्रेरक कदमों के प्रति विद्यार्थियों की अनुक्रिया का अवलोकन। (ii) पुनर्बलन दृष्टिकोण – विद्यार्थियों के ज्ञान ग्रहण एवं धारण क्षमता का पुनर्बलन।
विधियाँ	(i) व्याख्यान विधि। (ii) कार्य आवंटन विधि।

	(iii) विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन। (iv) पाठ्यचर्या विवरण एवं पाठ्यसामग्री में निरंतर सुधार।
तकनीक	ऑललाइन शिक्षण, सेमिनार,वेबिनार का आयोजन, सामूहिक विचार विमर्श।
उपादान	भूमिका निवर्हन, व्यावसायिक योजना का निर्माण, व्यापार खेल, प्रश्नोत्तरी तथा केस अध्ययन।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की प्राप्ति तालिका:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नालिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैटिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	क्रय, विक्रय एवं वितरण तथा इन्वेन्टरी प्रबंधन में ई.आर.पी. के अनुप्रयोगों के बारे में विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।	ग्राहक संबंध प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन एवं वित्तीय प्रबंधन के परिपेक्ष्य में ई.आर.पी. की महत्ता से विद्यार्थी अवगत होगे।	ई.आर.पी. की भावी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विद्यार्थियों में विकसित होगी।

टिप्पणी:

25. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)	सत्रांत परीक्षा (75%)

25. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

26. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम पारिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक		25			75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11/10/2021

(विभागाध्यक्ष)

अध्यक्ष/HEAD
प्रबंधन विभाग / Deptt. of Management
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
वर्धा / WARDHA- 442 001 (महा./ M.S.)